শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 337 | गुवाहाटी | गुरुवार, 6 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

चुनाव जीतने के लिए भाजपा अजमल पर निर्भर : भूपेन बोरा — पेज 3
एलसीए तेजस एमके-1ए इस साल के अंत तक हथियारों का परीक्षण शुरू करेगा — पेज 4
बुंदेलखंड के विकास को योगी सरकार ने कसी कमर — पेज 5
पंजाब सरकार शुरू करेगी डोर-स्टैप सर्विस डिलीवरी — पेज 8

असम कैबिनेट : लोक हित में कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर लगाई मुहर

उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को सरकार देगी स्कूटी

राज्य कृषि विवि के तहत ओबीसी के लिए सीटों के आरक्षण में वृद्धि को मंजूरी दी

गुवाहाटी (हि.स.)। असम कैबिनेट में लोक हित में कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगा दी। असम कैबिनेट ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी और नौंवी पास विद्यार्थियों को साइकिल देने, मुफ्त चावल वितरित करने के लिए लाभार्थियों की आय सीमा बढ़ाने और राज्य में लघु उद्योग लगाने के लिए प्रथम तीन वर्ष लाइसेंस से मुक्त करने का निर्णय किया है। बुधवार को कैबिनेट बैठक के बाद असम सरकार के मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने पत्रकार सम्मेलन को निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अरुणोदय योजना में सात लाख नए लाभार्थियों को जोड़ा जाएगा। इन लाभार्थियों को 10 सितंबर से 1250 रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने असम में वर्ष 2025 या वर्ष 2027 में नेशनल गेम्स के आयोजन के लिए ओलंपिक एसोसिएशन से अनुरोध करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि उच्चतर माध्यमिक परीक्षा 60 फीसदी अंकों से उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं एवं 75 फीसदी अंकों से उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को सरकार स्कूटी देगी। हालांकि, अगले वर्ष लड़का-लड़की 75 फीसदी अंक लाने वालों

को ही स्कूटी दी जाएगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि नौवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले 3,78,000 छात्रों को साइकिल दी जाएगी। इसके लिए सरकार ने 168 करोड़ रुपए स्वीकृत किया है। कैबिनेट की बैठक में छह जनजातियों को कृषि विश्वविद्यालय के साथ ही एएनएम एवं जीएनएम ट्रेनिंग स्कूलों में आरक्षण देने की व्यवस्था की जाएगी। इनमें मटक, मोरान, सुतिया, कोच राजवंशी, ताई अहोम तथा चाय जनजाति शामिल हैं। कैबिनेट बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अब ढाई लाख रुपए वार्षिक आमदनी की जगह चार लाख रुपए वार्षिक आमदनी तक वालों को मुफ्त चावल दी जाएगी। इस प्रकार 40 लाख नए लोगों को राशन कार्ड के जरिए इस योजना में शामिल किया जाएगा। इस राशन कार्ड के जरिए आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सेवा भी मुफ्त उपलब्ध करवाई जाएगी। कैबिनेट की बैठक में स्कूल मैनेजमेंट कमेटियों में एक शिक्षक, दो पूर्व छात्र एवं एक निर्वाचित सदस्य को शामिल किया जाना अनिवार्य किया गया। उन्होंने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि लघु उद्योग खोलने के लिए तीन वर्ष तक किसी भी प्रकार के लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होगी। उधर राज्य सरकार ने राज्य कृषि विश्वविद्यालय के तहत व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए सीटों का आरक्षण 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने की घोषणा की। यह निर्णय असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक के दौरान लिया गया। हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट किया कि असम कृषि विश्वविद्यालय के तहत व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)/अधिक अन्य पिछड़ा वर्ग (एमओबीसी) के लिए सीटों का आरक्षण 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि ओबीसी/एमओबीसी समुदायों के लिए आरक्षण में वृद्धि के मद्देनजर सीटों -शेष पृष्ठ दो पर

असम का बिहू दल फ्रांस रवाना

गुवाहाटी (हि.स.)। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में असम का 13 सदस्यीय बिहू दल विश्व स्तर पर असम की समृद्ध लोक संस्कृति के प्रसार और प्रचार के उद्देश्य से आज फ्रांस के लिए रवाना हुआ। यह दल 6 से 9 जुलाई तक फ्रांस के पेरिस में आयोजित होने वाले भारत महोत्सव (नमस्ते फ्रांस) में बिहू, सत्रीया, लोक संगीत आदि की प्रस्तुति देगा। नटराज समूह के अध्यक्ष और बिहू सम्राट रंजीत गोगोई, सचिव मुकुट बोरा के नेतृत्व वाली टीम में सितारानी हजारिका गोगोई, मीमन महंत, रितुमणि पातर, दृष्टिप्रिया सैकिया, डेजी सैकिया, हंसिका बोरा, दीक्षिता दास, मोहन दुवारा, शिवप्रसाद बरुवा, चंद्र हीरा और कौशिक बोरा शामिल हैं। संस्कृति मामलों के मंत्री बिमल बोरा ने भी टीम की विदेश यात्रा पर शुभकामनाएं दीं है।

यूसीसी के विरोध से ज्यादा लोग इसके पक्ष में : इंद्रेश कुमार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य इंद्रेश कुमार ने बुधवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन पर जोर देते हुए इसे सभी के हित का बताया। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता के विरोध से ज्यादा लोग इसके पक्ष में हैं। यूसीसी लागू होने के बाद धार्मिक संस्कार और छुआछूत की प्रथा खत्म हो जाएगी। यूसीसी महिलाओं पर होने वाले अत्याचार को भी खत्म कर देगा।

2026 तक सर्वश्रेष्ठ हो जाएगी असम पुलिस : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम पुलिस 2026 तक सर्वश्रेष्ठ पुलिस बल के रूप में उभरेगी और इसके लिए राज्य सरकार द्वारा प्रयास

किए जा रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए, सीएम शर्मा ने असम पुलिस को लोगों के अनुकूल बल के रूप में आकार देने के राज्य सरकार के प्रयास पर प्रकाश डाला। असम में लगभग 60,000-70,000 पुलिस कर्मी और होम गार्ड हैं और 2-3 प्रतिशत काली भेड़ों की उपस्थिति स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास असम पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मेघालय में मवेशी चोरी के संदेह में शख्स की पीट-पीट कर हत्या

शिलांग। मेघालय के पश्चिमी गारो हिल्स जिले में मवेशी चोरी करने के संदेह में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। मृतक असम का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, यह घटना सोमवार रात सेल्सेला के बाकलाग्रे गांव में हुई। जब लोगों ने व्यक्ति को पीटकर मार डाला। जिला पुलिस अधीक्षक विवेकानंद सिंह ने बताया कि पीड़ित की पहचान पुरंदियारा गांव के अयनल हक के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि अयनल हक को बाकलाग्रे में ग्रामीणों ने उस समय बुरी तरह पीटा, जब वह दो गायों के साथ भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अयनल हक मॉब लिंचिंग का शिकार हो गए। उन्होंने कहा कि हक को लोगों ने पकड़ लिया और पीट-पीटकर मार डाला। विवेकानंद सिंह ने कहा कि जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तब उसने दम तोड़ दिया था। मालूम हो कि अयनल हक के खिलाफ तुरा पुलिस स्टेशन में कई मामले दर्ज थे और हक को पिछले दिनों गिरफ्तार भी किया गया था।

देश में 15 रुपए प्रति लीटर हो सकता है पेट्रोल : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उदयपुर के प्रतापगढ़ में पेट्रोल के दाम को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि पेट्रोल अब 15 रुपए लीटर हो सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसान अब अन्नदाता नहीं

ऊर्जादाता बनेगा। ये हमारी सरकार की सोच है। मैं अगस्त में टोयोटा कंपनी की गाड़ियां लॉन्च कर रहा हूं। अब सभी गाड़ियां किसानों के तैयार किए इथेनॉल पर चलेंगी। गडकरी ने कहा कि 60 प्रतिशत इथेनॉल और 40 प्रतिशत बिजली। दोनों का एवरेज पकड़ा जाएगा तो अब 15 रुपए लीटर पेट्रोल का भाव होगा। उन्होंने कहा कि ऐसा होने से जनता का भला होगा। इम्पोर्ट कम होगा। प्रदूषण कम होगा -शेष पृष्ठ दो पर

डीजीपी की कार्रवाई से असम के पुलिसकर्मियों में मचा हड़कंप

गुवाहाटी। इन दिनों असम पुलिस की लगातार कार्रवाईयों से रिश्वतखोर और अन्य गंभीर आरोप से घिरे पुलिसकर्मियों में हड़कंप मचा हुआ है। एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि असम पुलिस ने अपने चार कर्मियों को वित्तीय भ्रष्टाचार और यौन उत्पीड़न के आरोप में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। असम के डीजीपी जीपी सिंह आरोपी पुलिसकर्मियों की जानकारी ट्विटर पर भी डाल रहे हैं। ताजा मामला मंगलवार का है जब उन्होंने जानकारी दी कि नायक (यूबी) मियाचंद अली को विभागीय कार्यवाही के बाद बड़े कदाचार के आरोप में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। मियाचंद को पिछले -शेष पृष्ठ दो पर

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet
ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

चाचा को पद से हटा अजित पवार खुद बने एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

मुंबई। अजित पवार और शरद पवार के बीच छिड़ी सियासी लड़ाई के बीच बड़ी खबर सामने आई है। अजित पवार ने चाचा शरद पवार को एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटा दिया है। अजित पवार खुद ही एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने आज राष्ट्रीय

कार्यकारिणी बैठक बुलाई जिसमें प्रस्ताव पास किया गया है कि पार्टी लोगों के कल्याण के उद्देश्य से दूर जा रही है, ऐसे में शरद पवार की जगह अजित पवार को अध्यक्ष चुना जाता है। चुनाव आयोग में भी अजित पवार गुट ने अर्जी दायर की है। इसमें बताया गया है कि 30 जून को मुंबई में हुई कार्यकारिणी की बैठक में अजित पवार को एनसीपी का अध्यक्ष चुना गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की गुटीय लड़ाई निर्वाचन आयोग के दरवाजे तक पहुंच गयी है और अजित पवार के नेतृत्व -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव आयोग तक पहुंची राकांपा पर अधिकार की लड़ाई

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) पर अधिकार की लड़ाई चुनाव आयोग तक पहुंच गई है। राकांपा के अजित पवार गुट ने पार्टी और उसके चुनाव चिह्न को लेकर चुनाव आयोग में दावा किया है। अजित पवार गुट ने अपने समर्थन में विधायकों और सांसदों के 40 से अधिक हलफनामे दाखिल किए हैं। इसके पहले राकांपा के शरद पवार गुट ने चुनाव आयोग में कैविएट दाखिल कर कहा कि किसी भी फैसले पर पहुंचने से -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में 62 दिन के बाद खुले स्कूल, औसतन उपस्थिति काफी कम

इंटरनेट सेवा पर प्रतिबंध 10 जुलाई तक बढ़ा

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में शिक्षकों, अभिभावकों और छात्र समाज की सहमति पर 62 दिन के बाद बुधवार से स्कूल खुल गए। पहले दिन स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति नाममात्र की रही। पूरे राज्य में पहले दिन छात्रों की औसत उपस्थिति दर करीब 20 फीसदी रही। मणिपुर सरकार ने हिंसाग्रस्त राज्य में अधिकांश स्कूलों के -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
शत्रु दण्ड नीति के ही योग्य है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

खालिस्तानी आतंकी पन्नू की सड़क हादसे में मौत!

वाशिंगटन। खालिस्तानी आतंकवादी सिख फॉर जस्टिस के सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू की अमेरिका में एक सड़क दुर्घटना में मौत का समाचार है। ट्विटर पर उनकी मौत की खबर तेजी से ट्रेंड हो रही है। हालांकि इसकी कोई पुष्टि नहीं कर रहा है। एक के बाद एक खालिस्तानी आतंकियों की मौत के बाद से पन्नू सहित खालिस्तानी समर्थकों में भय का माहौल बना हुआ था। पाकिस्तान में परमजीत सिंह पंजवड़ की हत्या, फिर लंदन में अवतार सिंह खांडा की मौत, और कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद पन्नू को खतरा था कि अब -शेष पृष्ठ दो पर

यूसीसी पर इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली (हि.स.)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने बुधवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर अपनी आपत्तियां विधि आयोग को दर्ज करा दी हैं। बोर्ड ने बुधवार को सुबह इस संबंध में एक मसौदे (ड्रॉफ्ट) को बैठक में मंजूरी दी गई है। मसौदे में पांच बिंदुओं के जरिये यूसीसी पर आपत्ति जताई गई है। बोर्ड के

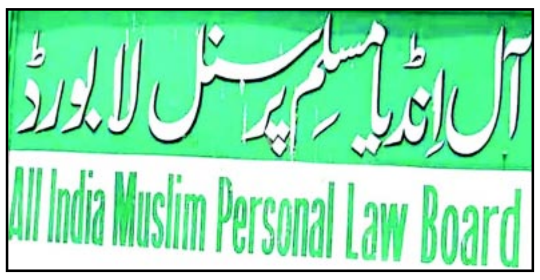

प्रवक्ता कासिम रसूल इलियासी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि विधि आयोग ने 14 जून को नोटिस भेजकर यूसीसी से संबंधित प्रतिक्रिया मांगी थी। इस पर एआईएमपीएलबी ने पांच बिंदुओं के जरिये यूसीसी पर आपत्ति जताई है। इन पांच बिंदुओं में प्रारंभिक मुद्दों, प्रतिक्रिया और 21वें लॉ कमीशन की रिपोर्ट, समान नागरिक संहिता, मौजूदा नागरिक कानूनों और निष्कर्ष को शामिल किया गया है। बोर्ड ने विधि आयोग को सौंपे गए अपने मसौदे में मांग की गई है कि न केवल आदिवासियों बल्कि हर धार्मिक अल्पसंख्यक को इस तरह के कानून के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। दरअसल, बोर्ड की कार्यकारी समिति ने 27 जून को कार्यकारी बैठक में यूसीसी पर तैयार अपनी प्रतिक्रिया के मसौदे को मंजूरी दे दी थी। बुधवार को इस -शेष पृष्ठ दो पर

800 रुपए में महिला ने किया अपनी आठ महीने की बेटी का सौदा

मयूरभंज। ओडिशा के मयूरभंज में एक महिला अपनी आठ महीने की बेटी को महज 800 रुपए में एक दंपत्ति को बेच दिया। महिला के पति तमिलनाडु में दिहाड़ी मजदूर है और इस मामले में पूरी तरह से अंजान है। महिला की पहचान करामी मुर्मू के तौर पर की गई है जो मयूरभंज जिले के खूंटा की रहने वाली है। पुलिस के अनुसार महिला अपनी दूसरी बेटी के जन्म से खुश नहीं थी और उसके पालन पोषण के लिए अपनी पड़ोसी माही मुर्मू से चिंता जताई। जिसके बाद पड़ोसी ने ही बच्ची का सौदा करने के लिए खरीददार की व्यवस्था की थी। दंपत्ति के साथ सौदा होने के बाद महिला ने महज 800 रुपए में अपनी बेटी को बेच दिया। दंपत्ति फूलमणि और अखिल मरांडी बिपराचरणपुर के रहने -शेष पृष्ठ दो पर

सिद्धार्थनगर में खजाने से भरा घड़ा मिला

सिद्धार्थनगर (हि.स.)। मोहाना थाना क्षेत्र के ग्राम गडमोर के टोला बरगदवा के खंडहरनुमा एक मकान में बच्चों को खेलते समय ब्रिटिश कालीन सिक्कों से भरा घड़ा मिला है। पुराना खजाना मिलने की सूचना गांव में जंगल में लगी आग की तरह फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घड़ा भवन स्वामी से लेकर कब्जे में ले लिया। सिक्कों का घड़ा समेत पंद्रह किलोग्राम वजन है। पुरातत्व विभाग को इसकी सूचना दे दी गई है। दुर्गेश पुत्र रामलाल का ग्राम गड़मोर टोला बरगदवा आबादी में पुराना घर (खण्डहर) के रूप में तब्दील हो गया है। वहां पर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD**, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आदिवासी युवक पर लघुशंका करने के मामले में प्रवेश शुक्ला के घर पर चला बुलडोजर

भोपाल (हि.स.)। मध्य प्रदेश सीधी जिले में मानवता को शर्मसार करने के मामले में जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को बड़ी कार्रवाई की गई है। आदिवासी युवक के सिर पर लघुशंका करने वाले कथित भाजपा नेता प्रवेश शुक्ला के घर के अवैध निर्माण को राजस्व विभाग के अमले ने बुलडोजर से ढहा दिया। इस मौके पर एसडीएम नीलांबर मिश्रा, पटवारी और 70 से अधिक पुलिसकर्मी मौजूद रहे। प्रवेश शुक्ला को मंगलवार देर रात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। उस पर एनएसए लगाया गया है। बुधवार को दोपहर में सरकारी अमला प्रवेश शुक्ला का घर ढहाने के लिए बुलडोजर और जेसीबी लेकर पहुंचा तो आरोपित प्रवेश की मां और चाची बेहोश हो गईं। मौके पर एम्बुलेंस के साथ मौजूद डॉक्टरों ने उनका उपचार किया। आरोपित की मां ने रोते हुए अफसरों से फरियाद की, बेटे ने गलत काम किया है तो उसे सजा दें। मेरा घर न गिराएं। यह घर मैंने बड़ी मुश्किल से बनाया है। प्रशासन की टीम ने उन महिलाओं की बात को अनसुना कर दिया और प्रशासनिक अमला मकान का अवैध निर्माण गिराने में जुटा रहा। बताया गया है कि उक्त मकान में चार हिस्सेदार हैं। प्रवेश के पिता रमाकांत शुक्ला, दो चाचा और दादी। जिला प्रशासन ने इस मकान के आसपास बने स्टोर रूम के दो कमरे, मेहमानों के लिए बनाए गए कमरे और सीढ़ियों के साथ ही मुख्य मकान के आगे के हिस्से को ढहाया है। राजस्व विभाग के अधिकारी सौरभ मिश्रा ने बताया कि फिलहाल 400 वर्ग फीट में बने अवैध हिस्से को गिराया गया है। सिहावल के एसडीएम आरपी त्रिपाठी का कहना है कि राजस्व टीम ने सुबह अवैध निर्माण की जगह को पहले चिह्नित किया, जिसमें मकान में किए गए निर्माण में से करीब एक तिहाई हिस्सा अवैध पाया गया। प्रशासन द्वारा अवैध हिस्से को ही ढहाया गया है। इस मामले में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने फिर सख्त रुख दिखाया है। उन्होंने बुधवार शाम को ट्वीट के माध्यम से कहा कि लघुशंका कांड के आरोपित पर एनएसए लगा दिया गया है। घर के अवैध हिस्से पर बुलडोजर भी चला दिया गया है। अगर जरूरत पड़ी तो मामाजी अपराधियों को 10 फुट जमीन के नीचे भी गाड़ देंगे। मामाजी का संदेश साफ है, इसलिए गलत मंशा वालों मध्य प्रदेश में अपराध करने से पहले 10 बार सोच लेना। दरअसल, दिलीप मंडल नाम के एक यूजर ने ट्वीट किया था कि अगर इस केस में बुलडोजर नहीं चला तो यही माना जाएगा कि आप (मुख्यमंत्री) में न्याय करने की क्षमता नहीं है और आप समदर्शी नहीं हैं। इसके जवाब में मुख्यमंत्री चौहान ने ट्ववीट करके यह बात कही। घटना को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने जनजाति विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति बनाई है। यह समिति पूरे मामले की जांच कर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट देगी। समिति में विधायक शरद कोल, अमर सिंह और बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह को भी शामिल किया गया है। सीधी लघुशंका कांड को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट कर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा राज में आदिवासी भाई-बहनों पर अत्याचार बढ़ते ही जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में एक भाजपा नेता के अमानवीय कृत्य से सारी इंसानियत शर्मसार हुई। यह भाजपा का आदिवासियों और दलितों के प्रति नफरत का घिनौना चेहरा और असली चरित्र है।

आरएसएस ने कभी हिंसा स्वीकार नहीं की : भागवत

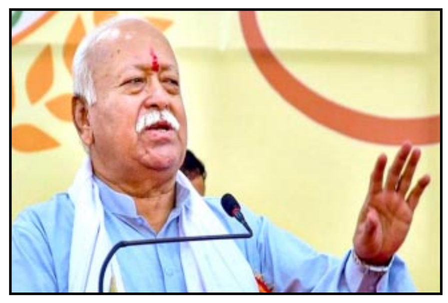

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि संघ के नेताओं ने हमेशा हिंसा का विरोध किया है। भागवत ने आरएसएस के नेता दिवंगत लक्ष्मणराव ईनामदार की जीवनी के मराठी अनुवाद के विमोचन के अवसर पर यह बात कही। यह जीवनी दशकों पहले गुजराती में राजाभाई नेने और (उस समय संघ के कार्यकर्ता) नरेंद्र मोदी ने लिखी थी। भागवत ने आपातकाल के दौरान प्रसिद्ध बड़ौदा डायनामाइट मामले का जिक्र करते हुए कहा कि मैं उस समय लगभग 25 साल का था। बड़ौदा डायनामाइट मामले के बाद हम युवाओं को लगा कि हम कुछ साहसी काम कर सकते हैं। युवाओं को संघर्ष और साहस पसंद होता है, लेकिन लक्ष्मणराव ईनामदार ने हमें मना करते हुए कहा कि यह आरएसएस की शिक्षा नहीं है। बड़ौदा डायनामाइट मामले में समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडिस को गिरफ्तार किया गया था। भागवत ने कहा कि ईनामदार ने उन्हें बताया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार ने संविधान का पूरा तरह से अपमान किया है, लेकिन यह ब्रिटिश राज नहीं है और आरएसएस हिंसा को स्वीकार नहीं करता है। उन्होंने कहा कि आरएसएस के मूलभूत विचार सकारात्मक हैं और हम यहां किसी का विरोध करने के लिए नहीं हैं। कहा जाता है कि महाराष्ट्र के सतारा के रहने वाले ईनामदार का प्रधानमंत्री मोदी के जीवन पर बड़ा प्रभाव था। आरएसएस प्रमुख ने यह भी कहा कि हिंदुओं को संगठित करना मुसलमानों और ईसाइयों का विरोध नहीं है। भागवत ने कहा कि कभी-कभी किसी क्रिया पर प्रतिक्रिया होती है। कभी-कभी जैसे को तैसे की प्रतिक्रिया होती है, लेकिन सही मायने में शांति और सहिष्णुता हिंदुत्व के मूल्य हैं।

पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल को मंजूरी दे दी है। इसे आगामी संसद सत्र में पेश किया जाएगा। मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक विधेयक में उपयोगकर्ताओं के हित पर ध्यान केंद्रित किया गया है। व्यक्तिगत डेटा के दुरुपयोग को लेकर बड़े जुर्माने का प्रावधान है। इसके तहत डिजिटल डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड जुर्माना तय करेगा। सरकार ने पिछले साल नवंबर में सार्वजनिक परामर्श के लिए मसौदा प्रकाशित किया था। विधेयक उसी का संस्करण है। मंत्रालय को 21,606 सुझाव प्राप्त हुए, लगभग 100 संगठनों से परामर्श किया गया। विधेयक में व्यक्तिगत डेटा पर ध्यान केंद्रित करते हुए गैर-व्यक्तिगत डेटा के उपयोग को विनियमित करने का जिक्र नहीं है। इसमें व्यवसायों द्वारा सभी उपयोगकर्ता डेटा को स्थानीय रूप से संग्रहीत करने की आवश्यकता को भी हटा दिया है और इसके *विश्वसनीय भौगोलिक क्षेत्रों* में संग्रहीत करने की छूट दी है।

झड़प के बाद भीड़ ने आईआरबी कर्मी के घर में लगा दी आग

इंफाल। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मणिपुर के थौबल जिले में गुस्साई भीड़ ने इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के एक जवान के घर में आग लगा दी। यह घटना मंगलवार रात को समाराम में हुई जब 27 साल के रोनाल्डो नाम के एक व्यक्ति की झड़प में मौत हो गई जब 700-800 लोगों की भीड़ ने 4 किमी दूर वांगबल में तीसरे आईआरबी के शिविर पर हमला करने की कोशिश की और उनके हथियार लूटने की भी कोशिश की। बलों ने स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश की और पहले आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने कहा कि लेकिन जैसे ही सशस्त्र भीड़ ने गोलियां चलाईं, बलों ने जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि भीड़ ने अतिरिक्त बलों को वहां पहुंचने से रोकने के लिए कई स्थानों पर शिविर की ओर जाने वाली सड़कों को भी अवरुद्ध कर दिया, लेकिन बल फिर भी आगे बढ़ गया। इस दौरान भीड़ ने कैंप की ओर जा रही असम राइफल्स की एक टीम पर हमला कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने असम राइफल्स के जवानों पर गोलीबारी की, जिसमें एक जवान घायल हो गया और उनके वाहन को आग लगा दी। झड़प में रोनाल्डो नाम के एक व्यक्ति को गोली मार दी गई। उसे पहले थौबल जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बाद में उनकी हालत गंभीर होने के कारण इंफाल के एक अस्पताल में रेफर कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि राज्य की राजधानी ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई।

गुवाहाटी चाणक्य आईएएस अकादमी में गोर्खा विकास परिषद का सुपर 20 कार्यक्रम शुरू

गुवाहाटी। गोर्खा उन्नयन परिषद और ऑल असम गोर्खा स्टूडेंट्स यूनियन के सहयोग से चाणक्य आईएएस अकादमी ने गुवाहाटी के चाणक्य आईएएस अकादमी सेंटर में सुपर 20 के उद्घाटन श्रेणी का शुभारंभ किया। गोर्खा समुदाय के कुल 20 छात्रों को उचित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के माध्यम से असम लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी के लिए चुना गया था। चाणक्य आईएएस अकादमी के पूर्वोत्तर भारत के निदेशक कुरंगनयनी चेतिया ने कहा कि सबसे पहले, मैं गोर्खा विकास परिषद के अध्यक्ष प्रेम तमांग को गोर्खा समुदाय के 20 छात्रों को प्रशिक्षित करने की इस महान पहल के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं! मैं सुपर 20 में चयनित प्रत्येक छात्र को भी बधाई देता हूं जिन्होंने निकट भविष्य में असम के प्रशासन का हिस्सा बनने की दिशा में अपनी यात्रा शुरू की है।

पृष्ठ एक का शेष

उच्चतर माध्यमिक परीक्षा...

का शैक्षणिक सत्र आरक्षण देने का फैसला लिया गया है। अर्थात् शैक्षणिक सत्र 2023-24 से एएयू के तहत व्यावसायिक पाठ्यक्रम में चाय जनजाति, मोरान, मटक, ताई-अहोम, चुटिया और कोच राजबोंगशी को वर्द्धित आरंक्षण का लाभ मिलेगा। वहीं 24 सरकारी जीएनएम में बीएससी/जीएनएम/एएनएम प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में 27 प्रतिशत ओबीसी/एमओबी आरक्षण के भीतर 6 समुदायों, अर्थात् - ताई अहोम, चुटिया, मोरन, मटक, कोच राज-बोंगशी और चाय जनजातियों को प्रशिक्षण स्कूल, 18 एएम प्रशिक्षण स्कूल और 3 बीएससी नर्सिंग स्कूल में सीटों के आरक्षण का लाभ मिलेगा।

2026 तक सर्वश्रेष्ठ ...

को लोगों के अनुकूल बल के रूप में आकार देना है। इसे बनाना आसान नहीं है ऐसा इसलिए, क्योंकि असम पुलिस यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (अल्फा) के समय से ही उग्रवाद से निपटने वाली ताकत बन गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि जब बल उग्रवाद से निपटने में व्यस्त था तब उसकी मानसिकता बदल गई है क्योंकि वह लोगों से अलग हो गई है। इसके अलावा, सीएम शर्मा ने कहा कि उग्रवाद की समस्या लगभग 90 प्रतिशत हल हो गई है और पुलिस को लोगों के बीच रहकर काम करना होगा ताकि वह मैत्रीपूर्ण संबंध बना सके और नए जमाने के अपराधों जैसे साइबर अपराध, डिजिटल अपराध, धोखाधड़ी आदि से लड़ सके। इसलिए, हमने फोरेंसिक, डीएनए फिंगरप्रिंट को मजबूत करने को महत्व दिया है और असम पुलिस की मानसिकता को बदलना चाहिए। जिसके लिए कार्रवाई और काली भेड़ों को हटाने के प्रयास जारी रहेंगे। 2026 तक हमारे पास सबसे अच्छा पुलिस बल होगा। यह उल्लेख करना उचित है कि हाल ही में हुई घटनाओं के संबंध में मामलों से निपटने के लिए असम पुलिस को किस तरह से काफी आलोचना झेलनी पड़ रही है। गुवाहाटी में सातगांव पुलिस पर एक जघन्य अपराध को छुपाने के गंभीर आरोप लग रहे हैं, जहां घर में घुसकर आठ हमलावरों ने मां-बेटी के साथ सामूहिक बलात्कार किया था। आरोप है कि पुलिस ने शुरू में उनके मामले में बलात्कार का आरोप दर्ज नहीं किया। मामला तब सामने आया जब गौहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जीएमसीएच) की मेडिकल रिपोर्ट में बलात्कार की पुष्टि हुई जिसके बाद पुलिस ने मामले में आईपीसी की धारा 376 के आरोप जोड़े। पुलिस ने कथित तौर पर पीड़ितों और पड़ोसियों को धमकी दी और उनसे घटना के बारे में मीडियाकर्मियों से बात नहीं करने को कहा। कुछ पड़ोसियों ने बताया कि इस डर से कि मां मीडिया में जाएंगी, पुलिस ने कथित तौर पर उन्हें बिना पर्याप्त कारण के विभिन्न अवसरों पर पुलिस स्टेशन में बुलाया। इसके अलावा, मोरिकोलोंग के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) जुनमोनी राभा की रहस्यमय मौत ने इस सूची में और इजाफा कर दिया। यह मामला राज्य में सुर्खियों में रहा और मृतक पुलिसकर्मी के लिए न्याय की मांग को लेकर कई क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन हुए। मामला इतना संवेदनशील हो गया कि जनता का असम पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) पर से भरोसा उठ गया और उन्होंने मांग की कि जांच केंद्रीय एजेंसी (सीबीआई) से कराई जाए। कई संगठनों ने जुनमोनी राभा की *रहस्यमयी* मौत की गहन जांच की मांग की। उधर एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि इतने सारे सुराग सामने आए हैं जो जुनमोनी राभा की मौत में गड़बड़ी का संकेत देते हैं, फिर भी सरकार और राज्य पुलिस चुप है। यह तथ्य अब सामने आ गया है कि नागांव की एसपी लीना दलै ने जानबूझकर जुनमोनी की हत्या की। सरकार लीना दलै को दूसरे जिले में स्थानांतरित करके इस मुद्दे को कवर करने की कोशिश कर रही है, लेकिन इससे चीजें नहीं बदलेंगी। हम लीना दलै के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं, चाहे वह रिजर्व क्लोज्ड हो या निलंबन। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि असम के लोगों का धीरे-धीरे असम पुलिस पर भरोसा बढ़ रहा था, लेकिन इस घटना ने हमारी आंखें खोल दी हैं। हमारा असम पुलिस पर से पूरा भरोसा उठ गया है। विशेष रूप से, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के एक नेता भी विरोध स्थल पर मौजूद थे, जिन्होंने यह भी स्वीकार किया कि जुनमोनी राभा की मौत एक पूर्व नियोजित हत्या थी। उन्होंने कहा कि जुनमोनी की मौत को भले ही पुलिस सड़क दुर्घटना घोषित कर रही हो, लेकिन असम के लोग अच्छी तरह से जानते हैं कि यह एक पूर्व नियोजित हत्या थी। यह पूछे जाने पर कि क्या लोग केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को मामला सौंपे जाने से खुश हैं, उन्होंने कहा कि हम संतुष्ट हैं लेकिन जांच बहुत धीमी गति से चल रही है। जांच में देरी नहीं होनी चाहिए।

डीजीपी की कार्रवाई...

साल रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। अन्य ट्वीट में डीजीपी ने कहा कि दो जुलाई को चार करोड़ रुपए का सोना हड़पने के आरोप के बाद सब-इंस्पेक्टर निपू कलिता और तीन जुलाई को जीआरपी के कॉन्स्टेबल सरस्वती हासनू बर्खास्त को किया गया है। डीजीपी ने इससे एक हफ्ते पहले ट्वीट उन्होंने घोगरापार थाने के प्रभारी अधिकारी और इंस्पेक्टर बिमान रॉय को सेवा से बर्खास्त करने की जानकारी दी थी। बर्खास्त पुलिस अधिकारी बिमान रॉय पर आरोप है कि उसने घोगरापार थाने में नाबालिग के यौन उत्पीड़न किया और पुलिस हिरासत में आपत्तिजनक तस्वीरें लीं। हालांकि इसके बाद इंस्पेक्टर बिमान रॉय अभी भी फरार हैं। शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा कि जो कोई भी पुलिस स्टेशनों में नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित रखने के कर्तव्य का निर्वहन नहीं करेगा, उसे हमेशा इसी तरह के परिणाम भुगतने होंगे। आगे डीजीपी जीपी सिंह ने कहा कि असम पुलिस की महिमा बरकरार रहे इसके लिए मुझे दी गई अधिकतम शक्तियों का प्रयोग करूंगा।

देश में 15 रुपए...

और किसान अन्नदाता से उर्जादाता बनेगा। हवाई जहाज का ईंधन भी किसान बना रहा है। यही हमारी सरकार का कमाल है। नितिन गडकरी ने कहा कि 16 लाख करोड़ का ईंधन इम्पोर्ट अब किसानों के घर में जाएगा। पानीपत से परली से इथेनॉल तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब परली से डामर भी तैयार होगा। राजस्थान के प्रतापगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए गडकरी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इतने सालों तक देश का शासन किया लेकिन गरीबी दूर नहीं हुई जबकि उसी ने गरीबी हटाने का नारा दिया था। मगर ऐसा नहीं हुआ। हां एक बात जरूर हुई कि कांग्रेस ने अपने लोगों की गरीबी दूर कर दी। वहीं, रोजगार पर बात करते हुए गडकरी ने कहा कि हमारे ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का टर्नओवर 7.5 लाख करोड़ है। साढ़े चार करोड़ युवाओं को नौकरी मिली है। सरकार को सबसे ज्यादा जीएसटी देने वाली इंडस्ट्री है। हमने तय किया है कि इस इंडस्ट्री को 15 लाख करोड़ की बनाएंगे। 10 करोड़ युवाओं को नौकरी मिलेगी।

चाचा को पद ...

वाले समूह ने उनके समर्थन में विधायकों और सांसदों के 40 से अधिक हलफनामे दाखिल किए हैं। निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने बताया कि शरद पवार खेमे ने आयोग के समक्ष एक याचिका दायर कर अनुरोध किया है कि गुटीय लड़ाई के संबंध में कोई भी निर्देश पारित करने से पहले उनकी बात सुनी जाए। निर्वाचन आयोग आगामी दिनों में याचिकाओं पर कार्रवाई कर सकता है और दोनों पक्षों से उसके समक्ष प्रस्तुत संबंधित दस्तावेजों का आदान-प्रदान करने के लिए कह सकता है। शरद पवार द्वारा 1999 में स्थापित राकांपा में रविवार को विभाजन हो गया और अजित पवार 40 से अधिक विधायकों के समर्थन का दावा करते हुए महाराष्ट्र में शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी गठबंधन सरकार में शामिल हो गए। रविवार को अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री और राकांपा के आठ अन्य विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। अजित पवार ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, दिलीप वाल्से पाटिल के साथ असली राकांपा होने का दावा किया। शरद पवार ने भी असली राकांपा होने का दावा किया और पटेल तथा लोकसभा सदस्य सुनील तटकरे को पार्टी से निष्कासित कर दिया। इसने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को भी पत्र लिखकर रविवार को मंत्री पद की शपथ लेने वाले नौ विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है।

चुनाव आयोग तक ...

पहले उनका भी पक्ष सुना जाना चाहिए। चुनाव आयोग ने राकांपा के दोनों धड़ों को संबंधित दस्तावेज जमा कराने को कहा है। मामले में चुनाव आयोग जल्द ही सुनवाई शुरू कर सकता है। सूत्रों के अनुसार चुनाव आयोग को सांसदों/विधायकों के 40 हलफनामों सहित एक याचिका प्राप्त हुई है। इसमें बिना तारीख का प्रस्ताव है जिसमें सर्वसम्मति से अजित पवार को राकांपा का अध्यक्ष चुना गया है। सूत्रों के अनुसार चुनाव आयोग को शरद पवार गुट के महाराष्ट्र राज्य राकांपा के अध्यक्ष जयंत पाटिल से कैविएट दाखिल करने वाला तीन जुलाई का एक ईमेल प्राप्त हुआ है। आयोग को पाटिल का तीन जुलाई का एक पत्र भी मिला है, जिसमें बताया गया है कि महाराष्ट्र विधानसभा के नौ सदस्यों की अयोग्यता के लिए अयोग्यता कार्यवाही सक्षम प्राधिकारी के समक्ष दायर की गई है।

मणिपुर में 62 दिन...

लगभग दो महीने बंद रहने के बाद बुधवार से सामान्य रूप से कक्षाएं फिर से शुरू करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। सरकार के प्रयासों के बावजूद उपस्थिति आशानुरूप से कम है। शिक्षा विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि पहले दिन उपस्थिति दर काफी कम मात्र 20 फीसदी रही। इसके अलावा, राज्य के 96 स्कूलों में शरणार्थी शिविर खोले गए हैं। स्कूलों की सबसे बड़ी संख्या चुराचांदपुर जिले में है, जहां 41 स्कूलों को शरणार्थी शिविरों में बदल दिया गया है। इसके अलावा, बिष्णुपुर में 17, काकचिंग में 10, इंफाल पूर्व में 8, कांगपोकपी में 8, उखरुल ओतेंगलोपाल में 4, इंफाल पश्चिम और थौबल जिलों में 2-2 शरणार्थी शिविर खोले गए हैं। इसलिए अभी उन स्कूलों में पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी है। राज्य में लगातार छिटपुट झड़पों के बीच शिक्षकों, अभिभावकों और छात्र समाज ने छात्रों की पढ़ाई को ध्यान में रखते हुए लगातार बैठकें हुई। इसमें शांति बनाए रखने और स्कूलों को फिर से खोलने पर सहमति बनी। सामूहिक निर्णय के बाद मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को कक्षा एक से आठवीं तक के स्कूल 5 जुलाई से खोलने का आदेश दिया था। इस बीच, इंफाल के लिटिल फ्लावर स्कूल के एक छात्र का कहना है कि दो महीने घर पर रहने के चलते अपने दोस्तों और शिक्षकों से नहीं मिल पाया। स्कूल खुलने से खुश हूं। इंफाल के वांगखेई हाई स्कूल की प्रधानाध्यापिका आरके रंजीता देवी ने स्कूल खोलने संबंधी सरकार के फैसले का समर्थन किया। प्रधानाध्यापिका के अनुसार पहले दिन आज केवल 10 प्रतिशत उपस्थिति रही। चौथी कक्षा के छात्र के पिता भावेश शर्मा ने उम्मीद जताई कि कक्षाएं नियमित रूप से चलने से स्थिति सामान्य रहेगी। वह भी अन्य अभिभावकों की तरह आशावादी हैं कि जल्द ही राज्य में शांति और सद्भाव लौट आएगा। उधर मणिपुर सरकार ने हिंसा की वारदातों के बीच अफवाहों, वीडियो, फोटो और फर्जी संदेशों के प्रसार को रोकने के लिए एक बार फिर इंटरनेट सेवा पर प्रतिबंध को 10 जुलाई तक बढ़ा दिया है। राज्य सरकार ने हिंसा, हमले, आगजनी और गोलीबारी की छिटपुट घटनाओं को लेकर राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की एक रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया गया। खुफिया सूत्रों से प्राप्त जानकारी के आधार पर डीजीपी ने अपनी रिपोर्ट में सरकार को सूचित किया कि ऐसी आशंका है कि कुछ असामाजिक व्यक्ति राज्य में अशांति पैदा करने के लिए नफरतभरे भाषण वाले वीडियो संदेश, फर्जी संदेश वाले टेक्स्ट संदेश फैलाने के लिए बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं। ऐसे संदेश सार्वजनिक अशांति भड़कने की आशंका है। इससे राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो जाएगी। डीजीपी ने रिपोर्ट में यह भी लिखा कि राज्य में धीरे-धीरे शांति लौट रही है। इसके बाद भी जनहानि, सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति की क्षति तथा सांप्रदायिक सौहार्द को भंग होने से बचाने के लिए पुलिस सक्रिय है। डीजीपी की रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार ने संबंधित अधिकारियों को अगले पांच दिन तक इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध रखने का आदेश दिया है।

यूसीसी पर इंडिया ...

ड्रॉफ्ट को बोर्ड की वर्चुअल आम बैठक में चर्चा के लिए पेश किया गया। इस बैठक में मसौदे को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई, जिसके बाद इसे विधि आयोग को भेज दिया गया है। बोर्ड की बैठक में फैसला लिया गया कि हर स्तर पर यूजीसी का विरोध किया जाएगा। विधि आयोग ने 14 जून के अपने नोटिस में विभिन्न पक्षों और हितधारकों को यूसीसी से संबंधित अपनी आपत्तियां दर्ज कराने के लिए एक महीना अर्थात 14 जुलाई तक का समय दिया था। इसे ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने अपर्याप्त बताते हुए पहले छह महीने का समय बढ़ाने का अनुरोध किया था। अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए बोर्ड ने कहा है कि ऐसा लगता है कि इस गंभीर मुद्दे पर रेफ्रेंडम लेने के लिए इसे सार्वजनिक किया गया है, जिसमें सुझाव को कोई स्थान नहीं दिया गया है। बस हां या ना में प्रतिक्रिया मांगी गई है। हम इसपर अपनी प्रतिक्रिया इसलिए भी सौंप रहे हैं, क्योंकि यह पूर्णत: कानूनी मामला है, जिसे राजनीतिक स्वार्थ और मीडिया के जरिए प्रोपेगंडा के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। बैठक में बोर्ड के सभी सदस्यों से यूसीसी के खिलाफ व्यक्तिगत रूप से विधि आयोग के समक्ष अपने विचार रखने और अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और अन्य लोगों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कहा गया। प्रवक्ता कासिम रसूल इलियास ने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड हमेशा यूसीसी के खिलाफ रहा है। उसका मानना है कि भारत जैसे देश में यूसीसी के नाम पर केवल एक कानून लागू करना लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है। बोर्ड के सदस्य और लखनऊ ऐशबाग ईदगाह के ईमाम मौलाना खालिद फिरंगी महली ने कहा है कि मुल्क का संविधान हमें अपने मजहब पर अमल करने का हक देता है। फ्रीडम ऑफ रिलीजन को फंडामेंटल राईट्स दिया गया। रीति-रिवाज को भी संविधान में सेफ गार्ड दिया गया है। हम सब चाहते हैं कि सभी मजहब के लोगों की अपने मजहबी रीति-रिवाज और शिक्षाओं पर अमल करने की आजादी बरकरार रखी जाए।

800 रुपए में महिला ...

वाले हैं। महिला का पति मुसु मुर्मू जब तमिलनाडु से वापस आकर अपनी बेटी के बारे में पूछा तो महिला बताया कि उसकी मौत हो गई है। पड़ोसी ने महिला के पति को सौदे की जानकारी दी, जिसके बाद खंटा पुलिस स्टेशन में महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए महिला, बच्ची को खरीदने वाले दंपत्ति और पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया। मयूरभंज पुलिस स्टेशन के एसपी बटुला गंगाधर ने कहा कि महिला बच्ची को लेकर बाजार गई थी, लेकिन कुछ देर बाद वह अकेले ही लौटी। अन्य पड़ोसियों द्वारा बच्ची के बारे में पूछे जाने पर उसने उसकी मरने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बच्ची को बचा लिया है और उसे बच्चों की देखभाल केंद्र में भेज दिया गया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 370 (मानव तस्करी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सिद्धार्थनगर में खजाने ...

मंगलवार को कुछ बच्चे खेल रहे थे, तभी अचानक उनको मिट्टी का एक पुराना घड़ा दिखाई दिया। जिसको बच्चों ने निकालकर देखा तो उसमें पुराने सिक्के (ब्रिटिश कालीन) दिखाई दिये। दुर्गेश ने अपना बताकर अपने पास रख लिया। दुर्गेश को खजाना मिलने की बात गांव के ग्रामीणों में खलने लगी। इसकी जानकारी गांव की अजोरा पत्नी पप्पू ने मोहाना थाना पुलिस को दे दी। इस सूचना पर थाना मोहाना पुलिस दुर्गेश के पास पहुंची और नायब तहसीलदार नौगढ़ के साथ उस घड़े को मंगवाकर कब्जे में ले लिया। पुलिस ने घड़े समेत सिक्कों का वजन कराया तो घड़ा समेत सिक्कों का वजन पंद्रह किलो पाया गया। खजाने मिलने के मामले में पुलिस अधीक्षक अमित आनंद ने बुधवार को बताया कि एक खण्डरनुमा मकान में एक पुराना घड़ा मिला है। जिसमें कुछ सिक्के भी हैं। घड़ा समेत सिक्कों को सील कर पुरातत्व विभाग को रिपोर्ट प्रेषित किया गया है। पुरातत्व विभाग की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय हो सकेगी। दुर्गेश के खण्डहरनुमा पुराने मकान में सिक्कों से भरा घड़ा मिलने के बाद ग्रामीण और भवन स्वामी अभी उसमें और खजाना होने का कायास लगा रहे हैं। इसको देखते हुए थाना पुलिस भी अलर्ट हो गई है। खजाने की आशंका पर खण्डहर के आसपास पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गई है। खण्डहर के अंदर जाने पर थाना प्रभारी ने ग्रामीणों और भवन स्वामी के जाने पर रोक लगा दी है। पुरातत्व विभाग की जांच के बाद आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू ...

उसका भी नंबर आने वाला है। विदेश में बैठा खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर पंजाब को सुलगाने की कोशिश करता रहा है। 29 अप्रैल 2022 को उसी ने खालिस्तान स्थापना दिवस मनाने का एलान किया था। इसके विरोध में पटियाला में एक संगठन ने खालिस्तान मुर्दाबाद मार्च निकाला था।

स्वर्वेद भाष्य

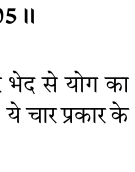

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

योग कल्पना फिर बढ़ी,त चार भेद फिर योग।
मन्त्रयोग लययोग है, राजयोग हठयोग॥ 05॥

शब्दार्थ : (कल्पना) निर्माण।

भाष्य : पुन: योग की कल्पना बढ़ने लगी और फिर चार भेद से योग का निर्माण हुआ। मन्त्रयोग, लययोग, राजयोग, और हठयोग- ये चार प्रकार के प्राकृतिक योग बन गए।

राजयोग सब श्रेष्ठ है, इन सब में परधान।
मन निश्चय सबके भया, साधन बोध विधान॥ 06॥

शब्दार्थ : (परधान) श्रेष्ठ (बोध) संतुष्ट।

भाष्य : इन चार योगों में सबसे श्रेष्ठ, प्रधान योग राजयोग है। साधन-बोध द्वारा यही सबके मन में निश्चय हुआ।

जंगली हाथी के हमले में एक की मौत, दो घायल

उदालगुरी (हिंस)। जिले के भेरगांव के डिमाकुची में हाथियों का उपद्रव जारी है। इलाके में आज हाथियों के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि, दो अन्य व्यक्ति घायल हो गया। भारत-भूटान सीमा से लगे इस इलाके में हाथियों का आतंक जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भोजन की तलाश में जंगलों से निकले बड़े जंगली हाथियों के झुंड में से एक हाथी आज सुबह लगभग 4.30 बजे दिमाकुची गांव में घुस आया। भेरगांव के उत्तरी डिमाकुची नंबर 2 के बागानतारी में हाथी ने भूपेन वैश्य नामक शख्स के घर में घुसकर तीन लोगों पर हमला कर दिया। जंगली हाथी के हमले में सुरेन बैश्य (80) नामक एक बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं, मृतक सुरेन बैश्य की बहू भंटी बैश्य (42) और नाती चंदन बैश्य उर्फ सुमन (22) घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को गंभीर हालत में उदालगुड़ी सिविल अस्पताल भेजा गया। उल्लेखनीय है कि दिन के उजाले में चाय बागानों के बीच में शरण लिए बड़े-बड़े जंगली हाथी हर रात ग्रामीण क्षेत्र में घुसकर घर-खेत बर्बाद करने के साथ ही स्कूलों, अस्पतालों, नामघरों आदि को भी तहस-नहस कर दिया करते हैं। इलाके के लोगों में इस बात को लेकर गुस्सा है कि जंगली हाथियों के हर रोज इस तरह उत्पात मचाने के बाद भी वन विभाग कोई ध्यान नहीं दे रहा है। गुस्साए लोगों ने मौके पर पहुंचे वन विभाग के लोगों को खरी-खोटी सुनाई। डिमाकुची क्षेत्र में हाथियों का आतंक लंबे समय से बढ़ रहा है, लेकिन विभाग इस समस्या को हल करने में विफल रहा है। इस वर्ष उदालगुड़ी के विभिन्न हिस्सों में 10 से अधिक लोग मारे गए हैं। जबकि, विभिन्न कारणों से 6-7 जंगली हाथियों की भी मौत हुई है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि मृतकों के परिवारों को नुकसान के लिए मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

चुनाव जीतने के लिए भाजपा अजमल पर निर्भर : भूपेन बोरा

गुवाहाटी। असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने बुधवार को दावा किया कि राज्य की सत्तारूढ़ भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में सीटें जीतने के लिए एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल पर अत्यधिक निर्भर है। धुबरी में पत्रकारों को संबोधित करते हुए बोरा ने कहा कि बीजेपी का बदरुद्दीन अजमल से गुपचुप गठबंधन है। मुख्यमंत्री ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) नेताओं के साथ घनिष्ठ संबंध रखते हैं। भाजपा की चुनावी मशीनरी अजमल पर अत्यधिक निर्भर है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के मुताबिक, अजमल के समर्थन के बिना बीजेपी ज्यादातर सीटें नहीं जीत सकती। गौरतलब है कि अजमल धुबरी से लोकसभा सांसद हैं। वह इस सीट से एक से अधिक बार जीत चुके हैं। बोरा ने आगे आरोप लगाया कि असम की वित्तीय स्थिति बेहद खराब है और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने विभिन्न एजेंसियों से भारी कर्ज लिया है। यदि राज्य सरकार भविष्य में ऋण लेने में विफल रहती है, तो कर्मचारियों का वेतन अनिश्चित काल के लिए रुक सकता है। कांग्रेस नेता के मुताबिक, भाजपा असम में *ट्रबल इंजन* सरकार चला रही है।

बजाली से सात अपराधी गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बजाली के बालापाड़ा पुलिस ने मादक पदार्थों से संबंधित सात अपराधियों को एक अभियान के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया है कि अभियान का नेतृत्व बालापाड़ा पुलिस थाने के उप निरीक्षक बितू बोरा ने किया। अभियान के दौरान 114 ड्रग्स से भरे हुए और 73 खाली कंटेनर बरामद किए गए हैं। वहीं, छापारबड़ी बाजार में एक फोटोस्टेट की दुकान से भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया गया। ड्रग्स दुकान के मालिक आबजाल हक की दुकान से बरामद किया गया। ज्ञात हो कि दातीरबड़ी गांव का आबजाल हक छापारबड़ी बाजार में नशे का अवैध कारोबार करता था। बालापाड़ा पुलिस ने फिंगुआ पथार के मोजाम्मिल हक को मोबाइल फोन चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। मोजाम्मिल के कबूलनामे के आधार पर पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस ने आबजाल हक की दुकान पर छापेमारी कर माधबपुर गांव के आबजाल हक के साथ-साथ आमीनुल हक को भी गिरफ्तार कर लिया।

अपूर्व ठाकुरिया को प्रज्ञा साधक की उपाधि से सम्मानित

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप शिक्षा अधिकारी अपूर्व ठाकुरिया को 21वें स्थापना दिवस पर पक्षी संरक्षण के लिए असम की अग्रणी संस्था राज्य पक्षी संरक्षण समिति द्वारा बीते 3 जुलाई को राज्य चिड़ियाघर, हार्बेरियम हॉल के सभागार में आयोजित एक समारोह में प्रज्ञा साधक की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि संगठन असम की प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित कर रहा है जिन्होंने शिक्षा, संस्कृति, प्रकृति संरक्षण आदि के क्षेत्र में विशेष सेवाएं प्रदान की हैं। शिक्षा अधिकारी ठाकुरिया को एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक का बहिष्कार करने के लिए उनके अभिनव कार्य के लिए भारत सरकार से राष्ट्रीय पुरस्कार मिला और कामरूप के गोहलकान में उठाए गए उनके विशेष कदमों के लिए असम विधान सभा में विशेष रूप से सराहना की गई। शैक्षणिक समुदाय के साथ-साथ विभिन्न कार्यक्रमों और संस्थानों ने शिक्षा अधिकारी ठकुरिया को इस सम्मान के लिए बधाई दी है।

रामेश्वर लाल शर्मा का निधन

रंगिया (विभास)। रंगिया के वरिष्ठ समाजबंधु धर्मपरायण व्यक्ति रामेश्वर लाल शर्मा का बुधवार, 5 जुलाई को सुबह 7.15 बजे स्वर्गवास हो गया। उनके निधन की खबर पाकर रंगिया के समाजबंधुओं द्वारा उनका अंतिम दर्शन उनके निवास स्थान पर श्रद्धासुमन के साथ किया गया। 93 वर्षीय स्व. रामेश्वर लाल शर्मा श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर संचालन समिति के सलाहकार समिति के मुख्य स्तंभ होने के साथ साथ समाज के प्रति उनका बहुमूल्य योगदान रहा है। स्व. रामेश्वर लाल शर्मा के निधन पर रंगिया के कई व्यवसायीयों ने आज अपने व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रखे। उनकी अंतिम यात्रा आज रंगिया वार्ड नं-5 स्थित उनके आवास से दोपहर 4 बजे निकली और धार्मिक रीति रिवाज के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। स्व. शर्मा अपने पीछे बेटी-जवाई, दोहिता, दोहिती सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए है। उनके निधन पर श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर संचालन समिति, मारवाड़ी युवा मंच, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, जेसीआई, महिला मंडल, मारवाड़ी सम्मेलन रंगिया तथा विभिन्न दल संगठनो द्वारा शोक व्यक्त किया गया है।

कछार में 1.1 करोड़ की हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार के जिरीघाट में 1.1 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। स्थानीय पुलिस के अनुसार असम राइफल्स और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान जिरीघाट के लालपानी में एक स्कूटी की तलाशी में हेरोइन से भरे साबुन के छह बक्से जब्त किए गए। बक्सों से 276 ग्राम हेरोइन जब्त की गई। पुलिस के मुताबिक ड्रग्स पेडलर अब्दुल हमीद को हेराइन के साथ गिरफ्तार किया गया। हमीद करीमगंज जिले के पानीघाट का निवासी है। जब्त हेरोइन की कीमत 1.1 करोड़ रुपए आंकी गई है।

बाघमारा चर छात्र संघ की नई समिति का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा के बाघबर निर्वाचन क्षेत्र में बाघमारा चर के तहत बाघमारा चर के एक गैर-राजनीतिक संगठन, बाघमारा चर छात्र संघ की एक पूर्ण नई समिति का गठन किया गया। बीते दिनों गठित इस समिति में पुरानी समिति के अध्यक्ष इनामुल हक की अध्यक्षता में हुई बैठक में जाकिर हुसैन सरकार को अध्यक्ष और महासचिव साबान अली को लेकर 21 सदस्यीय मजबूत पूर्ण समिति का गठन किया गया। उल्लेखनीय है कि पिछली समिति के वार्षिक लेखा-जोखा का ब्यौरा दिया गया। इसके बाद निर्णायक समिति द्वारा एक नई समिति का गठन किया गया था। बैठक में विभिन्न सामाजिक विकास गतिविधियों पर चर्चा की गई और आने वाले दिनों में नई समिति समाज के लिए कैसे काम करेगी, इस पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही नई समिति को जिम्मेदारी सौंपने के साथ आज बाघमारा चर बाजार के प्रबंध समिति के घर पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। सेवानिवृत्त शिक्षक जाफर अली खान ने नई समिति को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में बाघमारा चर छात्र संघ के सदस्यों के साथ बाघमारा चर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल ताइजुद्दीन सरकार, सेवानिवृत्त शिक्षक तैयब अली शेख, हकीम उद्दीन, शिक्षक जॉयनल आबेदीन, बाघमारा चर ग्राम पंचायत के पूर्व अध्यक्ष आब्दुल बारिक, एडवोकेट हाफीजुर्रहमान, शिक्षक आरफान अली आहमेद, शिक्षक आबू शामा आहमेद, शिक्षक साहादत आली,एम मुचुर उद्दीन आहमेद, दक्षिण बरपेटा जिला आम्सू के सचिव रफीकुल इस्लाम सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

लायंस उमंग ने मनाया *अंतर्राष्ट्रीय नो प्लास्टिक डे*

बच्चों के बीच बांटे गए स्टील के टिफिन

गुवाहाटी (विभास)। समूचा विश्व ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रहा है। ऐसे में सरकार की ओर से युद्ध स्तर पर जारी पर्यावरण बचाव की मुहिम में गैर सरकारी संगठन भी अपने स्तर पर हर संभव सहयोग दे रहे हैं। इसी क्रम में महिलाओं की अग्रणी संस्थाओं में से एक लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से अंतर्राष्ट्रीय नो प्लास्टिक दे पर बच्चों के बीच स्टील के टिफिन बांटे गए। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में लायंस जिला 322जी की थीम *वन डिस्ट्रिक्ट-वन एक्टीविटी* के तहत फीड द हंगर का कार्यक्रम भी अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किया गया। इस दौरान बीरुबाड़ी स्थित सेंट जूड इंडिया चाइल्ड केयर सेंटर (जिरोनी घर) में कैंसर से पीड़ित बच्चों के लिए भोजन उपलब्ध कराया गया। साथ ही क्लब की ओर उनकी जरूरत के अनुसार सूखा राशन भी उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम संयोजिका रितु बंका व सुंदर पारीक की देखरेख में आयोजित इस परियोजना की विशेष बात यह रही कि भोजन को कागज, प्लास्टिक व थर्मोकोल की प्लेट में न परोसकर स्टील के टिफिन में दिया गया। इसके अलावा बी बरुआ कैंसर इंस्टीट्यूट के बाहर तीन अलग-अलग दिन भोजन वितरित किया गया। साथ ही आत्मनिर्भर एक चैलेंज नामक संस्था व नारंगी स्थित हरिजन बस्ती में भी क्लब की ओर से फीड द हंगर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इन परियोजनाओं के संयोजक अजय-कंचन पोद्दार व संगीता अग्रवाल थी। वहीं रूपनगर स्थित आशानीर नामक संस्था में भी संयोजिका बंदना बड़जात्या की देखरेख में फीड द हंगर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिलापाल (प्रथम) सीमा गोयनका, क्लब की अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी, आशा मुरारका, सुखविंदर कौर, मुक्ता कसेरा, सरोज खेतान, टीना अग्रवाल, अनुपमा सिकरिया, कविता बंसल, कीर्ति कोठारी, स्वप्ना आर्य, बबीता जालान, अनिता जैन, मंजू पंसारी, तृप्ति मोर, प्रियंका गर्ग सहित सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

बलात्कार के कारण छात्रा की मौत को लेकर क्षेत्र में तनाव

हैलाकांदी (हिंस)। सामूहिक बलात्कार की शिकार हुई छात्रा की हुई मौत को लेकर हैलाकांदी में तनाव व्याप्त है। लोगों ने आज इस घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि छात्रा को बीते कल एक सुनसान जगह से बरामद किया गया था। उसकी शारीरिक हालत देररात को बिगड़ने पर परिजन उसे सिलचर मेडिकल कॉलेज ले गए। लेकिन, अस्पताल पहुंचने से पहले ही नाबालिग छात्रा ने अस्पताल के आधे रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद पुलिस ने दो आरोपियों जाबिर अहमद बरभुइयां और अंसार उद्दीन मजूमदार को गिरफ्तार कर लिया है।

हेमो प्रोवा बोरबोरा गर्ल्स कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 आयोजित

गोलाघाट। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष-2023 के उपलक्ष्य में हाल ही में गोलाघाट के हेमो प्रोवा बोरबोरा गर्ल्स कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा ऑल एंड संड्री एनजीओ के सहयोग से खाद्य सुरक्षा और पोषण के लिए मिलेट्स पर एक जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य मिलेट्स के पोषण मूल्य और सांस्कृतिक महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (आत्मा)-गोलाघाट के उप परियोजना निदेशक तपन कुमार महंत द्वारा जानकारीपूर्ण और दिलचस्प संसाधन व्याख्यान दिए गए। आकर्षक पावर प्वाइंट प्रस्तुतियों और जानकारीपूर्ण प्रदर्शनों के माध्यम से हेमो प्रोवा बोरबोरा गर्ल्स कॉलेज के प्रतिभागियों ने मिलेट्स के पोषण, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय पहलुओं की व्यापक समझ हासिल की। हेमो प्रोवा बोरबोरा गर्ल्स कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. बुलबुली बरुआ ने कार्यक्रम का स्वागत भाषण दिया। राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर लोसोनिता हजारिका ने जागरूकता कार्यक्रम की मेजबानी की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर ऑल एंड संड्री एनजीओ के संस्थापक अभिषेक सिंघा उपस्थित थे। सूत्रों के अनुसार जागरूकता कार्यक्रम में ८०(अस्सी) छात्राओं ने भाग लिया।

जंगल से निकल आए तीन गैंडों का इलाके में आतंक

गोलाघाट (हिंस)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से भोजन की तलाश में निकले तीन गैंडों ने आज जामुगुरीहाट के मुकुआ चापरी में दहशत पैदा कर दी है। काजीरंगा से निकलकर तीन गैंडे के जियाभराली नदी के किनारे के इलाके में आ जाने से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया। तेजी से आक्रामक हो रहे इन गैंडों के हमले में कई मवेशी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हालांकि, वन अधिकारी मौके पर पहुंचे और दो गैंडों को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के निकटवर्ती क्षेत्र में खदेड़ने में कामयाब रहे। लेकिन, एक गैंडे को वन विभाग अभी भी भगाने की कोशिश कर रहा है। यह अभी भी क्षेत्र में एक विशाल जूट के खेत में फंसा हुआ है। स्थानीय लोग इस बात से घबराए हुए हैं कि गैंडा रात के समय फिर से वन क्षेत्र से आकर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

तेरापंथ धर्मस्थल में पचरंगी तपोभिनंदन

गुवाहाटी। युगप्रधान आचार्य महाश्रमण की विदुषी सुशिष्या साध्वी स्वर्णरेखा के सान्निध्य में बुधवार को स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में *पचरंगी तपोभिनंदन* कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पचरंगी में बेले से ऊपर के लगभग 62 तपस्वियों ने अपनी आहुति दी, जिससे तीन पचरंगी तप परिसंपन्न हुए। साध्वी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए फरमाया कि वेद का सार सत्य वचन है, सत्य का सार इंद्रिय संयम है, संयम का सार दान है, दान का सार तपस्या है। तप परम कल्याणकारी है। तप से भिन्न सुख मात्र बुद्धि को सम्मोहित करता है। पांच इंद्रिय और मन को वश में करने वाला ही तपस्या कर सकता है। मक्खन को तपाए बिना घी नहीं बनता, वैसे ही शरीर को तपाए बिना कर्मों का हल्कापन नहीं होता। जो तप संयम में पराक्रम करने वाला होता है वह मोक्ष के मार्ग की ओर अग्रसर हो सकता है। साध्वी ने सभी तपस्वियों के नामोल्लेख करते हुए गीत का संगान किया। स्थानीय तेरापंथ सभा के मंत्री रायचंद पटावरी ने तपस्वियों का अनुमोदन किया। सुनीता गुजरानी ने गीत का संगान किया। सभा के पदाधिकारियों ने भी गीत से तपस्वियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम का प्रारंभ पूनम पैलेस की बहनों के मंगल संगान से हुआ तथा संचालन रंजू बरड़िया ने किया। इस आशय की जानकारी धर्मस्थल आवंटन समिति के संयोजक राकेश बैंगानी ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

GOVERNMENT OF ASSAM
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER, PWD (BUILDING)
ASSAM, CHANDMARI, GUWAHATI-3

I/211865/2023

PRESS NOTICE

The Chief Engineer, P.\W.D (Building), on behalf of the Governor of Assam, invites “Expression of Interest” (EOI) from Architect/ Architectural firms empaneled with Assam P.W.D (Building) under (Category D), registered with Council of Architecture and having wide range of experience in the relevant field of work for the following project:-

Sl. No.	Name of Project	Total Approx. project cost considered	Approx. Consultancy Value Considered
1	Consultancy services for “Maa Kamakhya Temple Access Corridor at Guwahati, Assam"	Rs. 386.57 Cr	Rs. 13.46 Cr (inclusive of all taxes)

- The details may be seen in the Notice Inviting Proposal for the consultancy services along with the Terms of Reference (TOR) in the e-procurement portal **assamtenders.gov.in**
- The validity period of the RFP shall be 180 days from the date of submission.
- The Bidders must be registered with the E-tendering system (ETS) of the Govt. of Assam **assamtenders.gov.in**
- The Chief Engineer P.W.D (Building), Assam reserves the right to accept or reject any or all proposals without showing any reasons what so ever.
- Work Order will be issued after receipt of sanction for the project from govt.

Chief Engineer, PWD (Bldg.)
Assam, Chandmari, Guwahati-3

-- Janasanyog /C/6367/23

No. BNZ- 6/2018/Stationery/45

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders are invited affixing non-refundable Court Fee Stamps of Rs. 8.25 (Rs. Eight and Paisa Twenty Five) only from reputed Registered Firms / Vendors for procurement of Stationary Articles / Electrical item/ Computer Accessories etc. (list enclosed as Annexure-A) which is required in connection with smooth functioning of different official works as per following terms and conditions. The Tender will be received at the Nazarat Branch, O/O the Sub Divisional Officer (Civil), Biswanath upto **2.00 PM** on **15/07/2023** and will be opened on the same day at **3.00 PM.** The Tenderer / Bidder or their authorized agents may present at the time of opening of tenders.

TERMS AND CONDITIONS

1. Registered and reputed Firms / Vendors having the capacity to execute urgent works with the capacity to provide standard service only need to apply.
2. Rates must be quoted legibly, both in figures and words (type only) inclusive of all taxes. Over writing, cancellation etc., if any, must be initiated. [Both soft copy (in Excel format) and hard copy should be submitted]. TDS will be applicable at the time payment of bills. :
3. The Tenderer / Bidder to whom works will be allotted will have to execute a bond as per Rules.
4. The quoted rate should include delivery charge wherever applicable.
5. Articles must be supplied by successful Tenderer / Bidder within the stipulated time as per specifications, as fixed by the undersigned.
6. Tenderer / Bidder must submit copies of Trade License, GST No. (the firm should clearly mention about the GST whether Regular or composite etc.). The PAN Card and Income Tax return acknowledgement for the Assessment year 2022-23 along with quotation.
7. Each Tenderer / Bidder has to claim bill (with Challan) within 30 days (Month wise) from date of event along with a photo copy of self attested front page of the Bank Account.
8. Payment will be made subject to receipt of fund from Government from time to time as per State Govt. procedures. The undersigned shall not be responsible for any delay in payment of bill for the reasons beyond his control and authority.
9. The undersigned is not bound to accept the lowest quoted rates and reserves the right to accept or reject any quotation without assigning any reason thereof.

Addl. Deputy Commissioner,
i/c Biswanath Sub-Division

-- Janasanyog /C/ 6319/23

एलसीए तेजस एमके-1ए इस साल के अंत तक हथियारों का परीक्षण शुरू करेगा

- श्रीनगर स्थित स्वॉर्ड आर्म्स स्क्वाड्रन होगा लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट का पहला ठिकाना

- वायु सेना ने 2019 में सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान इसी स्क्वाड्रन से किया था ऑपरेशन

नई दिल्ली, (हि.स.)। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस एमके-1ए इस साल के अंत तक हथियारों का परीक्षण शुरू कर देगा। श्रीनगर स्थित वायु सेना की 51 नंबर स्क्वाड्रन (स्वॉर्ड आर्म्स) को अगले साल से तेजस एमके-1ए विमान मिलने लगेंगे। वायु सेना की पश्चिमी कमान के अधीन इसी स्क्वाड्रन से 2019 में सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान लड़ाकू विमानों को पाकिस्तानी विमानों की घुसपैठ को रोकने के लिए तैनात किया गया था। विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान यहीं से मिग-21 में उड़ान भरकर पाकिस्तान के 'मेहमान' बने थे। बेंगलुरु में एयरो इंडिया के दौरान 03 फरवरी, 2021 को रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ स्वदेशी सैन्य उड्डयन सेवा में अब तक का सबसे बड़ा सौदा करके 83 तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट की डील फाइनल की थी। वायु सेना को फरवरी, 2024 में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से पहला लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस मार्क-1ए मिलेगा। श्रीनगर स्थित स्वॉर्ड आर्म्स स्क्वाड्रन तेजस एमके-1ए प्राप्त करने वाली पहली स्क्वाड्रन होगी। अभी तक यह स्क्वाड्रन मिग विमानों का ठिकाना है, जिन्हें तेजस की आपूर्ति शुरू होने के बाद सेवा से विदाई दी जानी है। एचएएल के मुताबिक तेजस एमके-1ए में डिजिटल रडार चेतावनी रिसीवर, एक बाहरी ईसीएम पॉड, एक आत्मस-रक्षा जैमर, एईएसए रडार, रखरखाव में आसानी और एवियोनिक्स, वायुगतिकी, रडार में सुधार किया गया है। इसमें उन्नत शॉर्ट रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल और एस्ट्रा एमके-1 एयर टू एयर मिसाइल लगाईं जाएंगी। तेजस एमके-1 ए के 20 विमान प्रति वर्ष वायुसेना को मिलेंगे। तेजस एमके-1ए की आपूर्ति 2024 से शुरू होगी और 2027 तक पूरे 83 विमान वायुसेना को मिल जाएंगे। इनमें 73 लड़ाकू विमान और 10 ट्रेनर विमान होंगे। एलसीए तेजस एमके-1ए संस्करण में फिलहाल स्वदेशी सामग्री 50% है जिसे 60% तक बढ़ाया जाएगा।

ऐतिहासिक गोल मार्केट को बनाया जाएगा म्यूजियम

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली की मशहूर और ऐतिहासिक गोल मार्केट अब नए अवतार में लोगों को नजर आएगा। अंग्रेजों के जमाने के इस प्रसिद्ध शॉपिंग सेंटर को अब संग्रहालय में तब्दील किया जा रहा है। इसके लिए गोल मार्केट समेत आसपास के क्षेत्र को भी नया रूप देने का प्रस्ताव पारित किया गया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इस ऐतिहासिक मार्केट को संग्रहालय बनाये जाने की मंजूरी देने के साथ ही इसकी थीम का भी निर्णय लिया है। इस संग्रहालय को दिल्ली और देश का मान बढ़ाने वाली महिलाओं की थीम पर बनाया जाएगा। इस संग्रहालय को उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी, मदर टेरेसा, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला, भारत की पहली महिला आईपीएस किरण बेदी, दिवंगत केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज, मुक्केबाज मैरीकॉम समेत अन्य महिलाओं को समर्पित किया जाएगा। संग्रहालय में इन प्रेरक महिलाओं के जीवन और प्रमुख घटनाक्रमों को समाहित किया जाएगा। यह परियोजना वर्ष 2006 से से लंबित थी। पहले इसे कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले तैयार करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन विभिन्न कारणों से यह कार्य पूरा नहीं हो पाया। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के हस्तक्षेप के बाद इस संग्रहालय का काम तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कार्यभार संभालने के कुछ दिन के भीतर ही इस प्रस्तावित संग्रहालय का निरीक्षण किया था। इसके बाद केंद्रीय विदेश मंत्री मीनाक्षी लेखी के साथ ही बैठक में इससे संबंधित थीम पर विचार किया गया था। गोल मार्केट का इतिहास 100 साल से ज्यादा पुरानी है और अपने आप में तमाम इतिहास समेटे हुए है। वर्ष 1921 में एडवर्ड लुटियंस ने गोल मार्केट को डिजाइन किया गया था। उस समय इसके आसपास तमाम सरकारी कर्मचारी निवास करते थे। इसमें अंग्रेज अधिकारी भी शामिल थे। इस बाजार का निर्माण उन्हीं के लिए किया गया था। यह एक तरह से उनके लिए प्रमुख शॉपिंग स्थल था। इसके निर्माण में भी ब्रिटिशकालीन स्थापत्य और ऐतिहासिकता की झलक मिलती है। समय के साथ दिल्ली का प्रसिद्ध औपनिवेशिक बाजार जीर्ण होता चला गया और 2007 में इसे खंडहर घोषित कर दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी को भाए उत्तराखंड के रसीले फल काफल, पत्र लिखकर धामी का किया धन्यवाद

-मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री को भिजवाए थे 'काफल' फल

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड के प्रसिद्ध रसीले 'काफल' फल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भा गए हैं। इसके लिए प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री धामी को धन्यवाद पत्र लिखकर कहा है कि दिव्य मौसमी फल 'काफल' उत्तराखण्ड की संस्कृति में भी रचा बसा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को 'काफल' फल भेंट किए गए थे। इसके बाद प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री धामी को संबोधित अपने पत्र में कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड से भेजे गए रसीले और दिव्य मौसमी फल 'काफल' प्राप्त हुए। हमारी प्रकृति ने हमें एक से बढ़कर एक उपहार दिए हैं। उत्तराखण्ड तो इस मामले में बहुत धनी है, जहां औषधीय गुणों से युक्त कंद-मूल और फल-फूल प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। 'काफल' ऐसा ही एक फल है, जिसके औषधीय गुणों का उल्लेख प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी मिलता है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि 'काफल' उत्तराखण्ड की संस्कृति में भी रचा बसा है। इसका उल्लेख विभिन्न रूपों में यहां के लोकगीतों में भी पाया जाता है। उत्तराखण्ड जाएं और वहां मिलने वाले विभिन्न प्रकार के पहाड़ी फलों का स्वाद ना लें, तो यात्रा अधूरी लगती है। उन्होंने कहा कि गर्मियों के मौसम में पक कर तैयार होने वाले 'काफल' राज्य में आने वाले पर्यटकों में भी खासे लोकप्रिय हैं। अपनी बढ़ी हुई मांग के कारण मध्य हिमालयी क्षेत्रों में पाए जाने वाला यह फल स्थानीय लोगों को आर्थिक मजबूती भी प्रदान कर रहा है। मुझे खुशी है कि 'काफल' के लिए उपयुक्त बाजार सुनिश्चित कर गुणों से भरपूर इस फल को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बाबा केदार और भगवान बद्री विशाल से उत्तराखंड के लोगों के कल्याण और राज्य की समृद्धि की कामना करता हूं। मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री के पत्र के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री के इन स्नेहपूर्ण शब्दों से हमारा और समस्त उत्तराखंड वासियों का उत्साहवर्धन हुआ है।

सरकार के कामों की पोल खोलती जनकपुरी की धंसी ये सड़क

अजय कुमार

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में बुधवार की सुबह अचानक मुख्य सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंस गया। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। जनकपुरी के अति व्यस्त सड़कों में से एक इस सड़क के धंसते ही काफी संख्या में लोग जमा हो गए। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि पास स्थित स्कूल के बच्चे और टीचर भी इस घटना को देखते हुए काफी संख्या मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने के तत्काल बाद लोकल थाना पुलिस ने खतरे को भांपते हुए मौके पर बैरिकेडिंग ट्रैफिक को डायवट कर दिया है। बता दें कि दिल्ली के जनकपुरी डिस्ट्रिक्ट सेंटर के पास अक्टूबर 2022 में भी एक सड़क धंसने की घटना सामनें आई थी, जो नजफगढ़ से को जोड़ने वाली एक मेन सड़क थी।

अपराध और सुरक्षा विषय पर जी-20 सम्मेलन की मेजवानी करेगा गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह मंत्रालय 13 जुलाई को अपराध और सुरक्षा विषय पर होने वाले जी-20 सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह जानकारी बुधवार को केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने ट्वीट कर दी। मंत्रालय के अनुसार सम्मेलन में जी-20 देशों, 9 विशेष रूप से आमंत्रित देशों व दुनिया भर से विशेषज्ञों सहित 700 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। गृह मंत्रालय की एक अन्य विज्ञप्ति के अनुसार यह सम्मेलन 13 और 14 जुलाई को गुरुग्राम, हरियाणा में आयोजित की जाएगी। दो दिवसीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इस आयोजन में साझेदार होंगे। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, इंटरपोल और यूएनओडीसी (यूएनओडीसी) संयुक्त रूप से इस सम्मेलन का आयोजन करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस प्रस्तावित जी-20 सम्मेलन के बारे में विस्तृत चर्चा के लिए बीते दिनों दिल्ली में एक राउंडटेबल बैठक आयोजित की गई थी। इसमें विभिन्न मंत्रालयों और भारत सरकार के संगठनों और सहयोगी संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा 20 से अधिक देशों के राजदूतों, उच्चायुक्तों और वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। गोलमेज बैठक के दौरान केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने भाग लेने वाले गणमान्य व्यक्तियों को आगामी सम्मेलन की रूपरेखा से अवगत कराया था और देशों से सम्मेलन के लिए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का अनुरोध किया। ये सम्मेलन, जी-20 देशों, अतिथि/आमंत्रित देशों और अंतरराष्ट्रीय निकायों को एक साथ लाएगा। भारत सरकार के मंत्रालय/संगठन, राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिव/प्रशासक, पुलिस महानिदेशक, साइबर विशेषज्ञ और कानूनी क्षेत्र, शिक्षाविद, प्रशिक्षण संस्थान, वित्तीय मध्यस्थ, फिनटेक, सोशल मीडिया मध्यस्थ, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, साइबर फोरेंसिक, नियामक, स्टार्टअप, ओवर द टॉप (ओटीटी) सेवा प्रदाता, ई-कॉमर्स कंपनियां आदि का प्रतिनिधित्व करने वाले अतिथि वक्ता भी सम्मेलन में भाग लेंगे।

6 हजार से अधिक श्रद्धालुओं का एक और जत्था श्री अमरनाथ जी की पवित्र गुफा के लिए रवाना

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू के आधार शिविर भगवती नगर से बुधवार सुबह 6,000 से अधिक श्रद्धालुओं का एक और जत्था श्री अमरनाथ जी की पवित्र गुफा के लिए रवाना हो गया। बुधवार सुबह बारिश के कारण छठा जत्था अपने तय समय से एक घंटा विलम्ब से निकला। बुधवार सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 244 वाहनों के काफिले में कुल 6,107 श्रद्धालु जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हुए। पहलगाम की ओर जाने वाले 3,929 श्रद्धालु 140 वाहनों के काफिले में रवाना हुए जबकि 2,178 श्रद्धालुओं को लेकर 104 वाहनों का एक और काफिला बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। इसके साथ ही 30 जून से अब तक कुल 30,269 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि दक्षिण कश्मीर में 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित श्री अमरनाथ गुफा की 62 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा 1 जुलाई को अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल के जुड़वां मार्गों से शुरू हुई और यह यात्रा 31 अगस्त को सम्पन्न हो जाएगी।

महाराष्ट्र में सियासी ड्रामे के बाद शिंदे समूह में नाराजगी

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र में सियासी ड्रामे के बाद शिवसेना (शिंदे समूह) में नाराजगी फैल गई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने सभी शासकीय कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। सीएम शिंदे ने बुधवार शाम को अपने शासकीय आवास पर शिंदे समूह के विधायकों और सांसदों की आपातकालीन बैठक बुलाई है। इस बैठक के बाद सीएम शिंदे अपना निर्णय व्यक्त कर सकते हैं। जानकारी के अनुसार रविवार को राकांपा नेता अजित पवार अपने समर्थक आठ विधायकों सहित राजभवन पहुंचे थे और उन्होंने उपमुख्यमंत्री पद तथा समर्थक 8 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली थी। इसके बाद अजीत पवार को वित्त और नियोजन विभाग दिए जाने की जोरदार चर्चा होने लगी। साथ ही शिंदे समूह के विधायकों ने कहा था कि पिछली सरकार में वित्तमंत्री रहे अजीत पवार की वजह से उनके क्षेत्रों के लिए विकास फंड नहीं मिल रहा था। इसी वजह से उन्हें शिवसेना से अलग होना पड़ा। अजीत पवार के साथ शिवसेना के गठबंधन पर भी ये सभी विधायक नाराजगी जता रहे थे। इसी वजह से मंगलवार को देर रात शिवसेना की कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में उपस्थित सभी नेताओं ने अजीत पवार सहित उनके समर्थकों के मंत्री बनने पर नाराजगी जताई है। इसी वजह से एकनाथ शिंदे नागपुर में राष्ट्रपति दौपदी मुर्मू का स्वागत कार्यक्रम निपटाकर वापस मुंबई आ गए थे। हालांकि उनका नागपुर में राष्ट्रपति के साथ रहना पहले से तय था। आज सुबह कोर कमेटी की नाराजगी देखते हुए सीएम शिंदे ने अपने सभी शासकीय कार्यक्रम रद्द कर दिए और शाम को विधायकों और सांसदों की आपात बैठक बुलाई है। इस बैठक के बाद सीएम शिंदे के आगामी निर्णय की जानकारी मिल सकेगी।

मध्य प्रदेश के सीधी की घटना शर्मनाक, अपराधी की सम्पत्ति जब्त हो : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक आदिवासी दलित युवक पर स्थानीय दबंग नेता द्वारा पेशाब किए जाने की घटना को अति-शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधी के खिलाफ वहां की सरकार को एनएसए के तहत कार्रवाई करनी चाहिए। उसकी सम्पत्ति जब्त कर लेना चाहिए। यह बातें बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को अपने अधिकारी एकाउंट से ट्वीट कर मध्य प्रदेश सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक आदिवासी दलित युवक पर स्थानीय दबंग द्वारा पेशाब करना अमानवीय कृत्य है, इसकी जितनी भी निन्दा की जाए वह कम है। उन्होंने कहा है कि इसका वीडियो वायरल होने के बाद ही सरकार का जागना, इनकी संलिप्तता को साबित करता है, यह भी अति-दुःखद है। उन्होंने मांग किया है कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार को इस सम्बंध में मुजरिम को बचाने एवं उसे अपनी पार्टी का न बताने आदि को त्याग कर उसके खिलाफ केवल एनएसए ही नहीं, बल्कि उसकी सम्पत्ति को जब्त करने की कार्रवाई करनी चाहिए। ऐसी घटनायें सभी को शर्मसार करती हैं। इससे पहले मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने भी इस मामले में ट्वीट कर मध्य प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया था। उन्होंने मंगलवार को अपने ट्वीट में कहा था कि मध्य प्रदेश में एक गरीब आदिवासी लड़के पर पेशाब करने का बेहद अमानवीय और घिनौनी वीडियो सामने आया है। ये घटना एमपी की कानून व्यवस्था का हाल बयां करती है। जहां कमजोर की कोई सुनवाई नहीं है। आरोपी व्यक्ति को तत्काल गिरफ्तार कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए और पीड़ित को स्वास्थ्य जांच और संरक्षण प्रदान किया जाए।

झूटी गारंटियों पर सता के आयी कांग्रेस, जल्द होगी सता से बाहर : त्रिलोक कपूर

नाहन, (हि.स.)। भाजपा के प्रदेश महामंत्री त्रिलोक कपूर ने बुधवार को नाहन में भाजपा के जनसम्पर्क अभियान में भाग लेते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ता घर घर जाकर केंद्र सरकार के 9 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचा रहे हैं। इन 9 वर्षों में देश में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं तथा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समाज के हर वर्ग को लाभान्वित किया गया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार लगातार प्रदेश की सहायता कर रही है लेकिन फिर भी प्रदेश सरकार केन्द्र सरकार को कोस रही है। त्रिलोक कपूर ने कहा कि केंद्र सरकार प्रदेश के हितो को ध्यान में रखकर हर सम्भव मदद कर रही है लेकिन फिर भी प्रदेश सरकार केंद्रीय सरकार का आभार तक नहीं जता रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा बड़े कम प्रतिशत से चुनाव हारी है और झूटी गारंटियों के सहारे बनी सरकार ज्यादा नहीं चल पायेगी।

ढाई किमी की सघन आबादी से गुजरेंगे प्रधानमंत्री मोदी

- एयरफोर्स स्टेशन से गीताप्रेस तक की दूरी है ढाई किलोमीटर

- प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात होंगे आठ एसपी, तीन हजार पुलिस के जवान

गोरखपुर, 05 जुलाई (हि.स.)। 07 जुलाई को गोरखपुर दौरे पर आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का काफिला लगभग ढाई किलोमीटर तक सघन आबादी के बीच से गुजरेगा। इसलिए एयरफोर्स से गीताप्रेस तक जाने वाले पीएम के काफिले की सुरक्षा में चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात रहेगी। इधर, प्रशासनिक अफसर प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर लगातार मंथन भी कर रहे हैं और इनकी सुरक्षा चाक चौबंद करने में जुटे हैं। इनमें प्रधानमंत्री के सुरक्षा व्यवस्था की लगातार समीक्षा भी हो रही है। उल्लेखनीय है कि एसपीजी टीम मंगलवार को पीएम के रूट का निरीक्षण किया था। फिलहाल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा के लिए यूपी पुलिस ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। इनकी सुरक्षा में आठ पुलिस अधीक्षक (एसपी), आठ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एडिशनल एसपी), 22 क्षेत्राधिकारी (सीओ), 40 इंस्पेक्टर, 190 दारोगा, 1500 सिपाही, तीन कंपनी पीएसी, तीन कंपनी अर्द्धसैनिक बल, एटीएस, एनएसजी कमांडो व स्नाइपर की ड्यूटी लगी है। इनकी निगहबानी में ही प्रधानमंत्री का काफिला एयरफोर्स स्टेशन से गीताप्रेस तक पहुंचेगा।

होटल्स में जांच - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा को पुख्ता करने में जुटी गोरखपुर पुलिस ने होटल्स में सघन जांच अभियान चला रखा है। पिछले दो दिनों से यहां ठहरने वाले बाहरी लोगों की डिटेल भी ली जा रही है। उनकी पहचान से संबंधित सभी दस्तावेज जमा कराये जा रहे हैं। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री के दौरे तक होटलों में रुकने वाले सभी लोगों की डिटेल हर दिन उपलब्ध करने की हिदायत भी दी गई है।

एनओसी लेकर नहीं भेजा पुराने वाहनों को दिल्ली के बाहर तो हो जाएंगे जब्त

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेश के बाद दिल्ली में प्रदूषण से निपटने की कवायद में परिवहन विभाग उम्र पूरी कर चुके वाहनों को जब्त कर स्क्रैप कर रही है। परिवहन विभाग ने लोगों को यह छूट दी है कि वे उम्र पूरी कर चुके वाहनों के एनओसी लेकर दिल्ली से बाहर दूसरे राज्यों में चला सकते हैं। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो वाहन स्वामी या तो खुद ही वाहन स्क्रैपिंग सेंटर में अपने वाहनों को ले जाकर स्क्रैप करा लें या फिर परिवहन विभाग ऐसे वाहनों को जब्त कर स्क्रैप कर देगी। फिर चाहे वो चल रही हो या फिर किसी सार्वजनिक स्थल पर पार्क किए गए हों अगर आपके पास उम्र की सीमा पार चुके वाहन हैं और आपने स्क्रैप नहीं कराया है तो आपको सावधान होने की जरूरत है। क्योंकि अगर आपका वाहन दिल्ली में मिलता है तो तुरंत ही उसे जब्त कर स्क्रैप कर दिया जाएगा। परिवहन आयुक्त आशीष कुंद्रा ने इस बारे में आदेश जारी कर कहा है कि ऐसे वाहनों की पहचान कर जब्त करने की कार्रवाई की जाए। पिछले छह साल में दिल्ली से दूसरे राज्यों के लिए 3,45,896 से अधिक वाहनों के लिए एनओसी ली गई है। सबसे अधिक वर्ष 2022 में 75,719 वाहनों के लिए एनओसी ली गई। विभागीय जानकारों की मानें तो इनमें से बहुत से लोग अपने वाहन लेकर दूसरे राज्यों में गए ही नहीं। परिवहन विभाग ने कुछ दिन पहले ही एक ऐसे वाहन को पकड़ा है, जिसके लिए तीन साल पहले एनओसी ली गई थी, मगर वाहन मालिक वाहन को लेकर नहीं गया और उसे एनसीआर में चला रहा था। दिल्ली में आने के पर वाहन को पकड़ लिया गया। मियाद पूरी होने के बाद जब्त होंगे वाहन परिवहन आयुक्त की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि उम्र पूरी कर चुके उन सभी वाहनों को जब्त किया जाए, जिन्हें एनओसी मिले महीने भर से ज्यादा का वक्त हो चुका है। न तो ऐसे वाहन मालिकों ने अपने वाहन को दिल्ली के बाहर भेजा और न ही परिवहन विभाग द्वारा लिस्टेड स्क्रैपिंग फैसिलिटी के हवाले किया।

मुख्यमंत्री ने सीधी वीडियो मामले में दिए अपराधी को कठोरतम सजा देने के निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीधी जिले के वीडियो वायरल मामले में अपराधी को कठोरतम दण्ड देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। मुख्यमंत्री चौहान ने मंगलवार देर रात्रि जारी बयान में कहा कि अपराधी की न कोई जाति, न धर्म और न कोई पार्टी होती है। अपराधी केवल अपराधी होता है। उन्होंने कहा कि आरोपित को ऐसी सजा दी जाएगी जो उदाहरण बने।

आरोपित के खिलाफ एफआईआर दर्ज - दरअसल, मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक व्यक्ति नशे की हालत में एक युवक के सिर पर पेशाब करते हुए दिख रहा है। वीडियो सामने आने के बाद मुख्यमंत्री चौहान ने मामले को संज्ञान में लेकर इस संबंध में प्रशासन को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। मामले में मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस प्रशासन ने आरोपित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वायरल वीडियो किसी नागरिक के साथ अमानवीय और निंदनीय ही नहीं, बल्कि घृणास्पद कृत्य का परिचायक है। ऐसा करने वाले आरोपित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई होना चाहिये। इस संबंध में उन्होंने ट्वीट कर घटना की कड़ी निंदा की थी।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सीधी जिले में युवक के साथ आपत्तिजनक व्यवहार करने के मामले में पुलिस द्वारा आरोपित के खिलाफ धारा 294, 504 एससी-एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इधर, वायरल वीडियो में दिख रहे आरोपित युवक प्रवेश शुक्ला के घर को बुलडोजर से ध्वस्त करने की तैयारी की जा रही है।

रात में ही बड़ी संख्या में पुलिस बल आरोपित के घर पहुंच गया है। आरोपित के परिजनों को पूछताछ के लिए पुलिस थाने लाया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजुलता पटले ने कहा कि प्रवेश शुक्ला को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। घर के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस पूरे मामले को लेकर चौकन्ना है।

कुबरी गांव का बताया जा रहा वीडियो - वीडियो करीब एक सप्ताह पहले कुबरी गांव का बताया जा रहा है। युवक के खिलाफ सीधी के बहरी थाने में धारा 323, 123, 294, 506 आईपीसी और एनएसए के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस अधीक्षक डा. रवींद्र वर्मा ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजुलता पटले के नेतृत्व में टीम गठित कर मामले की जांच आरंभ कर दी गई है। उधर, सीधी विधायक केदारनाथ शुक्ला ने कहा कि वीडियो में जो व्यक्ति स्वयं को मेरा प्रतिनिधि बता रहा है, वह न भाजपा का कोई पदाधिकारी है और न ही मेरा प्रतिनिधि। मेरा उस व्यक्ति से कोई लेना देना नहीं है। यह अमानवीय कृत्य है। ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, भाजपा जिलाध्यक्ष देव कुमार सिंह ने भी कहा कि प्रवेश शुक्ला भाजपा में न कोई पदाधिकारी और न ही कोई कार्यकर्ता। उससे पार्टी का कोई लेना देना नहीं है।

एसटीएफ को एक क्लिक पर अपराधियों का पूरा ब्यौरा देगा एआई बेस्ड क्रिमिनल डाटा सिस्टम

– योगी सरकार से एसटीएफ के आधुनिकीकरण का बजट मिलते ही विभाग ने शुरू की खरीदारी की प्रक्रिया

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही यूपीएसटीएफ जल्द ही नये कलेवर और नई ताकत के साथ दिखेगी। अपराध और अपराधियों पर कार्रवाई को और तेज करने के लिए हाल ही में यूपीएसटीएफ को लेकर मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक की थी, जिसमें उन्होंने यूपीएसटीएफ की प्रदेश के दुर्दांत अपराधियों, अवैध नशे के सौदागरों, अवैध हथियार तस्करों, परीक्षा माफिया और फर्जी शिक्षकों समेत आतंकियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई पर प्रसन्नता जाहिर की। बैठक में योगी सरकार ने एसटीएफ को और मजबूत करने के लिए बजट जारी कर दिया है। योगी सरकार से बजट मिलते ही यूपी एसटीएफ ने आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस बेस्ड क्रिमिनल डाटा क्रिएशन एंड रिट्रीवल सिस्टम को खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे संगीन वारदात को अंजाम देने वाले अज्ञात शूटर और अपराधी अब एसटीएफ की नजरों से नहीं बच सकेंगे। चंद सेकंड में उनकी पहचान के साथ पूरी कुंडली पुलिस अधिकारियों के सामने होगी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस तकनीक के जरिए घटना का जल्द खुलासा करने के साथ उसे अंजाम देने वाले अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने में देर नहीं लगेगी। यूपी एसटीएफ करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से जल्द आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस बेस्ड क्रिमिनल डाटा क्रिएशन एंड रिट्रीवल सिस्टम स्थापित करने जा रही है। इसकी निविदा जारी होने के बाद चार कंपनियों ने इसमें रुचि दिखाई है।

उल्लेखनीय है कि तेलंगाना के बाद यूपी पुलिस में ऐसा अत्याधुनिक सिस्टम स्थापित किया जा रहा है। आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस बेस्ड क्रिमिनल डाटा क्रिएशन एंड रिट्रीवल सिस्टम में अपराधियों का पूरा डाटाबेस तैयार किया जाएगा। इससे पहले क्रिमिनल ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए ये काम किया जाता था। आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस के साथ अपराधियों का डाटाबेस जोड़ने से उनके चेहरे का मिलान चंद सेकंड में पूरे रिकॉर्ड से करते हुए किस चेहरे से कितने प्रतिशत मिलान हो रहा है, इसकी जानकारी सामने होगी। साथ ही उनकी आवाज, घटना को अंजाम देने का तरीका, पारिवारिक और आपराधिक पृष्ठभूमि का पूरा ब्योरा भी तुरंत मिल जाएगा।

वर्चुअल कॉल के जरिए धमकी देने वालों की अब खैर नहीं – पुलिस अधिकारी ने बताया कि उदाहरण के तौर पर यदि कोई व्यक्ति किसी को वर्चुअल कॉल के जरिए धमकी देता है तो उसकी आवाज को ये सिस्टम आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस की मदद से डाटाबेस में फीड लाखों आवाज से मैच करके सही व्यक्ति की पहचान कर लेगा। एसटीएफ के अधिकारियों के मुताबिक बिड में रुचि दिखाने वाली कंपनियों से इसमें तमाम अन्य फीचर्स भी जोड़ने पर बात चल रही है। सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि योगी सरकार की अपराधियों को लेकर नीति स्पष्ट है। अपराधी बचने न पाए, इसके लिए सरकार हर कदम उठा रही है।

बुंदेलखंड के विकास को योगी सरकार ने कसी कमर

– बुंदेलखंड पैकेज के तहत 200 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं को किया जाएगा पूर्ण

– 2023-24 में बुंदेलखंड पैकेज के कार्यों के लिए 225 करोड़ के बजट का किया गया प्राविधान

लखनऊ, (हि.स.)। योगी आदित्यनाथ सरकार ने बुंदेलखंड पैकेज के तहत विभिन्न विभागों की परियोजनाओं को पूर्ण करने के लिए 200 करोड़ से ज्यादा धनराशि प्रदान करने का अनुमोदन किया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में बुंदेलखंड पैकेज के कार्यों के लिए 225 करोड़ के बजट का प्राविधान किया गया है। बुंदेलखंड पैकेज के तीसरे चरण में 06 विभागों में से 03 विभागों के सभी कार्य पूर्ण हो चुके हैं। अवशेष कार्यों को पूर्ण कराए जाने के लिए 60.70 करोड़ तथा विभागों द्वारा इंगित बचतों को सम्मिलित करते हुए कुल 116.72 करोड़ की धनराशि सदुपयोग किए जाने के लिए उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में बुंदेलखंड पैकेज के कार्यों के लिए 225 करोड़ के बजट का प्राविधान किया गया है।

विभिन्न प्रस्तावों को मिली हरी झंडी – हाल ही में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में बुंदेलखंड पैकेज की समीक्षा की गई। उसमें पशुधन, कृषि और नमामि गंगे तथा ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग के प्रस्तावों पर अनुमोदन प्रदान किया गया। मुख्य सचिव ने दुग्ध विकास विभाग द्वारा बांदा में 01 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता के डेयरी प्लांट के लिए 103.16 करोड़ की स्वीकृत प्रदान की। साथ ही महिला समृद्धिकरण ब्रायलर पालन योजना के अपूर्ण कार्यों के लिए 43.56 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की। इसी तरह, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जल आपूर्ति द्वारा बुंदेलखंड में चेकडैम, तालाबों का आधुनिकीकरण एवं ब्लास्ट कूपों (225 नग) के निर्माण के लिए 17.14 करोड़ की स्वीकृति दी गयी। कृषि विभाग द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग चेक डैम एवं मल्टीपरपज फार्म पांड परियोजना के लिए 42.79 करोड़ का अनुमोदन प्रदान किया।

तृतीय चरण में अब तक खर्च किए गए 756 करोड़ – प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि अब बुंदेलखण्ड विकास के मामले में पीछे नहीं रहेगा। बुंदेलखंड पैकेज के तीसरे चरण के अंतर्गत 65 करोड़ के उद्यान विभाग के कार्य पूर्ण हो चुके हैं। वहीं कृषि विभाग के 25 करोड़ से अधिक के कार्य भी पूरा कर लिए गए हैं। 255 करोड़ से अधिक के सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की परियोजनाओं को भी पूरा किया जा चुका है। पशुधन विभाग के 55 करोड़ से ज्यादा के 02 कार्य पूरे किए जा चुके हैं। तो 44 करोड़ की एक परियोजना को मंजूरी प्रदान की गई है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से संबंधित तीन परियोजनाओं पर 247 करोड़ खर्च किए गए हैं। दुग्ध विकास से संबंधित परियोजनाओं पर 107 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जिनमे एक परियोजना के क्षमता विस्तार की रूपरेखा बन रही है। कुल मिलाकर तृतीय चरण में विभिन्न परियोजनाओं के लिए 917 करोड़ रुपये अनुमोदित किए गए जिसमें से 756 करोड़ खर्च किए जा चुके हैं। 100 करोड़ से ज्यादा की राशि विभागों द्वारा बचाई गई है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड है मौलवी पर्सनल लॉ बोर्ड : मोहसिन रजा

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री व उत्तर प्रदेश हज कमेटी के अध्यक्ष मोहसिन रजा ने समान नागरिक संहिता(यूनिफार्म सिविल कोड) का विरोध करने वाले मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने बुधवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, दरअसल मौलवी पर्सनल लॉ बोर्ड है। यह मुसलमानों का भला नहीं चाहता। आम मुसलमानों का भला होने से उनका नुकसान होगा, इसलिए वे यूनिफार्म सिविल कोड(यूसीसी) का विरोध कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री मोहसिन रजा ने कहा कि मौलवी पर्सनल लॉ बोर्ड होने के नाते ये यूनिफॉर्म सिविल कोड का विरोध करेगा ही।सभी समाज के साथ मुस्लिम समाज को एक समान अधिकार मिलने से मौलवी पर्सनल लॉ बोर्ड की दुकानें बंद हो रही हैं। ट्रिपल तलाक समाप्त होने से जिस तरह मुस्लिम समाज की बहनों और बेटियों के पांव में पड़ी जो बेड़ी समाप्त हुई है, ऐसे संगठन नहीं चाहते हैं कि इस तरह के और कानून बनें जिससे मुस्लिम समाज के और अधिकार सुरक्षित होते हों। जिस कानून से सबको समान अधिकार मिल रहा हो, वह खराब कैसे हो सकता है। मगर मैं आश्वस्त करता हूं कि जिस तरह ट्रिपल तलाक कानून आया, उसी तरह यूनिफॉर्म सिविल कोड का कानून भी देशहित में और जनहित में आएगा।

बजरंगदल के एक करोड़ सक्रिय कार्यकर्ता युवाओं को जोड़ेंगे : नीरज धनोरिया

– राम मन्दिर के प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व बजरंग दल पूरे देश मे निकालेगा शौर्य यात्रा

अयोध्या, (हि.स.)। बजरंग दल श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व देश भर में शौर्य यात्रा निकालेगा। शौर्य यात्रा के जरिए महापुरुषों से युवाओं को जोड़ा जाएगा। ग्राम, प्रखंड और जिला स्तर पर गांव गांव जाकर कार्यकर्ता नौजवानों को जोड़ेंगे। यह यात्रा 15 दिन तक चलाई जाएगी। इसमें संगठन के एक करोड़ सक्रिय कार्यकताओं को लगाया जाएगा। बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज धनोरिया बुधवार को रामनगरी अयोध्या पहुंचे। उन्होंने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के लिए देश भर में चलाई जाने वाली शौर्य यात्रा के परिपेक्ष्य में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महासचिव एवं विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के उपाध्यक्ष चंपत राय से कारसेवकपुरम में मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने बताया कि 15 दिन तक रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर शौर्य यात्रा निकाली जाएगी। शौर्य यात्रा के जरिए महापुरुषों से युवाओं को जोड़ने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवा जागृत धर्म पर आघात स्वीकार न करें। शौर्य यात्रा युवाओं को जागृत करने के लिए निकाली जाएगी। बजरंग दल के 57000 संयोजक साढ़े तीन लाख दायित्व वन के कार्यकर्ता और एक करोड़ सक्रिय बजरंग दल के कार्यकर्ता युवाओं को जोड़ने का कार्य करेंगे।

370 हटने से अब झांसी और काशी में नहीं होते बम धमाके : स्वतंत्र देव सिंह

–झांसी दौरे पर आए जल शक्ति मंत्री ने गिनाई मोदी सरकार की उपलब्धियां

झांसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह बुधवार को झांसी पहुंचें। उन्होंने झांसी के सर्किट हाउस में जल संसाधन, नमामि गंगे व सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए मोदी सरकार की उपलब्धियां को गिनाया। बोले जनता साथ है, इसलिए नौ साल में देश में परिवर्तन बड़ा परिवर्तन हुआ है। 370 हटने के बाद अब न झांसी में बम विस्फोट होता है और न ही काशी में। स्वतंत्र देव सिंह ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि मोदी सरकार में पिछले नौ साल में अमूलचूल परिवर्तन हुआ है। जिस बुंदेलखंड में पानी के लिए जनता परेशान होती थी। आज उसी बुंदेलखंड में हर घर जल हर घर नल योजना से पानी पहुंच रहा है। इसके साथ ही आयुष्मान योजना से गरीबों को निःशुल्क दवा और उपचार उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि आज लोगों की सोच बदली है। आज सरकार के साथ समाज खड़ा हुआ है। यही वह कारण है कि देश में परिवर्तन की बयार बह रही है। चाहे जल संचयन की बात हो, स्वच्छता मिशन हो या फिर पौधारोपण हो, समाज सहयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच और कार्यशैली पसंद आई। लोगों की सोच बदली। आज लोग खेत के मेड़-मेड़ पर पेड़ लगाने की बात कर रहे हैं। जल संचयन होने से भूगर्भ जल का स्तर बढ़ा है। प्रधानमंत्री के न खाएंगे, न खाने देंगे और न सोएंगे न सोने देंगे संकल्प के आगे सभी नतमस्तक है। आज 30 हजार बच्चों को विदेशों से बचाकर भारत की धरती पर वापस लाया गया। नर्सों को भी आतंकी संगठन के चंगुल से छुड़ाकर केरल की धरती पर वापस लाया गया। यह सब जनता के सहयोग से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर सके। गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह फैसला संगठन लेगा। उन्होंने बताया कि समीक्षा बैठक में सभी कंपनियों द्वारा लगभग 80 से 90 प्रतिशत कार्य कर लिया गया। एक कंपनी का कार्य कमजोर है। उसे भी जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद वह सीधा अपने काफिले के साथ चिरगांव ब्लॉक के गुलारा ग्राम में पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण के लिए रवाना हो गए। जहां से वह गुरसराय में छत्रपति साहू महाराज की जयंती और छात्र छात्राओं के सम्मान समारोह में शिरकत करेंगे। जहां शामिल होने के बाद वह लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे।

कोडरमा एसपी ने विवाहिता के साथ मारपीट मामले में थाना प्रभारी और एसआई से मांगा स्पष्टीकरण

कोडरमा, (हि. स.)। जिले के तिलैया थाना के पास गत दो जुलाई को एक विवाहिता की सरेआम पिटाई और पुलिस द्वारा मामले में संज्ञान नहीं लिए जाने पर एसपी कुमार गौरव ने थाना प्रभारी विनोद कुमार समेत थाना में पदस्थापित दो एसआई से स्पष्टीकरण मांगा है। मामले में सही जवाब नहीं मिलता है तो थाना प्रभारी सहित दो एसआई के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जो जुलाई को तिलैया थाना में पारिवारिक विवाद की शिकायत लेकर नव विवाहिता पहुंची थी। तिलैया थाना में प्रभारी मौजूद थे लेकिन कोई सुनवायी नहीं हुई थी। इतना ही नहीं थाना परिसर के बाहर ही ससुराल वालों ने महिला के साथ पिटाई की थी। इस दौरान थाना परिसर में थाना प्रभारी विनोद कुमार व अन्य पुलिसकर्मी चाय की चुस्की ले रहे थे। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव किया था लेकिन पुलिस आराम से बैठी रही।

मारपीट की घटना के बाद दोनों पक्ष जब दोबारा थाना परिसर पहुंचे तो एसआई सुमित कुमार ने विवाहिता के पिता को ही थप्पड़ जड़ दिया। यह मामला अगले दिन मीडिया में सुर्खियों में रहा। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने इस मामले का संज्ञान लिया। यह भी बताया जाता है कि इस मामले की जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ ही मानवाधिकार आयोग को भी भेजी गयी है।

राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश को कार्यकर्ताओं ने किया सम्मानित

रांची, (हि. स.)। रांची महानगर के भाजयुमो के कला और खेल प्रकोष्ठ के संयोजक आशुतोष द्विवेदी ने बुधवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश से उनके आवास पर मुलाकात की। तीन वर्षो के उनके सफल कार्यकाल के लिए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा नेता आशुतोष द्विवेदी ने उन्हें अंगवस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। द्विवेदी ने कहा कि भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद ने ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से अपना कार्यकाल को पूरा किया है। उन्होंने तीन वर्षो से पूरे प्रदेश से बूथ स्तर के सम्मानित कार्यकर्ताओं के साथ साथ संगठन को मजबूत करने का कार्य किया है। मौके पर राज्यसभा सांसद ने कहा कि मैं संगठन का एक सामान्य कार्यकर्ता हूं और हमेशा रहूंगा। भाजपा को मजबूत करने के लिए हम सभी उजार्वान कार्यकर्ताओं को एक साथ मिलकर झारखंड में पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार मिलकर बनाएंगे। यही मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी।

झारखंड में एचआरएमएस से मिलेगा मातृत्व और पितृत्व अवकाश

रांची, (हि.स.)। एचआरएमएस पद्धति से ही अब राज्य कर्मियों का मातृत्व और पितृत्व अवकाश स्वीकृत-अस्वीकृत होगा। कार्मिक विभाग ने ऑनलाइन आवेदन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम के जरिये ही प्राप्त करने का प्रावधान कर दिया है। कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो ने इसकी जानकारी सभी विभागीय सचिवों को दी है। मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली अंतर्गत वर्तमान में ऑनलाईन अवकाश प्रबंधन प्रणाली के तहत छह प्रकार के अवकाश प्रक्रिया को ऑनलाइन निष्पादित किए जाने का प्रावधान है।

इस क्रम में एचआरएमएस के अंतर्गत कार्यरत मॉड्यूल अवकाश प्रबंधन प्रणाली के मातृत्व अवकाश एवं पितृत्व अवकाश को ऑनलाईन क्रियान्वित करने का निर्णय लिया गया है। कार्मिक विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसे में अब एचआरएमएस के अंतर्गत ऑनलाईन अवकाश प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करते हुए झारखंड राज्य के सभी कर्मियों के द्वारा मातृत्व अवकाश एवं पितृत्व अवकाश का आवेदन ऑनलाईन समर्पित किया जायेगा। इसका अग्रसारण एवं अवकाश की स्वीकृति, अस्वीकृति का कार्य भी ऑनलाईन किया जायेगा एवं अवकाश स्वीकृति की स्थिति में स्वीकृत्यादेश भी ऑनलाईन ही निर्गत अब होगा। कार्मिक सचिव ने इस प्रणाली के उपयोग करने के लिए विभाग के नोडल पदाधिकारी व हेल्प लाइन के जरिये सहयोग लेने का भी निर्देश दिया है।

नेपाल और बिहार में हो रही बारिश से नादियां उफान पर, बाढ़ का खतरा बढ़ा

पटना (ईएमएस)। नेपाल के तराई क्षेत्रों सहित बिहार के कई इलाकों में हो रही बारिश के कारण राज्य की प्रमुख नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। नदियों के उफान पर आने के कारण कई इलाकों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो गया है। जल संसाधन विभाग द्वारा बनाए गए बाढ़ नियंत्रण कक्ष के मुताबिक, मंगलवार सुबह छह बजे कोसी नदी का वीरपुर बराज पर जलस्तर 89,145 क्यूसेक था। जबकि, 10 बजे सुबह 1,02,765 क्यूसेक पहुंच गया। गंडक नदी का वाल्मीकि नगर बराज पर जलस्तर 83,900 क्यूसेक है, जो स्थिर बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे के दौरान राज्य के अधिकांश इलाकों में बारिश का अनुमान है। बिहार में हो रही बारिश और नेपाल से आ रहे पानी के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। राज्य की प्रमुख नदियां गंगा, गंडक, बूढ़ी गंडक, कोसी, बागमती उफान पर हैं। लेकिन, ये अभी भी खतरे के निशान से नीचे हैं। आशंका है कि नेपाल और बिहार में लगातार बारिश हुई तब कई नदियां खतरे के निशान को पार कर जाएगी। जल संसाधन विभाग का दावा है कि तटबंधों पर लगातार निगरानी की जा रही है। विभाग के मंत्री संजय कुमार झा ने भी दो दिन पहले कई इलाकों में जाकर तटबंधों का निरीक्षण किया था। झा ने दो दिन पहले दरभंगा बागमती नदी के बाएं तट पर एकमी घाट से सिरनिया तक निर्मित 10.5 किमी लंबे तटबंध का निरीक्षण किया तथा इसकी सुरक्षा एवं सुदृढ़ीकरण के संबंध में विभागीय अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। यह तटबंध बहादुरपुर, हनुमान नगर और हायाघाट प्रखंड के अधीन पड़ता है। इससे दरभंगा शहर के साथ-साथ उक्त तीनों प्रखंडों को बाढ़ से सुरक्षा मिलती है। तटबंध पर तीन एंटी फ्लड स्लूईस भी निर्मित हैं, जिससे शहर में जमा बारिश के पानी की निकासी होती है। इसके अलावा बेनीपुर प्रखंड में सकरी शाखा नहर की बिंदु दूरी 140.00 के पास स्थल निरीक्षण किया।

निलंबित किये गए बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता निर्मल, गंभीर आरोपों में हुई कार्रवाई

नवादा, (हि. स.)। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन लि. विद्युत आपूर्ति डिविजन नवादा के कार्यपालक अभियंता निर्मल कुमार को निलंबित कर दिया गया है। कर्तव्यहीनता, अनुशासनहीनता सहित कई संगीन आरोपों में इनपर कार्रवाई हुई है। निलंबन का आदेश अंडर सेक्रेटरी अरविंद कुमार द्वारा जारी किया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय विद्युत आपूर्ति अंचल जमुई किया गया है। हालांकि, यह साफ नहीं हो सका है कि इस बड़ी कार्रवाई के पीछे उनके खिलाफ क्या शिकायत थी और शिकायतकर्ता कौन थे। निर्मल कुमार अपने कार्यकलापों को लेकर पूर्व में भी विवादों में रहे थे। वारिसलीगंज में सहायक अभियंता रहते हुए अक्सर आरोपों के जद में रहा करते थे। नवादा में भी निर्मल कुमार पर रुपए लेकर जन समस्याओं का निपटारा करने सहित कई आरोप लगते रहे हैं। यहां तक उन्होंने पैसे कमाने के लिए सांसद, विधायक जैसे जनप्रतिनिधियों की भी बराबर उपेक्षा करते रहें है।जिस कारण विभाग को उनकी भी शिकायत झेलनी पड़ी है। बिना रिश्वत के कोई काम नहीं होना उनके कार्यालय के पहचान के बन गई थी। गलत तरीके से गांव की बिजली काट देने के बाद जोड़ने में रुपए मांगने का भी उन पर आरोप लगाया गया था। नवादा प्रखंड के कुरमा टोला रतनपुर के समाजसेवी संजय चौधरी ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उनके गांव की बिजली काट देने का आरोप लगाया था ।श्री चौधरी ने पत्र में लिखा था कि बिजली जोड़ने के भी रुपए मांगेजा रहे हैं।

स्वच्छता पखवाड़ा में पॉलिटेक्निक एवं रेलवे स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक का मंचन

बेगूसराय, (हि.स.)। भारत सरकार के निदेर्शानुसार इंडियन ऑयल के बरौनी रिफाइनरी ने एक से 15 जुलाई तक आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा के तहत लगातार कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आम लोगों को जागरूक करने के लिए द फैक्ट आर्ट एंड कल्चरल सोसाइटी बेगूसराय द्वारा नुक्कड़ नाटक "स्वच्छता ही कर्म" का मंचन राजकीय पॉलिटेक्निक बरौनी एवं बेगूसराय रेलवे स्टेशन पर किया गया। लोकप्रिय युवा रंगकर्मी प्रवीण कुमार गुंजन ने इस नाटक को लिखा है। नाटक देखने के लिए राजकीय पॉलिटेक्निक में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मी एकत्रित हुए थे। वहीं, रेलवे स्टेशन पर भी बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी एवं यात्री नाटक देखने के लिए एकत्रित हुए थे। वरिष्ठ प्रबंधक (कॉपोर्रेट संचार) रवि भूषण कुमार ने बताया कि नुक्कड़ नाटक में बताया गया कि कचड़े का कैसे प्रबंधन करें। नीले और हरे रंग के डस्टबिन का अलग-अलग कैसे उपयोग करने, घर के आसपास सफाई और शौचालय की उचित सफाई पर ध्यान देने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने इत्यादि के लिए प्रेरित किया गया।

संपादकीय

वित्तीय आचरण बदलें

आर्थिक परीक्षाओं में गुजर बसर करने की इच्छा शक्ति से गुजरती हिमाचल सरकार के लिए हर कदम पर चुनौतियां हैं, लेकिन यही इंतखाब है जिसे पूर्ववर्ती सरकारों ने नजरअंदाज किया। हिमाचल में पंजाब पुनर्गठन, पर्वतीय राज्य, वनाधिकार व जलाधिकार इसकी आर्थिक शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काफी है, लेकिन यही पहलू सबसे अधिक नजरअंदाज हुए। अब जबकि वाटर सेस और शानन विद्युत परियोजना पर हक जताने की बारी आई, तो हिमाचल को याद आया कि यह बंटवारा तो चंडीगढ़ की 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी को भी सुनिश्चित करता है। विडंबना यह रही कि जब हिमाचल में पंजाब के पर्वतीय क्षेत्र मिल रहे थे, इसे केवल एक भूखंड का स्थानांतरण और सियासी गठजोड़ माना गया, जबकि इसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भाषायी, सामाजिक, आर्थिक पहलुओं व अधिकारों को गौण किया जाता रहा। यही विडंबना अब शूल बनकर उभरी है, तो हिमाचल को अपने पांव पर खड़ा होने की शिद्दत से कोशिश हो रही है। यह दुर्भाग्य है कि जब सुक्खू सरकार अपने दम पर प्रदेश की आर्थिक चुनौतियों के समाधान में गतिशील है, तो कहीं विपक्ष इसे राजनीतिक लाचारी में देख रहा है। मानवीय संसाधन के विकास में हिमाचल एक अग्रणी राज्य है, लेकिन इसके बरअक्स आर्थिक संसाधनों का विकास नहीं हो पाया, तो इसलिए क्योंकि हमेशा बेचारगी के आलम में राज्य ने केंद्र से पनाह मांगने की कोशिश की जबकि अधिकारों के परिप्रेक्ष्य में यथार्थ को नजरअंदाज किया गया। जिस पर्यावरण के लिए हिमाचल को बंधुआ बनाया गया, उसके एवज में आर्थिक अधिकार किसने मांगे। पौंग-भाखड़ा जैसी बड़ी बांध परियोजनाओं से हिमाचल को हासिल ही क्या हुआ। इसी संदर्भ में शानन विद्युत परियोजना को यह मान लेना कि इस पर पंजाब का कानूनी हक है, हमारी दृष्टि का दोष रहा। आजादी के बाद अगर नए राज्यों का उदय नई संभावनाओं को जन्म दे गया, तो किस पैमाने पर शानन विद्युत परियोजना को पंजाब की संपत्ति मान लिया गया। दरअसल हिमाचल की संकीर्ण राजनीति ने पंजाब पुनर्गठन के बाद राज्य के अस्तित्व को नई आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक पहचान के रूप में विकसित ही नहीं होने दिया। आज तक केवल हिस्से बंटे हैं, जबकि कानूनी हिस्सेदारियों में प्रदेश की भूमिका इक्का दुक्का मामलों में ही सामने आई है। बहरहाल सालों के दोष की दुरुस्ती इतनी भी आसान नहीं कि एकदम सब कुछ सही हो जाए, लेकिन सबसे पहले प्रदेश को सियासत की आंतरिक शुद्धि चाहिए। राजनीतिक तौर पर प्रदेश के असंतुलन पंजाब पुनर्गठन के बाद बढ़े हैं या इनके ऊपर व्यक्तिगत इच्छाएं थोप दी गईं। राज्य का नेतृत्व प्रायः सत्तारूढ़ दलों की केंद्रीय सत्ता ही तय करने लगी है जिसके कारण मुख्यमंत्री का पद भी अपनी किलेबंदी करते देखे गए। प्रदेश को अभी तक राजनीति के बीच स्वतंत्र आर्थिक सलाहकार या वित्त मंत्री नहीं मिले और न ही सरकारों ने अपनी निरंतरता से आर्थिक आत्मनिर्भरता के कदमों को आगे बढ़ाया। कमोबेश हर सरकार ने जनता से ऐसे लोकप्रिय तथा वित्तीय उदारता के समझौते किए जो इसके बूते से बाहर है। कांग्रेस की अहम गारंटियां प्रदेश को आत्मनिर्भर नहीं बना रहीं, बल्कि इससे आर्थिक व नागरिक दबाव ही बढ़ रहे हैं। भले ही सुक्खू सरकार ने इस दिशा में कड़े संदेश और आर्थिक नवाचार का पैगाम दिया है, लेकिन आर्थिक ढांचे की जिम्मेदारी विपक्ष से नागरिक समाज तक है। इसी दृष्टि से हिमाचल भवन के बाद सामान्य डाक बंगलों के कमरों का दैनिक किराया पांच सौ व सर्किट हाउस में छह सौ रुपया किया जा रहा है। यह देखने में छोटा सा प्रयोग दिखाई देता है, लेकिन यह वित्तीय आचरण बदलने का कारक हो सकता है। आश्चर्य तो यह है कि पिछले कुछ सालों में रेस्ट हाउस निर्माण केवल राजनीतिक शानो-शौकत के लिए हुआ और करीब दो हजार ऐसी संपत्तियों की वार्षिक देखभाल पर ही करोड़ों निकल जाते हैं। भले ही किराए की दृष्टि से उपाय ढूंढा गया, लेकिन इनके औचित्य, प्रबंधन और भविष्य की परिकल्पना बहुत कुछ करना बाकी है। हर विभाग द्वारा खड़े किए गए डाक बंगलों के स्थान पर महत्त्वपूर्ण शहरों में एक संयुक्त रेस्ट हाउस की परिकल्पना में दस, पच्चीस, पचास या सौ कमरों की इकाइयां स्थापित करके इनका संचालन पर्यटन विकास निगम के हाथों में दिया जाए। ऐसी इमारतों के निर्माण एवं प्रबंधन के लिए पीपीपी मोड भी अपनाया जा सकता है या पढ़े-लिखे युवाओं को स्वरोजगार के तहत सरकारी कर्मचारियों की आवासीय व्यवस्था एवं डाक बंगलों को आउटसोर्स किया जा सकता है। राज्य की नई आय के स्रोत पैदा करने से पहले फिजूलखर्ची पर नकेल आवश्यक है और अगर इससे साथ पक्ष-प्रतिपक्ष एवं जनता एक साथ आए तो वित्तीय खानाखराबी का वर्तमान आलम तो रुकेगा।

> हिमाचल में पंजाब पुनर्गठन, पर्वतीय राज्य, वनाधिकार व जलाधिकार इसकी आर्थिक शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काफी है, लेकिन यही पहलू सबसे अधिक नजरअंदाज हुए। अब जबकि वाटर सेस और शानन विद्युत परियोजना पर हक जताने की बारी आई, तो हिमाचल को याद आया कि यह बंटवारा तो चंडीगढ़ की 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी को भी सुनिश्चित करता है। विडंबना यह रही कि जब हिमाचल में पंजाब के पर्वतीय क्षेत्र मिल रहे थे, इसे केवल एक भूखंड का स्थानांतरण और सियासी गठजोड़ माना गया, जबकि इसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भाषायी, सामाजिक, आर्थिक पहलुओं व अधिकारों को गौण किया जाता रहा। यही विडंबना अब शूल बनकर उभरी है, तो हिमाचल को अपने पांव पर खड़ा होने की शिद्दत से कोशिश हो रही है। यह दुर्भाग्य है कि जब सुक्खू सरकार अपने दम पर प्रदेश की आर्थिक चुनौतियों के समाधान में गतिशील है, तो कहीं विपक्ष इसे राजनीतिक लाचारी में देख रहा है। मानवीय संसाधन के विकास में हिमाचल एक अग्रणी राज्य है, लेकिन इसके बरअक्स आर्थिक संसाधनों का विकास नहीं हो पाया, तो इसलिए क्योंकि हमेशा बेचारगी के आलम में राज्य ने केंद्र से पनाह मांगने की कोशिश की जबकि अधिकारों के परिप्रेक्ष्य में यथार्थ को नजरअंदाज किया गया।

कुछ अलग

घोटाले में आरोपित तेजस्वी

जब लालू यादव केंद्र की यूपीए-1 सरकार में रेल मंत्री थे, तो उनकी अर्थशास्त्रीय विद्वता पर आश्चर्य होता था। उन्हें विदेश के विख्यात विश्वविद्यालयों में विशेषज्ञ के तौर पर आमंत्रित किया जाता था। अर्थशास्त्र के केंद्रों के प्रोफेसर और विद्यार्थी लालू यादव का वह फॉर्मूला जानने के इच्छुक थे कि भारतीय रेल मुनाफे में क्यों रहती है? उसके आधार और समीकरण क्या हैं? लालू किसी भी दृष्टि से अर्थशास्त्री नहीं थे और न ही आज हैं, लेकिन देश-दुनिया के सामने रहस्योद्घाटन हो गया कि तत्कालीन रेल मंत्री गरीब लोगों को नौकरी देते थे, लेकिन बदले में उनकी जमीन का कोई टुकड़ा अपनी पत्नी, बेटा-बेटी, साले और परिवार के स्वामित्व वाली कंपनी के नाम लिखवा लिया करते थे या तोहफे के तौर पर स्वीकार कर लेते थे। आरोप है कि रेलवे में 'डी' श्रेणी की नौकरी देने के बदले लालू परिवार ने एक लाख वर्ग फुट से ज्यादा की जमीन मात्र 26 लाख रुपए में खरीदी। जमीन की तत्कालीन बाजार कीमत 4.39 करोड़ रुपए थी। यह तथ्य सीबीआई के आरोप-पत्र में है। 'नौकरी के बदले जमीन' घोटाला लालू कुनबे के साथ चिपका है। सीबीआई ने इस मामले में एक और नया आरोप-पत्र अदालत में दाखिल किया है। लालू यादव, कुछ बिचौलियों, फर्मों और बेटे-बेटियों को तो आरोपित बनाया गया है, लेकिन इस बार बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी आरोपित हैं। वह लालू-राबड़ी के छोटे पुत्र हैं। लालू-राबड़ी दोनों ही बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री हैं। उनकी बेटियों की भूमिका भी संदिग्ध है, लिहाजा उनके आवासीय स्थलों पर छापे मार कर उनसे पूछताछ भी की गई थी। आरोप-पत्र पर अदालती कार्यवाही शुरू होगी, तो सबके नाम और मुनाफे स्पष्ट हो जाएंगे। खुद को 'सामाजिक न्याय का मसीहा' मानने वाले लालू यादव ने मंत्री पद का दुरुपयोग किया और गरीबों से ही उनके भूखंड बटोर लिए। यह काल्पनिक आरोप-पत्र नहीं है, बल्कि सीबीआई ने गहन जांच की है, साक्ष्य जुटाए हैं, गरीबों के आर्तनाद भी दर्ज किए हैं, नतीजतन दो आरोप-पत्र दाखिल किए गए हैं। क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 'आरोपित सहयोगी' के साथ सरकार में काम करना चाहेंगे? उनका रिकॉर्ड रहा है कि वह आरोपित नेता को साफ-सुथरा साबित होने का निर्देश देते हैं और तब तक वह कैबिनेट या किसी भी जिम्मेदार और संवैधानिक पद से अलग रहता है, लेकिन तेजस्वी के संदर्भ में नीतीश के पास विकल्प ही क्या है? अभी तो यह अग्नि-परीक्षा भी होनी है कि वह तेजस्वी के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति देते हैं अथवा नहीं! राज्यपाल को अनुशंसा करेंगे या नहीं! कानून तेजस्वी को जेल भी भेजा जा सकता है।

शिक्षा से संबंधित विभिन्न योजनाओं को लागू करना और क्रियान्वित करना

छोटे कालेजों का संघर्ष

डा. वरिंदर भाटिया

> भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली समय के साथ तेजी से बदल रही है। किसी भी कॉलेज का प्रिंसीपल और शिक्षक उस संस्था का सेन्ट्रल एक्सेल होते हैं। आज उच्च शिक्षा में संस्था प्रमुख या प्रिंसिपल का महत्व बढ़ गया है। शैक्षणिक संस्थान के प्रमुख यानी प्रिंसीपल के विभिन्न कार्य और जिम्मेदारियां नएपन से परिभाषित हो रही हैं। यह जिम्मेदारियां कुछ इस तरह से हो गयी हैं, आइये इन जिम्मेवारियों की एक चेक लिस्ट पर विचार करें, जैसे कि शैक्षणिक उद्देश्य के लिए नियमित विभाग की बैठकें आयोजित करना और उनका संचालन करना। संस्थान में प्रत्येक सदस्य की जरूरतों के बारे में जागरूक रहना और व्यक्तिगत सलाह देने और उनकी चिंताओं को सुनने के लिए समय निकालना।

इस समय हर कॉलेज में दाखिले के लिए संघर्ष हो रहा है। एक तरफ जहां नामवर कॉलेज विद्यार्थियों की संतोषजनक संख्या पर शायद ही पहुंच जाएंगे, वहीं अनेक कॉलेज ऐसे भी पाए जा रहे हैं जहां छात्रों का अकाल पड़ गया है। इनमें से अनेक कॉलेज अपने प्राध्यापकों को कई कई महीनों से वेतन देने में असमर्थ हो चुके हैं। इन स्थितियों के अनेक कारण हो सकते हैं। उदाहरण के लिए अनेक छोटे कॉलेजों में निम्न स्तर का लर्निंग इन्फ्रा होना, स्टाफ की कमी और उनको पढने के लिए अंडर पेमेंट करना, छात्रों का उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाना, कॉलेज में पेशवर प्रशासन और प्रबंध का न होना इत्यादि ऐसी स्थितियां बन सकती हैं जिससे आने वाले समय में छोटे कॉलेज बंद हो सकते हैं। भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली समय के साथ तेजी से बदल रही है। किसी भी कॉलेज का प्रिंसीपल और शिक्षक उस संस्था का सेन्ट्रल एक्सेल होते हैं। आज उच्च शिक्षा में संस्था प्रमुख या प्रिंसिपल का महत्व बढ़ गया है। शैक्षणिक संस्थान के प्रमुख यानी प्रिंसीपल के विभिन्न कार्य और जिम्मेदारियां नएपन से परिभाषित हो रही हैं। यह जिम्मेदारियां कुछ इस तरह से हो गयी हैं, आइये इन जिम्मेवारियों की एक चेक लिस्ट पर विचार करें, जैसे कि शैक्षणिक उद्देश्य के लिए नियमित विभाग की बैठकें आयोजित करना और उनका संचालन करना। संस्थान में प्रत्येक सदस्य की जरूरतों के बारे में जागरूक रहना और व्यक्तिगत सलाह देने और उनकी चिंताओं को सुनने के लिए समय निकालना। संस्था की रिपोर्ट लेखन की गुणवत्ता की निगरानी करना। वर्तमान शैक्षिक सोच से अवगत रहना और यथासंभव इसमें शामिल होना। विशेष पाठ्यचर्या या शैक्षणिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बैठकों की व्यवस्था करना और उनमें भाग लेना। शिक्षा से संबंधित विभिन्न योजनाओं को लागू करना और क्रियान्वित करना। प्रत्येक विभाग और संकायों के बीच संबंध स्थापित करना और संतुलन बनाए रखना। आवश्यकता पडने पर आगामी वर्ष के लिए विभाग के लिए व्यय की योजना प्रदान करना। विभाग/संस्था के वार्षिक बजट की जिम्मेदारी लेते हुए यह सुनिश्चित करना कि इसका उपयोग दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाए। संस्थान के सटीक रिकॉर्ड, सुव्यवस्थित फाइलें और बैठकों के सभी संबंधित मिनटों सहित कॉलेज दस्तावेजों के रिकॉर्ड रखना। संस्थान में कर्मचारियों और छात्रों को आवश्यकतानुसार निर्णयों को समझाना। संस्थागत सुविधाओं के बारे में भविष्य में सुधार के

लिए योजना विकसित करना। फर्नीचर, फिटिंग और कपड़े को होने वाली किसी भी दिन-प्रतिदिन की क्षति का सर्वेक्षण करना। प्रबंधन अधिकारियों को किसी भी क्षति की चिंता की रिपोर्ट करना। हितधारकों के अच्छे रिटर्न के लिए संस्थान की स्वच्छता के प्रति जागरूक रहना। कॉलेज स्टाफ विकास कार्यक्रमों के एक भाग के रूप में स्टाफ के सदस्यों के मूल्यांकन में भाग लेना। नियमित शिक्षण में शामिल शिक्षण स्टाफ और हितधारकों के लिए शिक्षाविदों में उनकी अलग-अलग भूमिका के बारे में देखना। नए स्टाफ के लिए स्टाफ इंडक्शन प्रोग्राम और कॉलेज इंडक्शन प्रोग्राम की व्यवस्था करना और तैयार करना। सहायक कर्मचारियों और तकनीशियनों की पूर्ण भागीदारी के लिए उनके कार्य को व्यवस्थित करना। विभाग के सदस्यों का सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित करना। प्रत्येक छात्र की नैतिक, आध्यात्मिक, सौंदर्य, शारीरिक और बौद्धिक शिक्षा में योगदान देने वाले विषयों का विकास करना। पाठ्यचर्यागत नीतियों और विषयों को लागू करना और उन्हें विकास के कार्य में लाना। पाठ, दीवार प्रदर्शन और संसाधनों के उपयोग के संदर्भ में पूरे संस्थान में प्रेरक कक्षा वातावरण प्रदान करना। उचित समय और छुट्टियों के दौरान समाजों, यात्राओं, अतिथि वक्ताओं, भ्रमण और क्षेत्र कार्य के रूप में कक्षा से परे अवसर प्रदान करना। छात्रों को उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों पर सलाह प्रदान करना और विश्वविद्यालयों के साथ उचित संबंध बनाए रखना। यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक छात्र के साथ मिशन और विजन स्टेटमेंट के सिद्धांतों और उद्देश्यों के अनुसार व्यवहार किया जाए। अच्छे अभ्यास के उदाहरणों को समन्वित करना और शिक्षकों को अभ्यास, अध्ययन के कार्यक्रम साझा करने में सक्षम बनाना। एनएएसी, शैक्षणिक और प्रशासनिक समितियों, विश्वविद्यालय समितियों सहित बहु-विषयक समितियों को शामिल करने वाली विभिन्न समितियों का संचालन करना। एक संस्थागत पुस्तिका तैयार करना और रखना और सरकारी अधिकारियों, प्रबंधन निकायों की मांग पर समय-समय पर उत्पादन और प्रतिनिधित्व करना। शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए कॉलेज/संस्थान को उसके विकास और प्रगति के लिए समय की गति के साथ परिभाषित करना। टाइम टेबल समिति द्वारा तैयार किए गए टाइम टेबल के घंटों को देखना और सुनिश्चित करना। समाज के कल्याण के लिए छात्रों जैसे कॉलेज हितधारकों के लिए कार्यान्वयन के लिए दुनिया में संभाली गई नई तकनीकों और प्रौद्योगिकियों से अवगत रहना। संबद्ध विश्वविद्यालयों द्वारा तय दिशा-निर्देशों के अनुसार कॉलेज/संस्थान में अनुशासन बनाए रखना। समाज और हितधारकों जैसे माता-पिता, छात्रों के साथ शिक्षण स्टाफ और गैर-शिक्षण स्टाफ के बीच संतुलन बनाए रखना। उच्च शिक्षा में टीचिंग स्टाफ का महत्व एवं उत्तरदायित्व भी नए आयाम ले रहे हैं। इनकी भी एक चेक लिस्ट सुझाई जा सकती है, जैसे कि संस्थानों की समय-सारिणी में निर्देशानुसार व्याख्यान, प्रैक्टिकल, कार्यशाला, सेमिनार लेना। छात्र/हितधारक के शैक्षणिक स्तर को बढ़ाना। हितधारकों के विकास के लिए बुनियादी आधार के साथ-साथ मूल्य आधारित शिक्षा को जोडना। छात्रों को रोजगार की दृष्टि से वाहक बनाना। विश्वविद्यालय अवकाश या स्प्रेडशीट के अनुसार परिणाम बनाना। हितधारकों/छात्रों को समय-समय पर महत्वपूर्ण सूचनाएं सूचित करना। व्याख्यान आयोजित करते समय छात्रों को व्याख्यान से पहले अध्ययन सामग्री तैयार करना। कक्षा कक्ष के साथ-साथ कॉलेज परिसर में अनुशासन बनाए रखना। किसी भी कदाचार/गलत व्यवहार से बचना जो जानबूझकर कॉलेज के अनुशासन और माहौल को नुकसान पहुंचाएगा। छात्रों की शिक्षा के विकास के लिए घंटों अध्ययन के माध्यम से अतिरिक्त प्रयास करना। कक्षा, धर्म और अनुष्ठानों के संबंध में समानता के सभी कोनों के माध्यम से प्रत्येक छात्र को समान बनाना। यह हमारे प्राध्यापकों के लिए एक चुनौती है। ऊपर बताए गए बिंदुओं का मकसद छोटे कॉलेज में शैक्षणिक और प्रशासनिक गति देना है। हमें प्राचार्य और प्राध्यापकों को और मजबूती देनी होगी, ताकि वे पूर्ण शक्ति और स्व-निर्भरता से उच्च शिक्षा की नई इबारत लिख सकें। हम छोटे कॉलेज बंद कर देने की तो नहीं कहते, परन्तु बगैर डिमांड और सुविधाओं के चल रहे कॉलेज सार्थकता नहीं साबित कर पा रहे हैं। इस पर सोचा जाना गलत नहीं है।

अपेक्षित है सभ्य एवं मर्यादित परिधान

> हमें कब और कहां, कैसा व्यवहार करना है, यह सभ्य, शिक्षित और संस्कारित व्यक्ति स्वयं जानता है। वैसे भी क्या पहनना है, क्या खाना है, किस तरह का व्यवहार आवश्यक है, क्या सही है, क्या गलत है, यह किसी भी व्यक्ति का निजी मामला है और इस पर कोई भी टिप्पणी नहीं की जा सकती। बंदिशें लगाकर भी किसी व्यक्ति को बलपूर्वक वांछित आचरण के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। सभी व्यक्तियों की शिक्षा, संस्कार, विचार, परवरिश, परिवेश, परिस्थिति तथा जीवन के प्रति दृष्टिकोण एक जैसा नहीं होता। इसलिए उसके चिन्तन, व्यवहार, आचरण, रुचि एवं अभिरुचि में भी भिन्नता तथा विविधता होती है, जो स्वाभाविक भी है। ईश्वर ने सभी को अलग-अलग अक्ल, शक्ल, रंग, रूप, आकार तथा बुद्धि प्रदान की है। इसीलिए यह जीवन सुन्दर तथा आकर्षक है। प्रत्येक व्यक्ति के निजी जीवन मूल्य हैं तथा उनमें किसी भी प्रकार का बाहरी दखल भी नहीं हो सकता। प्रत्येक व्यक्ति अपना स्वतन्त्र जीवन यापन करना चाहता है। यह स्वतन्त्रता प्रकृति से मिली है इसी प्राकृतिक जीवन की स्वतन्त्रता के सिद्धांत की पुष्टि हमारे संवैधानिक अधिकारों में भी की गई है।

वैसे तो जीवन में मर्यादित और अमर्यादित आचरण क्या है, ये तो व्यक्ति के जीवन का निजी मामला है, परन्तु सामाजिक रूप से क्या होना चाहिए, कैसे होना चाहिए तथा क्या नहीं होना चाहिए, इसे सामाजिक अलिखित नियम संहिता निश्चित करती है। हमें कब और कहां, कैसा व्यवहार करना है, यह सभ्य, शिक्षित और संस्कारित व्यक्ति स्वयं जानता है। वैसे भी क्या पहनना है, क्या खाना है, किस तरह का व्यवहार आवश्यक है, क्या सही है, क्या गलत है, यह किसी भी व्यक्ति का निजी मामला है और इस पर कोई भी टिप्पणी नहीं की जा सकती। बंदिशें लगाकर भी किसी व्यक्ति को बलपूर्वक वांछित आचरण के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। सभी व्यक्तियों की शिक्षा, संस्कार, विचार, परवरिश, परिवेश, परिस्थिति तथा जीवन के प्रति दृष्टिकोण एक जैसा नहीं होता। इसलिए उसके चिन्तन, व्यवहार, आचरण, रुचि एवं अभिरुचि में भी भिन्नता तथा विविधता होती है, जो स्वाभाविक भी है। ईश्वर ने सभी को अलग-अलग अक्ल, शक्ल, रंग, रूप, आकार तथा बुद्धि प्रदान की है। इसीलिए यह जीवन सुन्दर तथा आकर्षक है। प्रत्येक व्यक्ति के निजी जीवन मूल्य हैं तथा उनमें किसी भी प्रकार का बाहरी दखल भी नहीं हो सकता। प्रत्येक व्यक्ति अपना स्वतन्त्र जीवन यापन करना चाहता है। यह स्वतन्त्रता प्रकृति से मिली है इसी प्राकृतिक जीवन की स्वतन्त्रता के सिद्धांत की पुष्टि हमारे संवैधानिक अधिकारों में भी की गई है। यह जीवन यापन स्वतन्त्रता हमें तब तक छूट देती है जब तक कि हमारी स्वतन्त्रता किसी दूसरे के जीवन के लिए हानिकारक न हो। हम मनुष्य हैं, पशुओं से परिष्कृत हैं। हमें सभ्य बनने में शताब्दियां लगी हैं। परमात्मा ने हमें बुद्धिमत्ता से परिपूर्ण किया है। हमारी सोचने-समझने की शक्ति अन्य चर-अचर जीवों से शतप्रतिशत बेहतर है। हमें कब, क्या, कैसे और क्यों करना है, हम विचार कर निर्णय कर सकते हैं। मनुष्य ने शिक्षित होकर ज्ञान प्राप्त किया है, लेकिन शिक्षित होने के बावजूद वह सभ्य, सुसंस्कृत एवं संस्कारी बनने में असफल ही रहा है। वह अपनी असुरी वृत्तियों पर लगाम लगाने में नाकामयाब ही रहा है। ऐसा लगता है कि हम समय, स्थान तथा स्थिति के अनुरूप व्यवहार नहीं कर पाते। यह परिवर्तन वर्तमान में व्यक्ति के व्यवहार, वार्तालाप, संस्कार, खानपान, परिधान तथा आचरण में देखा जा सकता है। भौतिकवाद की छाया में हम पल-पल अपने जीवन की मर्यादाओं को भंग करते हैं। अपार धन-सम्पदा हमारे जीवन मूल्यों का हनन करने के लिए हर पल विवश करती है। भौतिक संसाधनों का नशा, पैसे की गर्मी, अहंकार तथा दम्भ ने हमारे जीवन मूल्यों का ह्रास किया है और हम अपनी मर्यादाओं तथा सीमाओं से बाहर होते रहते हैं। निजी जीवन में छोटे कपड़े या कम कपड़े पहनना कोई गुनाह नहीं है। परन्तु समय, स्थान तथा स्थिति के अनुसार शिष्ट एवं सभ्य आचरण किसी भी व्यक्ति के लिए आवश्यक है। सुन्दरता तथा आकर्षण मर्यादित कपड़ों में ही होता है। वास्तविकता में तो हम सब नंगे ही हैं। यह भी ठीक है कि गन्दगी हमारे परिधान में नहीं बल्कि हमारे कुविचारों, चिन्तन तथा मानसिकता में होती है। उदाहरणार्थ यदि कोई व्यक्ति विशेष खुशी के अवसर पर पहनने वाले वस्त्रों में किसी की मृत्यु के अवसर पर शोक विचार देने जाए या फिर सामान्य अवसर पर पहनने वाले वस्त्रों में किसी के जन्म या विवाह समारोह जैसे शुभ अवसर पर जाए तो कैसा लगेगा? इसी तरह भक्ति भाव में ईश्वर की प्रतिमा के समक्ष प्रार्थना करने में भी भावानुरूप उसी प्रकार के सभ्य परिधान की आवश्यकता है ताकि धार्मिक परिसरों में भक्ति भाव का विशिष्ट वातावरण बना रहे। प्रदेश एवं देश में कई गुरुद्वारों, गिरिजाघरों, मन्दिरों में वहां की नियम संहिता के अनुरूप समय समय पर निर्देश दिए जाते हैं। अनेक शिक्षण संस्थाओं, धार्मिक संस्थाओं, व्यावसायिक संस्थानों में भी विशेष वस्त्रों में प्रवेश करने के लिए निर्देश दिए जाते हैं जो उन संस्थाओं की नियम संहिता है। अभी बिहार सरकार ने शिक्षा विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को टी-शर्ट तथा जींस जैसे कैजुअल कपड़े पहन कर कार्यालय में आने को कार्य संस्कृति के विरुद्ध बता कर आपत्ति जताई है। कुछ वर्ष पहले हिमाचल प्रदेश के माननीय उच्च न्यायालय ने भी सभ्य, शिष्ट तथा उचित परिधान में न्यायालय में उपस्थित होने की व्यवस्था दी थी। अभी हाल ही में ऊना जिला के द्रोण महादेव शिव मन्दिर अम्बोटा में छोटे वस्त्र पहन कर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मन्दिर के गर्भ गृह में जाने पर रोक लगा दी गई है। इसी प्रकार पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के एक जैन मन्दिर की प्रबंधन समिति ने अमर्यादित कपड़े पहन कर मन्दिर में दर्शन करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मन्दिर प्रशासन ने एंट्री गेट पर पट्टिका लगाकर, छोटे वस्त्र, कैप्री, नाइट सूट, फ्रॉक, हाफ पैंट, मिनी स्कर्ट, बरमूडा तथा कटी-फटी जींस पहनने वाले श्रद्धालु पुरुषों तथा महिलाओं को मन्दिर में 'नो एंट्री' के निर्देश लागू कर दिए हैं। सामान्य रूप से इसी प्रकार के निर्देश गुरुद्वारों, गिरिजाघरों तथा दक्षिण भारतीय मन्दिरों में सामान्य रूप से दिए जाते हैं। इससे पूर्व कांगड़ा जिले के मसरूर मन्दिर में भी इस प्रकार के दिशा निर्देश जारी किए जा चुके हैं। वर्तमान में जहां धर्म एक धंधा बन चुका है, वहीं पर श्रद्धालु भी भावनात्मक रूप से भक्तिभाव से दूर हो चुके हैं। पर्यटन और धार्मिक पर्यटन का व्यवसाय भी एक सा हो चुका है। प्रभु दर्शन तथा मन्दिर दर्शन के नाम पर भगवान को ठगा जाता है। पर्यटन तथा धार्मिक पर्यटन की आड़ में अनेकों असामाजिक तत्वों द्वारा अनैतिक धंधे चल रहे हैं। लूट-खसूट, चेन स्नैचिंग, ठगी, लूटमार, डकैती, चोरी, जिस्मफरोशी इन धर्म स्थलों के पास निरंतर होती रहती है। धार्मिक मेलों के दौरान पुलिस के पास अनेकों मामले पंजीकृत होते हैं। बाबा बालकनाथ, माता चिंतपूर्णी, मां ब्रजेश्वरी तथा माता चामुण्डा देवी के दर्शन करने पंजाब, हरियाणा, दिल्ली तथा जम्मू कश्मीर से अनेक अवैध वैवाहिक जोड़े मोटर साइकिलों तथा गाडियों में हर वर्ष आते हैं जो वास्तव में पति-पत्नी होते ही नहीं। यह खुला सत्य है कि नये नवेले दूल्हा-दुल्हन दिखने वाले तथा सज-धज कर प्रदेश में आने वाले ये धार्मिक पर्यटक एक या दो दिन के ही प्रेमी जोड़े तथा पति-पत्नी होते हैं। स्वच्छ समाज के निर्माण में उपरोक्त सभी बातों पर विचार करना आवश्यक है। मन्दिर दर्शन के लिए व्यक्तियों की वेषभूषा तथा सभ्य आचरण भी आवश्यक है। व्यक्तिगत जीवन में कौन व्यक्ति क्या करता है, इससे किसी का कोई सरोकार नहीं।

नागरिक बोध

चरणजीवी भव! चिरंजीवी भव!

वे मेरे वैसे ही साहित्यिक गुरु हैं जैसे ये वे इनके उनके। जब जब मन साहित्य के पतन के लिए नियुक्त अफसरों से आहत होता है, मैं उनकी साहित्यमयी गोद में चला जाता हूं। मत पूछो उनकी गोद में जाकर मुझे कितना साहित्यिक रिलीफ मिलता है! इतना तो बचपन में मां की गोद में बैठकर भी नहीं मिलता था। अबके फिर साहित्यिक विभागियों की ओर से मैं और मेरा साहित्यिक मन बहुत जलील हुआ। जलील ही होता तो भी मन मार लेता। वैसे साहित्यकार होता ही जलील होने के लिए है। जो साहित्यकार जलील न हो वह चर्चित साहित्यकार ही कैसा? क्योंकि सफल साहित्यकार की मुक्ति जलील होने में है। सो अबके फिर मैं उनके पास उनकी गोद में अपनी साहित्यिक शंका निवारण हेतु जा पहुंचा। तब मुझे अपनी गोद में आए देख वे मुझे गुदगुदाते बोले, 'हे मेरे साहित्यिक वत्स! कैसे आना हुआ?' 'सर! बहुत साहित्यिक परेशान हूं। महीनों से किसी भी सरकारी साहित्यिक प्रोग्राम में जाने को तरस गया हूं। अगर किसी सरकारी साहित्यिक कार्यक्रम में बुला ही लिया जाता हूं तो वहां से मिलने वाला पारिश्रमिक सालों खाते में नहीं आता। हे साहित्यिक अनाथों के नाथ, आप ही कहो, अब मैं क्या करूं?' तब वे एकाएक विराट साहित्यिक रूप धारण करते बोले, 'हे मेरे कदम कदम पर अपमानित होने वाले बचे सौ ग्रामिए संवेदनशील शिष्य! सबसे पहले तो तुम एक बात अपने दिमाग में क्लीयर कर लो कि तुम साहित्यकार न होकर भी अब साहित्यकार हो, साहित्यबड्रूस नहीं। साहित्य रचने से पूर्व साहित्यिक दुनिया जितनी सतरंगी दिखती है, उतनी वास्तव में है नहीं। यहां कदम कदम पर अपनों के वेश में दुर्योधन घात लगाए सद्साहित्य रचते रहते हैं। शुरू शुरू में लेखन को लेकर लेखन में एक अलग ही टाइप का पैशन दिखता है। पर साहित्य से निकाह हो जाने के बाद स्थिति पूरी तरह बदल जाती है। वत्स! यह समाज कर्म प्रधान नहीं, चरण प्रधान है। यहां सफलता कर्म ढुलाई से नहीं, चरण धुलाई से मिलती है। यहां निष्काम कर्म करने वाले को भी देर सबेर चरण पकडने ही पड़ते हैं। चाहे वे गधे के ही क्यों न हों। सफल चरणजीवी चिरंजीवी बन गधे के चरणों को भी भगवान के चरण मान उन चरणों में सोए सोए भी लोटता है। वैसे, चरण तो चरण होते हैं वत्स! क्या भगवान के तो क्या शैतान के! सफल चरणजीवी देह त्याग सकता है, पर चरण नहीं। उसे और कुछ ज्ञान हो या न, पर इस बात का पूरा ज्ञान होता है कि चरणों का दास हुए ही भरपूर मस्ती की जा सकती है। भले ही उन चरणों से गटर की दुर्गंध ही क्यों न आ रही हो। चरणों की उस दुर्गंध को भी वह इत्र की तरह फील करता है। करना पड़ता है वत्स! अगर वह फील नहीं करेगा तो दूसरे ही दिन उससे ही दुर्गंध आने लग जाएगी। वत्स! इस संसार में चरणजीवी होने से महत्वपूर्ण और कुछ नहीं।

देश दुनीया से

सफल महिला पति से अलग हो रही है

अगर लड़की घरेलू है, नौकरी नहीं करती है या बहुत ऐवरेज किस्म की जॉब करती है तो कोई टेंशन नहीं। समाज को प्रॉब्लम तब हो रही है जब लड़की ने कुछ हासिल कर लिया है और वह अपने पति से अलग होने का फैसला कर रही है। हम कितने ही जेंडर की बराबरी के लेख लिख लें और कितने ही सेमिनार कर लें लेकिन पैट्रियार्की अब भी कुछ लोगों की रगों में खून बनकर धड़क रही है और हाल ही में दो मामले ऐसे हुए जिनमें लड़कियों के चरित्र का जमकर हनन किया गया, क्योंकि उन्होंने अपनी खुशी या दिमागी शांति के लिए अपनी लाइफ का फैसला खुद कर लिया। पहला तूफान उठा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, कमीडियन और ऐक्ट्रेस कुशा कपिला के अपने पति से अलग होने के ऐलान के साथ। तीन मिलियन यानी तीस लाख के करीब फॉलोअर्स वाली कुशा अब तक अपनी रील्स के जरिए लोगों को हंसाने वाली कमीडियन थीं, लेकिन जिस दिन उन्होंने तलाक का पोस्ट डाला उस दिन से वह विलन बन गईं। तलाक लेना हमारे समाज में बहुत बड़ा टैबू है और घरवाले हमेशा इसके खिलाफ रहते हैं। कुशा और उनके पति के तलाक पर पहले तो किसी को ऐतराज नहीं होना चाहिए लेकिन अगर किसी को हक है भी तो वह उनके परिवारों को है जो उनके इस फैसले से दुखी होते। लेकिन इंस्टाग्राम की जनता कुशा पर ऐसे टूट पड़ी जैसे कुशा के खर्चे पानी का बोझ अब उन पर आने वाला हो। एक यूजर का कहना था कि जैसे ही कुशा ने कामयाबी का स्वाद चखा, वैसे ही पति को धोखा दे दिया। कुशा को कोसने वालों के मुंह पर तमाचा लगाने का काम उनके पति जोरावर ने ही किया। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा कि कुशा के चरित्र पर उंगली उठाने वालों को शर्म आनी चाहिए। मैं उनके खिलाफ होने वाली बातों को सुनकर बहुत दुखी और निराश हूं। हैरान करने वाली बात ये है कि जो ट्रोलिंग कुशा की हो रही है, वह हर उस खबर के बाद होती है जिसमें कोई भी जोड़ा अलग होने का ऐलान करता है। गलती अक्सर महिलाओं की ही ठहराई जाती है इसलिए मलाइका अरोड़ा से लेकर सुज़ैन खान और सामंथा रुथ प्रभु तक लोगों ने किसी का मजाक उड़ाने में कसर नहीं छोडी है। दूसरा केस यूपी की एक प्रशासनिक अधिकारी का है जिन पर उनके पति ने आरोप लगाया है कि वह कामयाब होने के बाद उनसे तलाक लेना चाहती हैं। पति का कहना है कि मैंने पैसों के अभाव में किसी तरह पत्नी की कोचिंग का खर्च उठाया और अब जब वह अधिकारी बन गई हैं तो तलाक लेना चाहती हैं, क्योंकि वह अब किसी और अफसर से प्यार करती हैं। पत्नी के कामयाब होने के बाद तलाक लेने की बात हमारे उसी समाज को भला कैसे पच जाती जो अभी अभी कुशा को गाली देकर फुर्सत में बैठे थे। उनका मानना है कि महिला को पति ने ही इस लायक बनाया तो अब उनकी जुर्रत कैसे हो रही है तलाक लेने की। सवाल ये है कि अब तक न जाने कितने अफसर, नेता, अभिनेता और आम आदमी तक इस तरह कामयाब होने के बाद तलाक लेने की घटनाएं नहीं हुईं? हुई हैं तो क्या उन पर इस तरह की राष्ट्रीय बहसें हुई हैं? सलमान खान के पिता सलीम खान हों या धर्मेंद्र, दोनों ही कामयाब होने से पहले शादी शुदा थे और बाद में दूसरी शादियां कीं। इसी तरह आमिर खान, सैफ अली खान, जावेद अख्तर से लेकर न जाने कितने सफल पुरुषों की लंबी लिस्ट है जिन्होंने पहली पत्नी से तलाक लेकर दूसरी शादी की। लेकिन कभी भी ये देश की चिंता का विषय नहीं बना। तलाक लेने की वजहें दो लोगों के आपसी रिलेशनशिप में आई कड़वाहट से उपजी होती हैं, उसमें महिला की कामयाबी या पुरुष की कामयाबी को मसला बनाकर उन्हें जज करना छोड़ना होगा। और पढ़ाओ इन्हें कहकर महिलाओं की कामयाबी को कोसने वालों को भी समझना चाहिए कि बेगानी शादी में तो क्या बेगाने तलाक में आपको दीवाना बनने की जरूरत नहीं है।

> हम कितने ही जेंडर की बराबरी के लेख लिख लें और कितने ही सेमिनार कर लें लेकिन पैट्रियार्की अब भी कुछ लोगों की रगों में खून बनकर धड़क रही है और हाल ही में दो मामले ऐसे हुए जिनमें लड़कियों के चरित्र का जमकर हनन किया गया, क्योंकि उन्होंने अपनी खुशी या दिमागी शांति के लिए अपनी लाइफ का फैसला खुद कर लिया। पहला तूफान उठा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, कमीडियन और ऐक्ट्रेस कुशा कपिला के अपने पति से अलग होने के ऐलान के साथ। तीन मिलियन यानी तीस लाख के करीब फॉलोअर्स वाली कुशा अब तक अपनी रील्स के जरिए लोगों को हंसाने वाली कमीडियन थीं, लेकिन जिस दिन उन्होंने तलाक का पोस्ट डाला उस दिन से वह विलन बन गईं।

इंडियन डिप्लोमैट्स की हिफाजत करेंगे कनाडा-ऑस्ट्रेलिया : भारत की सख्ती के बाद दोनों देश बोले- उन्हें पूरी सिक्योरिटी मुहैया कराई जाएगी

टोरंटो/कैनबरा।

कनाडा में इंडियन डिप्लोमैट्स पर हमले की धमकी देने वाले खालिस्तान समर्थकों पर लगाम कसी जाएगी। कनाडा की फॉरेन मिनिस्टर मेलेनी जोली ने मंगलवार को कहा- हम भी वियना कन्वेंशन का हिस्सा हैं। लिहाजा, भारत के डिप्लोमैट्स की सिक्योरिटी के मामले को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्रालय ने भी बिल्कुल यही बयान जारी किया। सोमवार को हमारे विदेश मंत्री डॉक्टर एस. जयशंकर ने अपने डिप्लोमैट्स पर हमले की धमकी को लेकर सख्त रुख अपनाया था। उन्होंने कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन से साफ कहा था खालिस्तान समर्थकों को किसी तरह की नाजायज छूट नहीं दी जानी चाहिए।

भारत से बातचीत कर रहा है कनाडा - जयशंकर ने सोमवार को कनाडा में खालिस्तानियों की हरकतों पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए एक डिप्लोमैटिक नोट (डिमार्शे) जारी किया था। इसमें कहा गया था कि खालिस्तान की मांग को प्रमोट करने वालों और इन हरकतों को भारत सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। इससे दोनों देशों के रिश्ते खराब हो सकते हैं। इस बयान के कुछ देर बाद कनाडाई विदेश मंत्री ने जयशंकर से फोन पर बातचीत की थी। इस बातचीत के बाद मंगलवार को मेलेनी जोली का बयान आया। उन्होंने कहा- हम भी वियना कन्वेंशन का हिस्सा हैं। लिहाजा, भारत के डिप्लोमैट्स की सिक्योरिटी के मामले को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है। बाद में ऑस्ट्रेलिया ने भी यही बयान जारी किया। कहा- हम भारत को भरोसा दिलाते हैं कि उनके डिप्लोमैटिक स्टाफ को पूरी सुरक्षा दी जाएगी। जोली ने आगे कहा- हमारी सरकार भारत से लगातार बातचीत कर रही है। हमें जानकारी है कि भारत को खिलाफ कुछ ऑनलाइन एक्टिविटीज चल रही हैं और ये 8 जुलाई के इवेंट से जुड़ी हैं। कुछ लोगों की हरकतों को पूरी कम्युनिटी की आईडियोलॉजी नहीं समझा जाना चाहिए।

जयशंकर की पैनी नजर - कनाडा में जारी खालिस्तान समर्थकों की हरकतों पर भारतीय विदेश मंत्रालय और खुद फॉरेन मिनिस्टर करीबी नजर रख रहे हैं। सोमवार को उन्होंने कहा था- अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में इस तरह की विचारधारा मौजूद है। हमने इन सभी देशों को खालिस्तान समर्थकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी है और एक्शन लेने को कहा है। हमने इन देशों को बता दिया है कि अगर खालिस्तान समर्थकों की हरकतें इसी तरह जारी रहीं तो इससे हमारे आपसी संबंधों पर असर पड़ सकता है। कनाडा में खालिस्तानियों की हरकतें वहां की वोट बैंक पॉलिटिक्स से जुड़ी हैं। पिछले महीने यानी जून में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में इंदिरा गांधी की हत्या से जुड़ी झांकी निकाली गई। इसमें दो सिख गनमैनों को भारत की पूर्व प्रधानमंत्री को गोली मारते दिखाया गया। झांकी में ऑपरेशन ब्लू स्टार और 1984 के सिख विरोधी दंगों के बैनर भी थे। करीब 5 किलोमीटर लंबे नगर कीर्तन में यह झांकी दिखाई गई थी।

न्यूज ब्रीफ

एक हाथी बना श्रीलंका के लिए 'राष्ट्रीय शर्म' की बात! भेजा गया थाईलैंड वापस

कोलंबो । थाईलैंड ने दो दशक पहले श्रीलंका को एक हाथी उपहार के रूप में दिया था। बीते रविवार को उस हाथी को वापस थाईलैंड भेज दिया गया। तब से यहां लोग इस घटना को श्रीलंका के लिए 'राष्ट्रीय शर्म' की बात बता रहे हैं। यह चर्चा आम है कि श्रीलंका एक हाथी की भी देखभाल नहीं कर पाया। श्रीलंका की संसद में सांसद डुलास अलाहापेरुमा ने कहा- 'हाथी के साथ जैसा व्यवहार हुआ, उससे एक देश और यहां के नागरिक के रूप में हम शर्मिंदा हैं।' उन्होंने कहा- 'इस मामले में कई गलतियां हुईं। पहली गलती तो यह थी कि हाथी को अलुथगामा केंडे विहारा को दे दिया गया। जब वहां हाथी के साथ हो रहे दुर्व्यवहार की खबर आई और हाथी जख्मी हो गया, तो उसकी शिकायत वन्य जीव अधिकारियों से की गई। लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। इसी वजह से पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने थाई दूतावास से शिकायत की।' खबरों के मुताबिक थाई अधिकारियों को जब हाथी के बदहाल होने की खबर मिली, तो उन्होंने उसे वापस अपने देश ले जाने के लिए दबाव बनाया। इस हाथी को साल 2001 में थाईलैंड ने तत्कालीन राष्टपति चंद्रिका कुमारतुंगा को भेंट किया था। तब हाथी इस आपसी समझदारी के साथ श्रीलंका लाया गया था कि टेंपल ऑफ टूथ में होने वाले वार्षिक समारोह के दौरान इस हाथी पर रखकर उस कास्केट को लाया जाएगा, जिसके बारे में मान्यता है कि उसमें भगवान बुद्ध के अवशेष रखे हुए हैं। जानकारों के मुताबिक थाईलैंड के शाही परिवार ने इसे अपने लिए गौरव की बात माना था कि उनके दिए हाथी पर भगवान बुद्ध के अवशेष रखे जाएंगे। इस कास्केट को पूरे बौद्ध जगत में पवित्र माना जाता है। हाथी के श्रीलंका आने के बाद कुमारतुंगा ने उसे केंडे विहारा को दे दिया। तब इस खबर से थाईलैंड में निराशा जताई गई थी। पिछले साल पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने हाथी की दुर्दशा की तरफ लोगों का ध्यान खींचा।

अकेलापन डायबिटीज के रोगियों के लिए जानलेवा: इससे हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा 26प्रतिशत बढ़ा, 18 हजार से ज्यादा लोगों पर हुई स्टडी

न्यूयॉर्क। अकेलापन किसी के लिए भी अच्छा नहीं है। लेकिन, डायबिटीज के रोगियों के लिए यह जानलेवा हो सकता है। टुलेन के शोधकर्ताओं ने पाया है कि डायबिटीज के रोगियों में हृदय रोग के लिए खराब आहार, धूम्रपान, व्यायाम की कमी या डिप्रेशन की तुलना में अकेलापन बड़ा खतरा हो सकता है। यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित उनके अध्ययन में 37 से 73 साल की आयु के डायबिटीज से पीड़ित 18,500 लोगों का अध्ययन किया गया। इनमें किसी को भी हृदय रोग नहीं था। दस साल में इनमें से लगभग 3200 लोगों में हृदय रोग विकसित हो गया था। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन रोगियों में अकेलेपन का स्कोर ज्यादा था, उनमें हृदय रोग विकसित होने का खतरा 26प्रतिशत ज्यादा था। वहीं, अध्ययन में ये भी पाया गया कि अकेलेपन के बिना सामाजिक अलगाव किसी भी हृदय संबंधी समस्याओं से जुड़ा नहीं था। डायबिटीज के रोगियों में पहले से ही हृदय रोग विकसित होने का खतरा बढ़ गया है। पहले भी डायबिटीज मेडिकल जर्नल डायबेटोलोजिया में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया था कि अकेलेपन से व्यक्ति में टाइप 2 डायबिटीज विकसित होने की संभावना भी बढ़ सकती है। अमेरिका के सर्जन जनरल विवेक मूर्ति ने एक रिपोर्ट में कहा था कि सामाजिक जुड़ाव की कमी का मानव स्वास्थ्य पर वैसा ही प्रभाव पड़ता है, जैसा एक दिन में 15 सिगरेट पीने से पड़ता है। डायबिटीज से पीड़ित लोगों को हृदय स्वस्थ रखने के लिए सामाजिक गतिविधियों की संख्या के बजाय गुणवत्तापूर्ण संबंधों को प्राथमिकता देनी चाहिए। इनके अकेलेपन का मूल्यांकन लगातार किया जाना चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर इन्हें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भेजा जा सके।

नीदरलैंड सरकार का बड़ा फैसला; स्कूलों में मोबाइल-स्मार्टवॉच पर लगेगा प्रतिबंध, यूके भी सहमत

एम्स्टर्डम । स्कूल अधिकारियो से इस मामले में आभिभावकों और शिक्षकों से सहमति जुटाने के लिए कहा गया है। नीदरलैंड सरकार ने कहा पढ़ाई के बीच मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चों पर हानिकारण प्रभाव पड़ता है और इसका परिणाम तेजी से बढ़ रहा है। इन उपकरणों के कारण छात्र ध्यान केंद्रित करने में कम सक्षम होते हैं, जिसका प्रभाव सीधे उनके प्रदर्शन पर पड़ता है। इसी वजह से एक जनवरी 2024 से स्कूलों में मोबाइल फोन, स्मार्टवाच और टैबलेट की अनुमति नहीं दी जाएगी। सरकार ने इस पर अभिभावक और शिक्षकों को इस मामले में सहमत होने के लिए अक्तूबर तक का समय दिया है। नीदरलैंड के शिक्षा मंत्री रॉबर्ट डिकग्राफ ने बताया कि इस फैसले सांस्कृतिक परिवर्तन आएगा। इससे पहले फ्रांस ने 2018 में ऑनलाइन धमकियों को रोकने के लिए प्राइमरी और मिडिल स्कूल में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाया था। यूके ने भी इस तरह के प्रतिबंध को सही बताया था।

अफगानिस्तान में ब्यूटी पार्लर बैन

तालिबान ने कहा- एक महीने में तमाम ब्यूटी सैलून बंद करो, वजह बाद में बताएंगे

काबुल।

अफगानिस्तान की हुकूमत पर कब्जा करने वाले आतंकी संगठन तालिबान ने देश में तमाम ब्यूटी पार्लर बंद करने का ऑर्डर जारी किया है। ब्यूटी पार्लर चलाने वाली महिलाओं को एक महीने का वक्त दिया गया है। हालांकि, इस बैन की वजह नहीं बताई गई है। तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से उसने लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा और नौकरी से जुड़े तमाम अधिकार छीन लिए हैं।

तालिबान ने कहा- ये जरूरी फैसला – तालिबान की होम मिनिस्ट्री ने ब्यूटी पार्लर बैन किए जाने के आदेश की पुष्टि की है। अफगानिस्तान में हजारों ब्यूटी पार्लर हैं। इनकी ओनरशिप महिलाओं के पास ही है। इस फरमान से इन महिलाओं का रोजगार छिन जाएगा। ज्यादातर पार्लर महिलाओं ने घर में ही खोले थे और यहां किसी भी पुरुष के आने पर सख्त पाबंदी थी । हैरानी की बात यह है कि तालिबान हुकूमत ने अब तक ब्यूटी पार्लर बंद करने के फैसले की वजह नहीं बताई। इस बारे में न्यूज एजेंसी ने जब सवाल किया तो तालिबान की तरफ से कहा गया- एक महीना गुजर जाने दीजिए, वजह इसके बाद ही बताई जाएगी। 20 साल तक अफगानिस्तान में हजारों ब्यूटी पार्लर थे। तब तालिबान ने कई बार कहा था कि इन पार्लर का इस्तेमाल फिजूल की बातों और गॉसिप के लिए होता है।

अच्छा होता यहां महिलाएं होती ही नहीं - तालिबान के फैसले के बाद काबुल के एक ब्यूटी पार्लर की मैनेजर ने कहा- बेहतर तो ये होता कि तालिबान अफगानिस्तान से महिलाओं को ही निकाल देता। उनका वजूद ही खत्म कर देता। अब तो मौत ही बेहतर है। अच्छा होता अगर हमने अफगानिस्तान में जन्म ही नहीं लिया होता। पिछले दिनों तालिबान ने एक आदेश में कहा था कि से जुड़े एनजीओ में भी महिलाएं काम नहीं कर सकेंगी। इसके बाद सरकारी नौकरी में बची हुई बाकी महिलाओं को भी बेहद गुपचुप तरीके से नौकरी से निकाल दिया गया। ब्यूटी पार्लर बंद किए जाने के लिए तालिबान हुकूमत ने लेटर हेड पर ऑर्डर जारी किया है। इस पर सुप्रीम लीडर हिब्तुल्लाह अखुंदजादा के दस्तखत हैं।

तालिबान 1.0 में किस तरह की पाबंदियां थीं - तालिबान ने अफगानिस्तान पर 1996 से 2001 तक शासन किया था। इस दौरान महिलाओं की स्थिति बेहद चिंताजनक थी। महिलाओं और लड़कियों को काम करने और स्कूल/कॉलेज जाने की आजादी नहीं थी। साल 2000 में अफगानिस्तान में एक भी लड़की स्कूल नहीं जाती थी। छोटी-छोटी बच्चियों को भी बुर्का पहनना जरूरी था। महिलाएं अकेले घर से बाहर नहीं निकल सकती थीं। घर से बाहर जाने के लिए अपने साथ किसी पुरुष को ले जाना होता था। महिलाओं को ऊंची हील पहनने पर पाबंदी थी। पर्दा इतना सख्त था कि महिलाएं सार्वजनिक जगहों पर बात तक नहीं कर सकती थीं, ताकि उनकी आवाज कोई दूसरा पुरुष न सुने। अखबारों, किताबों, दुकानों और घरों में महिलाओं की फोटो लगाने पर पाबंदी थी। महिलाओं के नाम पर किसी भी सार्वजनिक जगह के नाम नहीं रखे जाते थे। इन नियम-कायदों को तोड़ने पर महिलाओं को सख्त सजा दी जाती थी। उन्हें सार्वजनिक जगहों पर पत्थरों से मारा जाता और शरिया कानून के मुताबिक सजा दी जाती थी।

फिर क्या बदला - 2001 में अमेरिका के हस्तक्षेप के बाद तालिबान सत्ता से हटा तो महिलाओं की स्थिति में सुधार आना शुरू हुआ। महिलाओं को बेसिक राइट मिलने लगे। साल 2000 में जहां एक भी लड़की स्कूल नहीं जाती थी, वहीं 2018 में ये आंकड़ा 83प्रतिशत हो गया था। अफगानिस्तान में 2018 में हुए चुनावों में 249 में से 69 सीटों पर महिलाओं को जीत मिली थी। यानी, कुल सदस्यों में से 27प्रतिशत महिलाएं थीं। ये आंकड़ा पाकिस्तान और चीन से भी ज्यादा था। नवंबर 2001 की अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 90 के दशक के शुरुआत में अफगानिस्तान में स्कूलों में पढ़ाने वाले कुल टीचर्स में 77प्रतिशत महिलाएं थीं, सरकारी पदों पर 50प्रतिशत महिलाएं काम करती थीं और काबुल में कुल डॉक्टरों में 40प्रतिशत तक महिलाएं थीं।

तालिबान 2.0 में क्या हालात हैं - 15 अगस्त 2021 को तालिबान ने अफगान हुकूमत पर कब्जा किया। इसके बाद से ही महिलाओं के शिक्षा, नौकरी और यात्रा से जुड़े हक छीनना शुरू कर दिया। उन्हें घरों में कैद करने के लिए नियमों में बदलाव करने शुरू कर दिए। अपने फैसले लागू करने के लिए मौलवियों का सहारा लिया। उनकी सरकारी और प्राइवेट नौकरियों पर रोक लगवा दी। आगे बढ़ने से रोकने के लिए तालिबान सुरक्षाबलों ने महिलाओं को डराया, धमकाया, हिरासत में लेने से लेकर अगवा तक किया गया। अफगानिस्तान की महिला अधिकार कार्यकर्ता खदीजा अहमदी ने बताया कि तालिबान ने महिलाओं को जज या वकील के रूप में कोर्ट में प्रैक्टिस करने से रोक दिया है। सत्ता पर कब्जा करने से पहले अफगानिस्तान में लगभग 300 महिला जज थीं। तालिबान के चलते इन सभी को देश से निकलना पड़ा।

फ्रांस में गिरफ्तारियों का दौर जारी

सातवें दिन हिंसा में कमी का दावा, अब घर-घर तलाशी; 45 हजार पुलिसकर्मी तैनात

पेरिस।

फ्रांस में राजधानी पेरिस के करीब नेन्तेरे शहर में एक हफ्ते से जारी हिंसा में कमी आने लगी है। होम मिनिस्ट्री के मुताबिक- सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात पुलिस ने डोट टू डोर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान 157 और लोगों को हिरासत में लिया गया। मंगलवार को राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने 250 मेयर के साथ मीटिंग की। इस दौरान हालात की समीक्षा की गई। पांच हजार और पुलिसकर्मियों को नेन्तेरे शहर में तैनात किया गया है। अब यहां तैनात पुलिसकर्मियों की तादाद 45 हजार हो गई है। पुलिस के मुताबिक- हिंसा में कुल 159 गाड़ियों को आग लगाई गई। इसके अलावा 202 जगह आगजनी की गई। ऑपरेशन के दौरान 4 पुलिसवाले घायल हुए हैं। यहां 27 जून को 17 साल के रिफ्यूजी को पुलिस ने ट्रैफिक रूल्स तोड़ने के आरोप में गिरफ्तार करने की कोशिश की थी। उसने भागने की कोशिश की तो पुलिस ने गोली मार दी। लड़के की मौत के बाद नेन्तेरे में दंगा भड़क उठा। फ्रांस के सभी शहरों के मेयर ने सोमवार को अपने-अपने शहरों में रैली निकाली। इस दौरान लोगों से अमन बनाए रखने की अपील की गई। मंगलवार को प्रेसिडेंट एमैनुएल मैक्रों ने 220 मेयर से मुलाकात भी की। इस दौरान कहा- सरकार इस मामले की तह तक जाने के लिए जांच करा रही है। हम चाहते हैं कि आगे इस तरह की कोई घटना न हो। हिंसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। जांच के बाद उन्हें सजा दिलाएंगे। फ्रांस में 14 जुलाई को नेशनल डे मनाया जाएगा। इस दिन बैस्टिल डे परेड का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पीएम मोदी को चीफ गेस्ट के तौर पर न्योता दिया गया है। हिंसा के बीच सरकार ने पूरे फ्रांस में ओवरनाइट बस और ट्राम सर्विस बंद कर दीं थीं। कई दुकानों में लूटपाट भी की गई है। 28 जून को फ्रांस में सांसदों ने नेशनल असेंबली में एक मिनट का मौन रखा था। प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बॉर्न ने कहा- गोलीबारी की यह घटना साफ तौर पर नियमों का उल्लंघन है। पीड़ित परिवार ने घटना में शामिल अधिकारियों के खिलाफ हत्या, हत्या में साथ देने और झूठी गवाही को लेकर शिकायत दर्ज कराई है।

चीन में मौसम का कहर: प्रचंड गर्मी के साथ कई शहरों में बाढ़ का प्रकोप, राष्ट्रपति शी ने अफसरों को दिए निर्देश

बीजिंग ।

चीनी अधिकारियों ने आने वाले महीनों में गर्मी के चरम पर पहुंचने और अन्य आपदाओं की चेतावनी दी है। मौजूदा समय में भारी बारिश के कारण चीन को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचा है। हजारों लोगों को अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा।

जिनपिंग का निर्देश

बाढ़ के कारण चीन को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचा है, जिसके बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सरकारी अधिकारियों को सुरक्षा और संपत्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। जिनपिंग ने राज्य बाढ़ नियंत्रण और आपातकालीन प्रबंधन और जल संसाधन मंत्रालयों को एक साथ मिलकर समन्वय और परामर्श के साथ काम करने को कहा है।

भारी बारिश के कारण शहरों में अलर्ट जारी

चीनी मीडिया के अनुसार मध्य और दक्षिण-पश्चिमी चीन में भारी बारिश के कारण मंगलवार को अलर्ट जारी किया गया था। मौसम विभाग ने जुलाई में बाढ़, आंधी और उच्चतम तापमान जैसी कई प्राकृतिक आपदा की चेतावनी दी है। मंगलवार को मूसलाधार बारिश के कारण महानगर चोंगकिंग में एक रेलवे पुल क्षतिग्रस्त हो गया। पुल को ठीक करने के लिए 400 से अधिक आपातकालीन कर्मियों को भेजा गया। बारिश के कारण सिचुआन में 460,000 लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि मध्य हेनान प्रांत में बाढ़ के कारण 10,000 लोगों को उनके घरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। बाढ़ में 2,000 से भी ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हो गए। शान्शी प्रांत में मुसलाधार बारिश के कारण दर्जनों घर और सड़क बर्बाद हो गए।

वैज्ञानिकों ने बताया बढ़ते तापमान का कारण

वैज्ञानिकों ने बढ़ते तापमान का मुख्य कारण जीवाश्म ईंधन को बताया है। उन्होंने कहा कि ये ईंधन दुनिया भर में मौसम की स्थिति को खराब कर रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में कई देशों ने घातक गर्मी का अनुभव किया है।

पाकिस्तान में सियासत के लिए अब कुरान का सहारा! विरोध में कूदे सत्ता पक्ष और विपक्ष

इस्लामाबाद ।

स्वीडन में कुरान जलाए जाने की घटना पाकिस्तान में अंदरूनी सियासत का सहारा बन गई है। इस घटना से मुस्लिम समुदाय की भड़की भावनाओं का फायदा उठाने की होड़ में देश की प्रमुख राजनीतिक पार्टियां कूद पड़ी हैं। इस मामले में पहल पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख इमरान खान ने की। सोमवार को उन्होंने देशवासियों का आह्वान किया था कि वे अगले शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद इस घटना पर विरोध जताने के लिए सड़कों पर उतरें। मंगलवार को सत्ता पक्ष ने भी इस होड़ में कूदने का फैसला किया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एलान किया है कि शुक्रवार को देश भर में 'पवित्र कुरान दिवस' मनाया जाएगा। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में कुरान का अपमान किया गया था। पहले वहां अधिकारियों ने एक व्यक्ति को ऐसा करने की इजाजत दी थी। लेकिन जब इस घटना के विरोध में इस्लामी देशों में स्वीडन में बने सामानों का बहिष्कार शुरू हो गया, तो स्वीडन सरकार ने इस घटना की निंदा की। इसके बावजूद पाकिस्तान समेत अन्य मुस्लिम देशों में इस घटना पर विरोध जताने का सिलसिला जारी है। मंगलवार को शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में उनकी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की एक बैठक हुई। इसमें फैसला लिया गया कि सात जुलाई को यौम-ए-तकद्दुस-ए-कुरआन (कुरान की पवित्रता का दिन) मनाया जाएगा। उस रोज देश भर में प्रतिरोध रैलियां आयोजित की जाएंगी। शहबाज शरीफ ने सभी राजनीतिक दलों सहित तमाम देशवासियों से अपील की है कि वे इन रैलियों में हिस्सा लें। पीएमएल-नवाज की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कहा है- 'पूरे कौम को एक स्वर में शैतान दिमागों को अपना संदेश भेजना चाहिए।' इस बीच शहबाज शरीफ सरकार ने गुरुवार को संसद के दोनों सदनों- नेशनल असेंबली और सीनेट- का साझा सत्र आयोजित करने का फैसला किया है। इसमें स्वीडन की घटना के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा। शहबाज शरीफ ने कहा है- 'कौम की भावनाओं को संसद के मंच पर पूर्ण अभिव्यक्ति दी जाएगी। कुरान का सम्मान हमारे मजहब का हिस्सा है और इस मुद्दे पर हम सभी एकजुट हैं।' उधर पाकिस्तान और अन्य मुस्लिम देशों के अनुरोध पर संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार परिषद की एक विशेष बैठक भी बुलाई गई है। परिषद के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान और अन्य देशों ने 'कुछ यूरोपीय और अन्य देशों में कुरान का अपमान करने की लगातार हो रही घटनाओं' पर चर्चा के लिए परिषद की विशेष बैठक बुलाने की मांग की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। पर्यवेक्षकों की राय है कि स्वीडन की घटना से पाकिस्तान सरकार को देश में चल रहे राजनीतिक तनाव और आर्थिक संकट से लोगों का ध्यान हटाने का मौका मिला है। इसीलिए वह इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी सक्रियता दिखा रही है। स्वीडन में कुरान को जलाने की घटना बीते 28 जून को हुई थी। उस पर इस्लामी देशों में कड़ी प्रतिक्रिया हुई। इधर पाकिस्तान में इमरान खान ने विरोध जताने में बढ़त ले ली। अब पीएमएल-नवाज उससे इस होड़ में आगे निकलने में जुट गई है।

गाजा पर दूसरे दिन इजराइली अटैक, 12 फिलिस्तीनियों की मौत

100 घायल; पीछे हट रही इजराइली सेना पर वेस्ट बैंक से जवाबी हमला

तेल अवीव।

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच जेनिन शहर में 2 दिन से जारी तनाव के बाद मंगलवार को इजराइली सेना ने वेस्ट बैंक से पीछे हटना शुरू कर दिया। सेना के 2 दिन के ऑपरेशन में करीब 12 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, वहीं 100 से ज्यादा घायल हुए हैं। इस रेड के दौरान एक इजराइली सैनिक की भी मौत हो गई। अल जजीरा ने बताया कि इजराइल के ऑपरेशन ने जेनिन में रिफ्यूजी कैंप को तबाह कर दिया। इलाके में मौजूद घर, सड़कों और कारों का मलबा हर जगह फैल गया। इसके बाद मंगलवार देर रात गाजा पट्टी से इजराइल पर मिसाइल फायर की गई। हमलों को देखते हुए सदर्न इजराइल में अलर्ट सायरन बजाया गया और आयरन डोम को एक्टीवेट कर दिया गया। इजराइली मिलिट्री ने गाजा से आए 5 रॉकेट को मार गिराने की पुष्टि की। इसके बाद सेना ने गाजा पट्टीऔर हमास के ठिकानों पर दोबारा एयरस्ट्राइक की।

पीएम नेतन्याहू बोले- आतंकियों के खिलाफ जंग जारी रहेगी

इस बीच तेल अवीव में एक हमास सपोर्टर अपनी कार लेकर बस स्टॉप में घुस गया और लोगों पर चाकू से हमला करने लगा। इस अटैक में 8 लोग घायल हो गए। इस पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतन्याहू ने कहा- इस तरह के हमले आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई को नहीं रोक सकते हैं। अभी के लिए इजराइली सेना अपना मिशन पूरा करके लौट रही है, लेकिन जरूरत पड़ने पर हम फिर लौटेंगे। फिलिस्तीनी लीडर्स ने इजराइल के हमलों को कब्जे की कोशिश करार दिया है। हमास लीडर ओसामा हमदान ने कहा- तेल अवीव में अटैक के लिए इजराइली सेना खुद जिम्मेदार है। उन्होंने जेनिन में जो अपराध किया, ये उसी का नतीजा है। इससे पहले सोमवार को फिलिस्तीन के आतंकी संगठन ने इजराइल को तबाह करने की धमकी दी थी।

हमास: कैसे और क्यों बना

1948 में इजराइल के जन्म के बाद भी फिलिस्तीन से उसका संघर्ष हर स्तर पर जारी रहा। इजराइल को जब लगा कि डिप्लोमैटिक लेवल पर वो फिलिस्तीन के सामने कमजोर पड़ रहा है, तो 1970 के दशक में उसने फिलीस्तीन के एक कट्टरपंथी संगठन को उदारवादी फिलिस्तीन नेताओं के विरोध में खड़ा कर दिया। इसको नाम दिया गया हमास। हालांकि, हमास की औपचारिक स्थापना 1987 में मानी जाती है। इजराइल के पूर्व जनरल यित्जाक सेजेव ने कहा था- जहर से जहर मारने की यह नीति एक ऐतिहासिक गलती थी। इजराइली सरकार ने मुझे हमास के लिए बजट भी दिया था। इसका अफसोस हमें आज भी है। सेजेव 1980 के दशक में गाजा के गवर्नर भी रहे। हमास ने फिलिस्तीन के लिबरल लीडरशिप को धीरे-धीरे किनारे कर दिया और खुद फिलीस्तीन आंदोलन का झंडाबरदार बन गया। इसमें 90प्रतिशत युवा फिलिस्तीनी हैं।

हमास को तुर्किये और कतर से फंडिंग मिलती है। हमास के एक नेता खालिद मेशाल ने तो कतर में इसका दफ्तर भी खोला था। ईरान भी हमास को हथियार और पैसा देता है। हालांकि, ईरान शिया मुल्क है, जबकि अरब वर्ल्ड सुन्नी है।

हमास एक नजर में

हमास में करीब 27 हजार लोग हैं। इन्हें 6 रीजनल ब्रिगेड में बांटा गया है। इसकी 25 बटालियन और 106 कंपनियां हैं। इनके कमांडर बदलते रहते हैं। हमास में 4 विंग हैं। मिलिट्री विंग के चीफ हैं- इज अद-दीन अल कासिम। पॉलिटिकल विंग की कमान इस्माइल हानिया के हाथों में हैं। इस विंग में नंबर दो पर हैं मूसा अबु मरजूक। एक और नेता हैं खालिद मशाल। इंटरनेशनल अफेयर्स के लिए यह मुस्लिम ब्रदरहुड पर निर्भर है। एक सोशल विंग भी है।

पंजाब सरकार शुरू करेगी डोर-स्टैप सर्विस डिलीवरी

पंजाब के लोगों को घर बैठे मिलेंगी सेवा केंद्रों की चार सौ सेवाएं

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के शासन सुधार और लोक शिकायत निवारण मंत्री अमन अरोड़ा ने बताया कि राज्य के नागरिकों को पारदर्शी ढंग से निर्विघ्न सेवाएं देने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान वचनबद्ध हैं। अब पंजाब सरकार ने सेवा केंद्रों के माध्यम से चार सौ सुविधाएं लोगों को घर बैठे उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए राज्य सरकार ने डोर-स्टैप सर्विस डिलीवरी स्कीम शुरू करने जा रही है। बुधवार को चंडीगढ़ स्थित मैगसीपा में पंजाब राज ई-गवर्नेंस सोसायटी के बोर्ड आफ गवर्नर ? (बीओजी) की 16वीं मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए अमन अरोड़ा ने विभाग के अधिकारियों को हिदायत की कि सेवाओं की डोर स्टैप डिलीवरी शुरू करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस समय पर सेवा केंद्रों पर नागरिकों को चार सौ से अधिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं और इन सभी सेवाओं की डोर- स्टैप डिलीवरी शुरू की जाएगी। सरकार की इस पहल से राज्य के लोग घर बैठे सरकारी सेवाएं हासिल कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस स्कीम के शुरू होने बाद आवेदक सिर्फ एक टोल-फ्री नंबर पर काल करके होम विजीट बुक करवा कर सूची में शामिल सेवाओं की डोर-स्टैप डिलीवरी का लाभ ले सकेगा और एक व्यक्ति आवेदक के घर जाकर सभी जरूरी दस्तावेज एकत्रित करके इनको अपलोड करेगा और फिर इसको संबंधित विभाग में जमा करवाएगा। अरोड़ा ने बताया कि इस स्कीम के शुरू होने से लोगों को सेवाएं हासिल करने के लिए सरकारी दफ्तरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इससे बिचौलियों की भूमिका भी खत्म हो जाएगी, जो काम जल्दी करवा देने के बहाने लोगों को लूटते थे। इस बैठक में विशेष मुख्य सचिव-कम-एफसीआरके एपी सिन्हा, प्रमुख सचिव शासन सुधार तेजवीर सिंह, डायरेक्टर शासन सुधार डॉ. कार्तिक अडप्पा, सीईओ पंजाब राज ई- गवर्नेंस सोसायटी गिरिश दियालन, एमडी इनफो-टेक महिंद्र पाल और विभाग के अन्य सीनियर अधिकारी भी उपस्थित थे।

हरियाणा सरकार ने गावों में उतारे एसीएस स्तर के अधिकारी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने निर्णय लिया है कि जिन प्रशासनिक सचिवों को जिला स्तर की परियोजनाओं की निगरानी का कार्य सौंपा गया है, वह अब जिला स्तर पर ग्राम पंचायत योजनाओं के क्रियान्वयन की भी निगरानी करेंगे। प्रशासनिक सचिवों और उपायुक्तों को दिए गए निर्देशों में मुख्य सचिव संजीव कौशल ने बुधवार को कहा कि इस पहल का उद्देश्य प्रदेश में ग्राम पंचायत योजनाओं को सुशासित करना और प्रभावशाली बनाना है। निर्देशों के अनुसार प्रशासनिक सचिव, जो जिला-कोऑर्डिनेटर भी हैं, वह अब ग्राम संरक्षकों के साथ नियमित आधार पर जिला स्तर की बैठकों की समीक्षा करेंगे और आवश्यक कार्रवाई भी करेंगे। यह प्रशासनिक सचिव जिले के सहयोग से जिला स्तरीय रिपोर्ट तैयार करेंगे और समीक्षा के लिए पोर्टल के माध्यम से रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। राज्य स्तरीय संचालन समिति इन जिला को-आर्डिनेटर्स द्वारा प्रस्तुत सभी रिपोर्टों का गहन मूल्यांकन करेगी और राज्य स्तर पर सिफारिशों को अंतिम रूप देगी। आगे की कार्रवाई के लिए यह रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपी जाएगी।

दिमाग में चिप लगा 59 वर्षीय मरीज को दिलाई व्हील चेयर से निजात

सर्जरी के कुछ घंटों बाद मरीज हुआ अपने पैरों पर खड़ा

फरीदाबाद (हिंस)। 59 वर्षीय हुसेन अशौर करेम के ब्रेन में चिप लगाकर मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स में चिकित्सकों ने व्हीलचेयर की पीड़ा भरी जिंदगी से राहत दिलाई। हॉस्पिटल्स के ब्रेन एवं स्पाइन सर्जरी विभाग के डायरेक्टर डॉ. तरुण शर्मा ने बताया कि पार्किंसन बीमारी से ग्रस्त इराकी मरीज व्हीलचेयर पर आया था। हाथ-पैरों में इतना ज्यादा अकड़न और कंपन था कि मरीज बिना किसी सहारे के चल नहीं सकता था, ठीक से बोल भी नहीं पा रहा था, खाना भी नहीं खा सकता था और कपड़े भी नहीं पहन सकता था लेकिन मरीज की याददाश्त ठीक थी। लगभग 4-5 साल से मेडिकल मैनेजमेंट (दवाओं) पर था, लेकिन उसे बीमारी से आराम नहीं मिला रहा था। बीमारी एडवांस्ड स्तर पर पहुंच गई थी इसलिए दवाओं से आराम नहीं मिल रहा था। हमने मरीज की विस्तारपूर्वक जाँच की और फिर कंप्यूटर गाइडेड न्यूरो नेविगेशन तकनीक की मदद से डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) सर्जरी की गई। सर्जरी के कुछ घंटों के बाद मरीज के शरीर में अकड़न और कंपन की समस्या दूर हो गई। मरीज ने बिना किसी सहारे के चलना-फिरना शुरू कर दिया। अपने हाथों से खाना खाना शुरू किया और अच्छे से बोलना भी शुरू कर दिया। मरीज स्वस्थ होने पर मरीज को डिस्चार्ज कर दिया। लंबे समय बाद अपने पैरों पर खड़ा होने पर मरीज बेहद खुश हुआ और उसने डॉक्टर एवं हॉस्पिटल का तहे दिल से धन्यवाद किया। डॉ. तरुण शर्मा ने कहा कि सर्जरी द्वारा मरीज के दिमाग के कंट्रोल वाले हिस्से में इलेक्ट्रोड डाले गए और फिर इलेक्ट्रोड को छाती में एक बैटरी से कनेक्ट किया गया। ये बैटरी ब्रेन के इलेक्ट्रोड को करंट देती रहती है। ये बैटरी व्यक्ति की बॉडी एनर्जी से ही चार्ज होती रहती है। इस प्रकार की सर्जरी के दौरान मरीज पूरी तरह होश में होता है। सर्जरी में 7-8 घंटे का समय लगा। सर्जरी में ब्रेन एवं स्पाइन सर्जरी विभाग से डॉ. सचिन गोयल का भी अहम् योगदान रहा।

जाट आरक्षण में दर्ज हुए केस वापस लेने की मांग

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज से बुधवार उनके आवास पर अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान जाट आरक्षण संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप दहिया सहित अन्य पदाधिकारियों ने जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान दर्ज हुए मुकदमों को वापस लेने की मांग की। पदाधिकारियों ने कहा कि इस विषय को लेकर पूर्व में समिति के पदाधिकारी गृह मंत्री अनिल विज से मिले थे और उनके सकारात्मक रुख के कारण दर्ज मामलों को वापस लेने की प्रक्रिया चल रही है। कुछ मामले अभी कोर्ट में लंबित है, जिनको रद्द कराने को लेकर गृह मंत्री अनिल विज से चर्चा की गई है। संघर्ष समिति की मांगों पर गृह मंत्री अनिल विज द्वारा सकारात्मक कार्रवाई करने पर पदाधिकारियों ने उनका धन्यवाद भी जताया। बैठक के दौरान संघर्ष समिति पदाधिकारियों ने स्पेशल बैकवर्ड कैटेगरी (एसबीसी) के तहत हुई नियुक्तियों में ज्वाइनिंग की मांग गृह मंत्री अनिल विज के समक्ष उठाई। पदाधिकारियों ने कहा कि हालांकि मामला कोर्ट में विचाराधीन है लेकिन सरकार सशर्त ज्वाइनिंग करा सकती है। गृह मंत्री अनिल विज ने इस मामले में सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन समिति के सदस्यों को दिया। बैठक के दौरान जाट आरक्षण संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप दहिया, प्रदेश प्रभारी आजाद लठवाल, नफे सिंह, शमशेर सिंह, आशीष फौजदार, जसविंदर पुनिया, अरुणपाल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पेयजल किल्लत पर ग्रामीणों ने दिल्ली-पटियाला नेशनल हाइवे पर लगाया जाम

जींद (हिंस)। गांव बेलरखां के ग्रामीणों ने बुधवार को पेयजल किल्लत को लेकर दिल्ली-पटियाला नेशनल हाइवे पर जाम लगा दिया। जाम लगाए ग्रामीणों ने कहा कि एक तरफ तो सरकार घर-घर पीने के पानी की सुविधा मुहैया करवाने के वादे करती है लेकिन दूसरी और इतनी भीषण गर्मी में लोग पानी के लिए तरस रहे हैं। घरों में पांच-छह दिनों से पीने का पानी नहीं पहुंच रहा है और लोगों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। जाम लगने की सूचना मिलने पर सदर थाना नरवाना प्रभारी आत्माराम पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे और जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के माध्यम से समस्या के निदान का आश्वासन देकर जाम खुलवाया।

मुख्यमंत्री ने मोगा-कोटकपूरा मार्ग पर टोल प्लाजा किया बंद

मोगा (हिंस)। लोगों को बड़ी राहत देते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को मोगा जिले के गांव चन्दपुराना के न ?दीक मोगा-कोटकपूरा रोड पर राज्य में 10वां टोल प्लाजा बंद करवाया। पंजाब में अब तक 10 टोल प्लाजा बंद होने से आम लोगों की रोजमर्रा के 44. 43 लाख रुपए की बचत हो रही है। सिंघावाला टोल प्लाजा बंद करने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन 10 टोल प्लाजा से निकलने के मौके पर लोगों को रोजमर्रा के 44.43 लाख रुपए टोल के तौर पर अदा करने पड़ते थे। उन्होंने कहा कि अब यह टोल बंद होने से लोगों को बहुत बड़ी आर्थिक राहत मिली है। भगवंत मान ने कहा कि मोगा-कोटकपूरा मार्ग पर पड़ते इस सिंघावाला टोल प्लाजा से निकलने के मौके पर लोगों को रोजमर्रा के 4.68 लाख रुपए टोल देना पड़ता था, जिस कारण टोल बंद होने से लोगों के ये पैसे अब बचेंगे। मुख्यमंत्री ने क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा कि वास्तव में यह टोल प्लाजा आम लोगों को लूटने वाली दुकानें हैं। उन्होंने कहा कि इन टोल प्लाजा ने लोगों का आर्थिक शोषण करने के लिए सरकार के साथ हुए समझौतों के नियमों की जी भर कर धज्जियां उड़ाई हैं। भगवंत मान ने कहा कि यह बहुत हैरानी वाली बात है कि पिछली सरकारों ने लोगों के हित में टोल प्रबंधकों पर कोई कार्रवाई करने की बजाए उल्टा इनको संरक्षण दिया और लोगों की होती लूट की तरफ जानबूझ कर कोई ध्यान नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे लोग अपने हितों की रक्षा के लिए सरकारें चुनते हैं परंतु सत्ता में अंधे हुए राजनेताओं ने ऐसे डिफाल्टरों को सिर्फ अपने स्वार्थों के लिए ढाल बनाया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने इन टोल प्लाजा की कमियों को नजरअंदाज किया और आम लोगों की परवाह किए बिना इनको गैर- कानूनी ढंग के साथ पैसा वसूलने की छूट दी। भगवंत मान ने कहा कि अब तक बंद किए गए किसी भी टोल प्लाजा पर समझौते में व्यवस्था होने के बावजूद एंबुलेंस या रिकवरी वैन की सुविधा नजर नहीं आई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस टोल प्लाजा का समझौता कैप्टन सरकार के दौरान 25 सितंबर, 2006 को हुआ था और साढ़े सोलह सालों के लिए टोल लगाया गया था। उन्होंने कहा कि कंपनी की तरफ से सड़क पर पहली बार कोलतार डालने के काम में 158 दिन की देरी की गई थी, जिसके कारण कंपनी को 2.48 करोड़ रुपए का जुर्माना किया गया। भगवंत मान ने कहा कि उस मौके की सरकार द्वारा कंपनी से यह जुर्माना कभी भी वसूल नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि समझौते के अंतर्गत यह टोल 10 नवंबर, 2019 को बंद किया जा सकता था, क्योंकि दूसरी बार कोलतार डालने के काम में फिर देरी की गई थी और इस गलती के लिए कंपनी पर 3.89 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया था। उन्होंने कहा कि यह समझौते का उल्लंघन था, क्योंकि यदि जुर्माने की रकम 3.11 करोड़ रुपए से अधिक होती है तो सरकार की तरफ से समझौता खत्म किया जा सकता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्ता में आने के बाद उनकी सरकार ने इन टोल प्लाजा को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की थी, जिसके अनुसार ये टोल प्लाजा बंद कर दिए गए हैं। इसके बारे में भ्रामक बयान देने के लिए कांग्रेसी नेताओं पर बरसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेसी नेता लोगों को यह स्पष्ट करें कि उनके कार्यकाल के दौरान इन टोल प्लाजा को बंद क्यों नहीं किया गया था।

मोबाइल टावर के विरोध में महिलाओं ने किया हाईवे जाम

अलवर (हिंस)। शहर की जाट कॉलोनी में मोबाइल टावर लगाए जाने को लेकर महिलाओं ने 200 फूट रोड को जाम कर दिया। जाम से रोड के दोनों ओर वाहनों की लंबी लंबी कतार लग गई। कई देर तक वाहन जाम में फंसे रहे। लोगों को आवाजाही में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा। महिलाओं सहित स्थानीय निवासियों का कहना है उनके वार्ड क्षेत्र में मोबाइल टावर लगाया जा रहा है। टावर के लगने से हानिकारक किरणों से उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जिसका मोहल्ले वासी कई दिन से विरोध कर रहे हैं। जिला प्रशासन पुलिस से लेकर जनप्रतिनिधियों तक से अपनी समस्या को लेकर अवगत कराया लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। रात में टावर लगाने का कार्य चलता है। इस दौरान बड़ी संख्या में बाहरी लोग टावर लगाने आते हैं। अगर उनसे इसका विरोध करते हैं तो वह मारपीट व झगड़े पर उतारू हो जाते हैं। विरोध स्वरूप जाम लगा रहे हैं। वही घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और समझाइश कर जाम खुलवाया।

जम्मू-कश्मीर में पंचायती राज लागू करने को लेकर धरना-प्रदर्शन

पंचायत के वर्तमान कार्यकाल को 2 वर्ष बढ़ाने की मांग

जम्मू। जम्मू और कश्मीर पंचायत सम्मेलन (एजेकेपीसी) के अध्यक्ष अनिल शर्मा के नेतृत्व में सभी पंचायत समितियों के नेता आज दोपहर 12ः00 से होटल फॉर्चून रिवेरा के पीछे, महाराजा हरि सिंह पार्क के बाहर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किए । इस धरना कार्यक्रम में पंचायत समिति के सैकड़ों नेताओं ने भाग लिया। धरने में शामिल सभी नेताओं ने पंचायत के कार्यकाल को 2 वर्ष के लिए बढ़ाने की मांग की । उन्होंने जम्मू कश्मीर के राज्यपाल से इस समस्या की तरफ ध्यान देने की अपील की उन्होंने कहा कि कोरोना की वजह से 2 वर्ष का हमारा कार्यकाल बेकार चला गया हमें कार्य योजनाओं को पूर्ण करने के लिए 2 वर्ष का समय और दिया जाए। साथ ही उन्होंने मांग की की पंचायती राज 1989 को लागू किया जाए।

उदयपुर के जगदीश मंदिर में दर्शनार्थियों पर लागू किया गया ड्रेस कोड

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर के प्रसिद्ध ऐतिहासिक जगदीश मंदिर में अब शालीन वेशभूषा नहीं होने पर दर्शन के लिए प्रवेश नहीं मिलेगा। वहां पर शॉर्ट टी शर्ट, शॉर्ट जींस, बरमूडा, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट जैसे पहनावे पर रोक लगा दी गई है। इसके लिए वहां पर सूचना भी चस्पां कर दी गई है। जगदीश मंदिर से जुड़े श्रद्धालुओं की इस पहल के बाद उदयपुर के प्रसिद्ध बोहरा गणेश मंदिर में भी यह *ड्रेस कोड* लागू कर दिया गया है। धीरे-धीरे अन्य मंदिरों में भी वहां के प्रबंधन संभालने वालों ने इस पर विचार करना शुरू कर दिया है। उदयपुर का जगदीश मंदिर 400 साल पुराना है। यहां लगाए गए सूचना पोस्टर में लिखा गया है, सभी भक्तों को सूचित किया जाता है कि श्री जगदीश मंदिर परिसर में शॉर्ट टी शर्ट, शॉर्ट जींस, बरमूडा, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट आदि पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कृपया इस नियम का विशेष ध्यान रखें। ऐसा करने पर मंदिर में प्रवेश नहीं मिलेगा। मंदिर के पुजारी तथा प्रबंध व्यवस्थाओं से जुड़ी समितियों के पदाधिकारी कहते हैं कि मंदिर में शॉर्ट कपड़े नहीं पहनकर आने की अपील की गई है, यह भक्तों को हिंदू संस्कृति के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से लगाया गया है, धीरे-धीरे सभी इसे स्वेच्छा से पालन करने लगेंगे, मंदिर में आने पर अपने पहनावे का ध्यान रखना जीवन का हिस्सा बन जाएगा। मंदिर से जुड़ी धर्मोत्सव समिति अध्यक्ष और जगन्नाथ रथयात्रा समिति संयोजक दिनेश मकवाना कहते हैं कि जनभावना को देखते हुए छोटे कपड़े पहनकर प्रवेश करने पर रोक का निर्णय लिया है।

जैन मंदिरों में नकबजनी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश : दस गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने श्याम नगर थाना इलाके में जैन मंदिरों में नकबजनी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है और साथ ही इस वारदात में शामिल नौ बाल अपचारियों को निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने श्याम नगर एवं प्रतापनगर में स्थित जैन मंदिरों में नकबजनी करने वाले गिरोह से हजारों रुपये, सोने-चांदी की मूर्तियां, साजो सामान एवं वारदात में प्रयुक्त चोरी की तीन मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपितों ने शिप्रापथ में चेन स्नेचिंग एवं प्रताप नगर में जैन मंदिर से मूर्तियां, साजो सामान व नकदी की वारदात करना कबूल किया। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (अपराध) सुलेश चौधरी ने बताया कि सीएसटी ने श्याम नगर थाना इलाके में जैन मंदिरों में नकबजनी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के शातिर बदमाश रवि डाबुडिया (22) निवासी खण्डार जिला सवाई माधोपुर हाल एसएमएस कॉलोनी शिप्रा पथ रोड जयपुर को गिरफ्तार किया गया है और साथ ही नौ बाल अपचारियों को निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने आरोपितों से श्याम नगर एवं प्रतापनगर में स्थित जैन मंदिरों में नकबजनी के हजारों रुपये, सोने-चांदी की मूर्तियां, साजो सामान एवं वारदात में प्रयुक्त चोरी की तीन मोटरसाइकिल बरामद की है। इसके अलावा विरुद्ध किए गए बालकों ने इलाका थाना शिप्रापथ में चेन स्नेचिंग की भी वारदात करना कबूल किया। जानकारी के अनुसार 28 जून को ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में स्थित बाल सुधार गृह से बाथरूम की खिड़की तोड़कर 15 बालक फरार हो गए थे। फरार बालकों में से नौ बालको ने जयपुर शहर के श्याम नगर, प्रताप नगर थाना इलाके में जैन मंदिर में नकबजनी एवं शिप्रापथ में चेन स्नेचिंग की वारदात भी की। निरुद्ध किए गए बालक अमूमन जैन मंदिर को ही टारगेट कर नकबजनी की वारदात को अंजाम देते है। चूंकि जैन मंदिर में मूर्तियां, रुपए ज्यादा मिलते है और वहां पर सुरक्षा के इंतजाम भी कम रहती है। विरुद्ध किए गए बालक चोरी, नकबजनी की वारदात करने के आदि है। इसके अलावा गिरफ्तार आरोपी रवि डाबुडिया एवं उसका भाई चोरी एवं चोरी के सामान को बेचते है। आरोपी से अन्य वारदातों का खुलासा होने की सम्भावना है जिसके सम्बन्ध में पूछताछ जारी है।

जिला कारागार में लगी लोक अदालत में 5 बंदियों की रिहाई

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत के जिला कारागर में लोक अदालत लगाकर मामलों की सुनवाई के बाद बुधवार को 5 बंदियों को रिहाई के आदेश दिए गए हैं। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के निर्देशानुसार जिला सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण सोनीपत के सचिव प्रमोद गोयल के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण सोनीपत के सचिव अशोक कुमार मान द्वारा जिला कारागार में जेल लोक अदालत बुधवार को लगाई गई।

जयपुर में होगा महिलाओं का महासम्मेलन राज्यपाल ने किया कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन

जयपुर (हिंस)। जयपुर में 20 अगस्त को महिलाओं का महासम्मेलन *संवर्धिनी* आयोजित होगा। तैयारियों के बीच बुधवार को राज्यपाल ने कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र के साथ संवर्धिनी महासम्मेलन आयोजनकर्ताओं की पूरी कोर टीम उपस्थित थी। महासम्मेलन के बारे में बताते हुए टीम की सदस्य संगीता जांगिड़ ने कहा कि यह सम्मेलन 20 अगस्त को जयपुर में आयोजित किया जाएगा। आज हमारा देश विश्व में शक्ति संपन्न, वैभव संपन्न, ज्ञान विज्ञान से परिपूर्ण, तथा पूरी दुनिया को शांति के पथ पर ले जाने वाला बनने की ओर अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर अनेक चुनौतियां भी हमारे देश के विकास में बाधक बनकर सामने खड़ी हैं। चाहे स्त्री उत्पीड़न हो या फिर आंतरिक सुरक्षा का विषय, परिवारों में संस्कारों का हनन हो अथवा बेटियों की सुरक्षा, अनेक विषय ऐसे हैं जिनका समाधान समाज को मिलकर सोचना होगा, विशेष कर स्त्री शक्ति को। उन्होंने कहा कि भारत की हर स्त्री प्रतिभाशाली है। बस उसे स्वयं को पहचानने की आवश्यकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए स्व से साक्षात्कार करने, भारतीय स्त्री चिंतन को समझने तथा अपने देश व समाज के सर्वांगीण विकास में अपनी भूमिका को समझने के लिए *संवर्धिनी* महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह महिलाओं द्वारा महिलाओं के लिए आयोजित महासम्मेलन है। इस महासम्मेलन में तीन हजार से अधिक महिलाओं के भाग लेने की सम्भावना है।

आशा प्रोडक्शन हाउस ने अपनी नई कंपनी आशा म्यूजिक की लांच

जम्मू। आशा प्रोडक्शन हाउस प्राइवेट लिमिटेड ने सोमवार को अपनी नई कंपनी आशा म्यूजिक लांच की। आशा प्रोडक्शन हाउस ने पंजाब और मुंबई बॉलीवुड की प्रतिभाओं और ब्राजीलियाई कलाकारों के साथ ब्राजील में अभी 4 संगीत वीडियो पूरे किए हैं। आशा प्रोडक्शन हाउस द्वारा नई कंपनी आशा म्यूजिक लांच करने के अवसर पर जम्मू से आशा प्रोडक्शन के निदेशक संदीप कौल ने बताया कि हमारा लक्ष्य मनोरंजन, वेब-सीरीज, म्यूजिक वीडियो, टीवी शो, आशा के विभिन्न क्षेत्रों में उभरती प्रतिभाओं के साथ बॉलीवुड में नए युग का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि प्रोडक्शन हाउस पहले ही आशा म्यूजिक लेबल के तहत 4 म्यूजिक के साथ बॉलीवुड में प्रवेश कर चुका है, जिसे विशेष रूप से पृष्ठभूमि के रूप में ब्राजील का उपयोग करके शूट किया गया था। क्लिप को साओ पाउलो, रियो डी जनेरियो और सैंटोस में शूट किया गया था। उन्होंने कहा कि हम अपनी नई संगीत कंपनी आशा म्यूजिक की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं, जिसका उद्देश्य नए युग का संगीत तैयार करना और राज्य से उभरती प्रतिभाओं को बढ़ावा देना और एक बड़ा मंच देना है। आशा प्रोडक्शन हाउस ने स्टोरी प्रोडक्शन डायरेक्टर को आमंत्रित किया है। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में निक स्टोरी और बॉलीवुड तथा पंजाब फिल्म इंडस्ट्री से लोग उपस्थित रहे, जिनमें पुनीत राज शर्मा, साहिल कोहली ,सुनील ठाकुर, युवराज इंदौरिया ,शक्ति इंदोरिया, वीरेंद्र सिंह और एम.पंड्या शामिल हैं।

बैंक ने सीबीआई से कहा – वीडियोकॉन को नियमों के तहत दिया गया लोन, 3250 करोड़ की ऋण धोखाधड़ी का है मामला

नई दिल्ली ।
मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आईसीआईसीआई बैंक ने सीबीआई को लिखे एक नोट में कहा कि बोर्ड ने इस बात को दोबारा विचार किया कि कोचर के फैसले से बैंक को कोई गलत नुकसान नहीं हुआ है या नहीं। आखिरकार निष्कर्ष यही निकाला गया है कि वीडियोकॉन की कंपनियों को उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए ऋण मंजूर किया गया था। बैंक ने साथ ही यह भी कहा है कि हालांकि इस बात का इससे कोई संबंध नहीं है कि अपराध किया गया है नहीं। रिपोर्ट के अनुसार बैंक की ओर से बीते 15 मई को सीबीआई की ओर से भेजे गए नोट में यह बात कही गई थी, जिसे सार्वजनिक नहीं किया गया था। पत्र में कहा गया है, यह गौर किया गया कि न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) डॉ. अरिजीत पसायत ने भी राय दी है कि अगर निदेशक मंडल चंदा कोचर के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देता है तो उसे विशेष रूप से बैंक का रुख बताना चाहिए जैसा कि भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 17ए के तहत मंजूरी देते समय कहा गया था। आईसीआईसीआई बैंक ने इस मामले में पसायत की राय मांगी थी। इस महीने की शुरुआत में सीबीआई ने अदालत को बताया था कि आईसीआईसीआई बैंक के निदेशक मंडल ने भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत कोचर के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। बैंक ने कहा कि उसने वीडियोकॉन समूह की कंपनियों मिलेनियम अप्लायंसेज इंडिया लिमिटेड, वीडियोकॉन इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, स्काई अप्लायंसेज लिमिटेड, टेक्नो इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, एप्लिकॉम्प इंडिया लिमिटेड और वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड को दिए गए सभी छह स्टैंडअलोन लोन पर पूर्व जस्टिस अरिजीत पसायत से राय मांगी थी, जिनकी जांच सीबीआई कर रही है। बैंक ने कहा, इसलिए गलत तरीके से नुकसान और नियमों व बैंक नीति के उल्लंघन का कोई मामला नहीं है। बैंक का रुख अब भी वही है। बैंक ने आगे कहा कि यदि कोई प्रबंधक ऋण मंजूर करने के लिए रिश्वत स्वीकार करता है, लेकिन वह ऋण ब्याज के साथ चुकाया जाता है तो ऋणदाता को कोई नुकसान नहीं होता है। सीबीआई ने सोमवार को विशेष सीबीआई अदालत को बताया कि आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रमुख चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर के खिलाफ प्रारंभिक जांच शुरू होने के बाद कोचर ने परिवार के स्वामित्व वाले ट्रस्ट की ओर से प्राप्त 3.42 करोड़ रुपये की आय पर 1.53 करोड़ रुपये का आयकर चुकाया। सीबीआई ने बंबई उच्च न्यायालय से अपने आरोपपत्र पर संज्ञान लेने को कहा था जिसमें दावा किया गया था कि कोचर ने अपने इस्तेमाल के लिए बैंक के कोष का दुरुपयोग किया और उन्हें अवैध लाभ के तौर पर 64 करोड़ रुपये मिले। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एजेंसी ने दावा किया था बैंक को इससे 1033 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

न्यूज ब्रीफ

होंडा की नई मिडसाइज एसयूवी जल्द होगी लांच, फीचर्स इतने कि गिनते रह जाएंगे

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में काफी समय बाद होंडा की एक नई एसयूवी कदम रखने जा रही है। होंडा एसयूवी सेगमेंट में होंडा इलेवेट के साथ वापसी करने जा रही है ।कंपनी अपनी इस नई मिडसाइज एसयूवी को इस साल अगस्त-सितंबर के बीच लॉन्च कर सकती है। कंपनी 3 जुलाई से इसकी बुकिंग अपने डीलरशिप पर 21,000 रुपये की राशि में शुरू कर सकती है ।भारत में होंडा एलिवेट का सीधा मुकाबला हुंडई क्रेटा और मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा से होने वाला है ।फीचर्स और डिजाइन के मामले में होंडा एलिवेट इन दोनों एसयूवी से कहीं से भी पीछे नहीं है ।कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस एसयूवी के आने से सबसे ज्यादा नुकसान क्रेटा को होगा ।होंडा एलिवेट अपने सेगमेंट में सबसे एडवांस फीचर्स के साथ आने वाली है ।एलिवेट में 10.25-इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, 7-इंच का सेमी डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस कनेक्टिविटी, एम्बिएंट लाइटिंग, सिंगल-पैन सनरूफ, पुश बटन स्टार्ट/स्टॉप, वायरलेस चार्जिंग, वॉइस अस्सिटैंट सपोर्ट, रियर एसी वेंट्स और प्रीमियम ऑडियो सिस्टम समेत कई एडवांस फीचर्स मिलेंगे। इसके अलावा कंपनी इस एसयूवी में कैमरा बेस्ड अडास (एडवांस ड्राइवर अस्सिटेंस सिस्टम) फीचर भी दे रही है ।इसकेअडास सिस्टम में अडाप्टिव क्रूज कंट्रोल, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, हेडलाइट बीम असिस्टेंस, लेन कीप अस्सिट, लेन डिपार्चर असिस्ट और लो स्पीड फॉलो फंक्शन जैसे फीचर्स शामिल हैं ।होंडा एलिवेट में कंपनी 1.5-लीटर का नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दे रही है, जिसे सिटी सेडान से लिया गया है ।हालांकि एसयूवी में इंजन को अलग ट्यूनिंग के साथ पेश किया जाएगा ।इसे केवल एक ही इंजन ऑप्शन के साथ लॉन्च किया जाएगा। यह इंजन 121पीएस पॉवर और 145एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 6-स्पीड मैनुअल या सीवीटी गियरबॉक्स का विकल्प दिया जाएगा।

रतन टाटा ने जानवरों का ख्याल रखने की अपील कीः ट्वीट कर बोले- बारिश में गाड़ी स्टार्ट करने से पहले एक बार नीचे जरूर देखें

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप के मानद चेयरमैन रतन टाटा ने ने जानवरों की सेफ्टी के लिए एक अपील की है। उन्होंने ट्वीट कर बेसहारा पशुओं को आश्रय देने की बात कही है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, मानसून का सीजन आ चुका है। बहुत सारे आवारा कुत्ते-बिल्लियां हमारी कारों के नीचे आश्रय लेते हैं। ऐसे में अपनी कार को स्टार्ट करने से पहले उसके नीचे चेक करना बहुत जरूरी है, जिससे बारिश से बचने के लिए शरण लिए हुए जानवरों को घायल होने से बचाया जा सके। यदि हम अपने वाहनों के नीचे उनकी उपस्थिति से अनजान हैं तो वे गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं। विकलांग हो सकते हैं या फिर उनकी मौत हो सकती है। यह दिल को छू लेने वाली बात होगी, अगर बारिश होने पर हम सभी उन्हें अस्थायी आश्रय दे सकें। जब मुंबई की बारिश में रतन टाटा ने 4 लोगों की फैमिली को एक ही बाइक पर जाते देखा। तभी उन्हें सबसे सस्ती कार बनाने का आइडिया आया था और इस तरह साल 2009 में नैनो मार्केट में आई थी। नैनो कार रतन टाटा का सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट था। वह 1 लाख रुपए में लोगों तक कार पहुंचाना चाहते थे, लेकिन यह कार बिक्री के मोर्चे पर असफल रही। कार का प्रोडक्शन बिक्री न होने के कारण 2019 में बंद कर दिया गया था।

डीजीसीए ने ईएएसए के साथ एक एमओयू पर किए हस्ताक्षर, मानव रहित विमान प्रणालियों को लेकर करेंगे सहयोग

नई दिल्ली । डीजीसीए ने यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन दो नागरिक उड्डयन प्राधिकरणों के बीच मानव रहित विमान और अभिनव हवाई गतिशीलता (इनोवेटिव एयर मॉबिलिटी) पर सहयोग पर केंद्रित होगा। विमानन मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 20 अप्रैल, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित यूरोपीय संघ-भारत विमानन शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) के साथ मानव रहित विमान प्रणालियों और अभिनव हवाई गतिशीलता पर एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसमें आगे कहा गया है कि आपसी सहयोग में अगले कदम के रूप में डीजीसीए ने मानव रहित एयरक्रॉफ्ट सिस्टम और अभिनव हवाई गतिशीलता में सहयोग के लिए ईएएसए के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन दो नागरिक उड्डयन प्राधिकरणों के बीच मानव रहित विमान और अभिनव हवाई गतिशीलता पर सहयोग पर केंद्रित होगा। एमओयू इस क्षेत्र में तकनीकी विकास और अनुसंधान पर दोनों प्राधिकरणों के बीच नियमित रूप से जानकारी साझा करना सुनिश्चित करेगा ।

ब्रिटिश मंत्री ने भारत संग मुक्त व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने की जताई मंशा, सुनक ने कही थी ये बात

नई दिल्ली ।
ब्रिटेन ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ताओं का दौर जल्द से जल्द पूरा करने की मंशा व्यक्त की है। ब्रिटेन ने कहा है कि वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र के बढ़ते बाजारों पर अपना ध्यान फिर से केंद्रित कर रहा है। हालांकि, एफटीए से जुड़े करारों के लिए कोई समयसीमा नहीं तय की गई है। इन करार में सेवा क्षेत्र और निवेश पर समझौता भी शामिल होगा।

ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री निगेल हडलस्टन ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि समझौते में आधा काम पूरा हो चुका है और जल्द से जल्द वार्ता को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमने एफटीए को लेकर अच्छी प्रगति की है। हमने समझौते के आधे मसलों पर वार्ता पूरी कर ली है। हम माल और सेवाओं दोनों पर व्यापक समझौता चाहते हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए यह समझौता काफी महत्वपूर्ण होगा।'' उन्होंने कहा, भारत के साथ इस एफटीए को हम जल्द से जल्द पूरा करना चाहते हैं क्योंकि भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत ऐतिहासिक संबंध है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बीते सप्ताह संकेत दिए थे कि दोनों देशों का लक्ष्य उस महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते को अंतिम रूप देना है, जिस एफटीए पर पिछले कुछ वर्षों से काम चल रहा है। उन्होंन कहा था, उम्मीद है कि यह एक व्यापक समझौता होगा जिसमें न केवल माल और सेवाओं के व्यापार, बल्कि निवेश को भी शामिल किया जाएगा।

हडलस्टन ने कहा कि ब्रिटेन की 80 प्रतिशत अर्थव्यवस्था सेवा क्षेत्र पर निर्भर है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 3,100 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला ब्रिटेन लंबे समय से सेवा क्षेत्र का केंद्र रहा है। दुनिया के सबसे बड़े वित्तीय बाजारों में से एक लंदन लंबे समय से वैश्विक बाजारों से धन जुटाने के लिए भारतीय कंपनियों को आकर्षित करता रहा है।

समझौते के मुख्य बिंदुओं पर पूछे गए सवाल को लेकर मंत्री ने मुस्कुराते हुए कहा, यह वार्ताओं का दौर है और इसलिए मैं अपने पत्ते नहीं खोल सकता। समझौते में शराब, वाहन जैसे उप-करारों के बारे में मंत्री ने कहा कि हम शुल्कों को नीचे लाना चाहते हैं। हमारा करार न सिर्फ शुल्क पर बल्कि गैर-शुल्क अड़चनों पर भी है। उन्होंने कहा कि कारोबार सुगमता के लिए कागजी कार्रवाई को कम करना होगा और डिजिटल हस्ताक्षर को बढ़ाना होगा। निगेल हडलस्टन को गत फरवरी में अंतररष्ट्रीय व्यापार मंत्री नियुक्त किया गया था। उनके पास सभी वैश्विक व्यापार वार्ताओं का प्रभार है।

क्रिप्टो टैक्स की फाइलिंग आसान बनाने के लिए कोईन डीसीएक्स और कोईनएक्स ने किया करार, होगा ये फायदा

नई दिल्ली । क्रिप्टो एक्सचेंज कोईन डीसीएक्स ने अपने उपयोगकर्ताओं को क्रिप्टोकरेंसी करों को दाखिल करने के लिए एक बुनियादी ढांचा प्रदान करने का फैसला किया है। इसके तहत कंपनी ने क्रिप्टो टैक्सेशन सुविधा प्रदान करने वाले स्टार्टअप कोईनएक्स के साथ करार किया है। घोषणा के अनुसार कोईन डीसीएक्स प्लेटफॉर्म पर निवेशकों और व्यापारियों को कोईनएक्स की कर गणना और रिपोर्टिंग प्रणाली तक पहुंच मिलेगी। इस सहयोग के साथ, कोईन डीसीएक्स उपयोगकर्ता न केवल एक्सचेंज पर अपनी कर गणना को ट्रैक करने में सक्षम होंगे, बल्कि कई एक्सचेंजों और वॉलेट को कॉइनएक्स प्लेटफॉर्म से जोड़ सकेंगे। यह कार्यक्षमता निवेशकों को एनएफटी (गैर-कवक टोकन) और डीईएफआई (विकेन्द्रीकृत वित्त) में निवेश सहित अपने सभी क्रिप्टो लेनदेन की निगरानी करने में सक्षम बनाती है और वास्तविक समय में संबंधित कर राशि को देखती है। इसके अतिरिक्त उपयोगकर्ता आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइलिंग के लिए आवश्यक वर्चुअल डिजिटल एसेट (वीडीए) के अनुसार रिपोर्ट डाउनलोड कर सकते हैं। कॉइनडीसीएक्स वेंचर्स के प्रबंध निदेशक रोहित जैन ने कोइनएक्स के साथ इस साझेदारी पर कहा कि अपने उपभोक्ताओं के कर अनुपालन को सरल बनाने के लिए कंपनी प्रतिबद्ध है। इस साझेदारी का लक्ष्य ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ाना और क्रिप्टो निवेशकों के लिए कर रिपोर्टिंग प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है। कोइनएक्स के सीईओ पुनीत अग्रवाल ने कहा कि कॉइनडीसीएक्स उपयोगकर्ताओं को एक-क्लिक क्रिप्टो टैक्स रिपोर्टिंग समाधान प्रदान करने के अपने उद्देश्य पर जोर देता है और भारतीय कर कानूनों का अनुपालन करता है। इस साझेदारी से क्रिप्टो निवेशकों को अपने करों को सही ढंग से दर्ज करने और अपने पोर्टफोलियो का आसानी से प्रबंधन करने में मदद मिलेगी।

बैंक एफडी और पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट अकाउंट

निवेश करने से पहले जान लें कहां पैसा लगाना ज्यादा फायदेमंद

नई दिल्ली।
सरकार ने पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स टाइम डिपॉजिट अकाउंट पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी की है। 1 साल की टाइम डिपॉजिट पर अब 6.80प्रतिशत की जगह 6.90प्रतिशत ब्याज मिलेगा। 2 साल के टाइम डिपॉजिट पर रेट को 6.9प्रतिशत से बढ़ाकर 7प्रतिशत किया गया है। इस स्कीम अधिकतम 7.5प्रतिशत तक का ब्याज मिल रहा है। जो देश के प्रमुख बैंकों में मिल रहे ब्याज से ज्यादा है। हम आपको देश के प्रमुख बैंकों की फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दर और टाइम डिपॉजिट अकाउंट के बारे में बता रहे हैं। ताकि आप अपने हिसाब से सही जगह निवेश करके ज्यादा फायदा कमा सकें।

नेशनल सेविंग्स टाइम डिपॉजिट अकाउंट में मिल रहा 7.5प्रतिशत तक का ब्याज

यह एक तरह की स्नष्ठ ही है। इसमें एक तय अवधि के लिए निवेश करके आप निश्चित रिटर्न पा सकते हैं। टाइम डिपॉजिट अकाउंट 1 से 5 साल तक की अवधि के लिए 6.9प्रतिशत से 7.5प्रतिशत तक ब्याज दर की पेशकश करता। इसमें 1000 रुपए का मिनिमम निवेश करना होता है। वहीं अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। नेशनल सेविंग्स टाइम डिपॉजिट अकाउंट: इसमें अधिकतम ब्याज 7.5प्रतिशत मिल रहा है ऐसे में रूल 72 के अनुसार अगर आप इस स्कीम में पैसा लगाते हैं तो पैसे को डबल होने में 9 साल 6 महीने का समय लगेगा। फिक्स्ड डिपॉजिट: देश के प्रमुख बैंक पर अधिकतम ब्याज 7प्रतिशत दे रहे हैं। ऐसे में रूल 72 के अनुसार अगर आप इस स्कीम में पैसा लगाते हैं तो पैसे को डबल होने में 10 साल 3 महीने का समय लगेगा। 5 साल के लिए निवेश करने पर मिलता है टैक्स छूट का फायदा टाइम डिपॉजिट स्कीम और में 5 साल के लिए निवेश करने पर इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट का फायदा ले सकते हैं। इसके तहत 1.50 लाख रुपए तक के निवेश पर आप इनकम टैक्स छूट का फायदा ले सकते हैं। फाइनेंस का यह खास नियम है रूल ऑफ 72। एक्सपर्ट्स इसे सबसे सटीक रूल मानते हैं। जिससे यह तय किया जाता है कि आपका निवेश कितने समय में डबल हो जाएगा। इसे आप ऐसे समझ सकते हैं कि अगर आपने बैंक के एक खास स्कीम का चयन किया है, जहां आपको सालाना 8प्रतिशत ब्याज मिलता है।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि तीन महीने के निम्नतम स्तर पर, हालांकि मजबूती का माहौल अब भी बरकरार

नई दिल्ली ।
देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जून में घटकर तीन महीने के निचले स्तर पर आ गई। हालांकि इस दौरान सेवा प्रदाताओं ने सकारात्मक मांग के रुख का संकेत देना जारी रखा जिसके परिणामस्वरूप नए कारोबार की मात्रा में मजबूत वृद्धि हुई और रोजगार सृजन हुआ। एक मासिक सर्वेक्षण में बुधवार को यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स मई में 61.2 से गिरकर जून में 58.5 हो गया।

सेवा क्षेत्र में वृद्धि दर के आंकड़े मई से गिरावट के बावजूद विकास की तेज गति के अनुरूप रहे। लगातार 23वें महीने हेडलाइन आंकड़ा न्यूट्रल 50 की सीमा से ऊपर रहा। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का सूचकांक विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। सर्वेक्षण के सदस्यों के अनुसार वृद्धि का माहौल नए व्यवसाय में चल रही वृद्धि, एक स्वस्थ मांग वातावरण और विपणन पहलों के कारण है।

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की सहायक निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, भारतीय सेवाओं की मांग जून में भी बढ़ी है, सभी चार निगरानी वाले उप-क्षेत्रों ने नए व्यापार प्रवाह में तेजी से वृद्धि दर्ज की है। लीमा ने कहा कि वृद्धि की रफ्तार में तेजी से कारोबारी गतिविधियों में तेजी को समर्थन मिला और रोजगार के आंकड़ों में एक और तेजी को प्रोत्साहन मिला। कीमत के मोर्चे पर मिले-जुले रुझान देखने को मिले। इनपुट लागत धीमी दर से बढ़ी जो मोटे तौर पर इसके दीर्घकालिक औसत के साथ संरेखित थी, लेकिन चार्ज मुद्रास्फीति लगभग छह साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई।

लीमा ने कहा, विनिर्माण के साथ निजी क्षेत्र में उत्पादन की कीमतें एक दशक में सबसे तेज गति से बढ़ी हैं। दस में से एक फर्म ने अधिक भोजन, निर्माण सामग्री और मजदूरी लागत का हवाला देते हुए उच्च परिचालन व्यय का उल्लेख किया। शेष पैनलिस्टों ने पिछले महीने से कोई बदलाव नहीं होने के संकेत दिए।

6 जुलाई को लॉन्च होगा थ्रेड: मेटा का ये ऐप ट्विटर को टक्कर देगा, ऐप के कारण मस्क और जुकरबर्ग के बीच केज फाइट

वॉशिंगटन।
मेटा के मालिक मार्क जुकरबर्ग का इंस्टाग्राम एक नए ऐप पर काम कर रहा है। ये एलन मस्क के ट्विटर को टक्कर देगा। इसका नाम थ्रेड है जो 6 जुलाई को लॉन्च होगा। लॉन्च से पहले ऐप एपल स्टोर पर दिखाई दिया है। अपकमिंग थ्रेड्स एक टेक्स्ट-बेस्ड कन्वर्सेशन ऐप होगा। जैसे ट्विटर में कैरेक्टर लिमिट है वैसे ही थ्रेड में भी होगी। ऐप स्टोर पर मौजद डिटेल्स से पता चलता है कि यूजर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट का इस्तेमाल करके थ्रेड्स में लॉग इन कर सकेंगे। यूजर इंस्टाग्राम पर जिसे फॉलो करते हैं वो उन्हें थ्रेड पर भी फॉलो कर सकेंगे। इसके अलावा थ्रेड्स ऐप की कोई और डिटेल्स अभी तक सामने नहीं है। इस साल जनवरी से प्रोजेक्ट 92 के तहत मेटा इस ऐप को डेवलप कर रहा है।

कम्युनिटीज करंट और ट्रेंडिंग दोनों टॉपिक्स पर चर्चा कर सकेंगी

ऐप के डिस्क्रिप्शन में लिखा है कि कम्युनिटीज करंट और ट्रेंडिंग दोनों टॉपिक्स पर चर्चा करने के लिए एकसाथ आ सकती हैं। इसके जरिए आप अपने फेवरेट क्रिएटर्स के साथ कनेक्ट हो सकते हैं। अपने आइडिया और ओपिनियन को शेयर कर आप अपनी एक लॉयल फॉलोइंग भी बिल्ड कर सकते हैं। ये ऐप आपकी फाइनेंशियल इंफो, कॉन्टेक्ट इंफो जैसा डेटा कलेक्ट करेगा।

थ्रेड ऐप के कारण मस्क और जुकरबर्ग के बीच केज फाइट

बीते दिनों जुकरबर्ग की कंपनी मेटा ने ट्विटर जैसा प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की बात कही थी। इसके बाद डेली मेल ने एक रिपोर्ट पब्लिश की, जिसकी हेडलाइन थी- ट्विटर को खत्म करने का जुकरबर्ग का मास्टर प्लान सामने आया। इस रिपोर्ट को ट्विटर पर शेयर किया जाने लगा। इससे जुड़े एक कन्वरसेशन पर रिएक्ट करते हुए मस्क ने जुकरबर्ग को केज फाइट का चैलेंज दिया था जिसे जुकरबर्ग ने एक्सेप्ट कर लिया था।

वेगास ऑक्टागन या रोमन कोलोसियम में हो सकती है फाइट

मस्क ने शुरुआत में इस फाइट की लोकेशन वेगास ऑक्टागन बताई थी। बाद में उन्होंने कहा कि ये फाइट रोमन कोलोसियम में भी हो सकती है। हालांकि ये फाइट कब होगी इसकी अभी तक कोई डिटेल्स सामने नहीं आई है। मस्क और जुकरबर्ग दोनों ने केज फाइट के लिए ट्रेनिंग शुरू कर दी है।

लेटलतीफी के मामले में पहले नंबर पर स्पाइसजेट

मई महीने में एयरलाइन की 39प्रतिशत फ्लाइट्स डिले रहीं, पंक्चुअलिटी में 5वें नंबर पर पहुंची एअर इंडिया

नई दिल्ली।
दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते एविएशन मार्केट इंडिया में स्पाइसजेट लिमिटेड लेटलतीफी के मामले में पहले नंबर पर है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के अनुसार, मई महीने में देश के 4 सबसे बड़े एयरपोर्ट्स (मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद) से स्पाइसजेट की 61प्रतिशत फ्लाइट्स ही समय पर रवाना हुई हैं।

मई महीने में स्पाइसजेट की 39प्रतिशत फ्लाइट्स ऐसी थीं, जिससे सफर करने वाले पैसेंजर्स समय पर अपने डेस्टिनेशंस पर नहीं पहुंच पाए। वहीं अप्रैल महीने में स्पाइसजेट की 70प्रतिशत फ्लाइट्स ही समय पर रवाना हुईं थीं। यानी उस महीने 30प्रतिशत फ्लाइट्स डिले रही थीं। इस हिसाब से देखा जाए तो मई महीने में स्पाइसजेट की ज्यादा फ्लाइट्स लेट हुई।

स्पाइसजेट हर दिन 250 से ज्यादा फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। वहीं मई महीने में डोमेस्टिक पैसेंजर्स ट्रैफिक एक महीने पहले की तुलना में 15प्रतिशत बढ़कर 1.32 करोड़ रहा।

एअर इंडिया समय की पाबंदी के मामले में 5वें नंबर पर खिसकी

देश की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन एअर इंडिया भी समय की पाबंदी के मामले में दूसरे से 5वें नंबर पर खिसक गई है। एअर इंडिया की फ्लाइट्स मई महीने में अप्रैल की तुलना में लगभग दोगुना डिले हुई हैं। एअर इंडिया की 82.5प्रतिशत उड़ानें ही समय से रहीं।

मई महीने में सबसे ज्यादा पंक्चुअल रही अकासा एयर

अकासा एयर मई महीने में सबसे ज्यादा समय पर चलने वाली एयरलाइन रही। हालांकि, एक महीने पहले यानी अप्रैल की तुलना में इसका प्रदर्शन भी गिरा है। वहीं समय की पाबंदी के मामले में इंडिगो दूसरे, विस्तारा तीसरे और एयर एशिया चौथे नंबर पर है।

इन वजहों के चलते फ्लाइट्स में हो रही देरी

फ्लाइट्स में होने वाली देरी भारत के कॉम्पिटेटिव एविएशन मार्केट में महामारी के बाद आई तेजी की चुनौतियों को दर्शाता है। मई और जून में स्कूल की छुट्टियों के दौरान यात्रा बढ़ जाती हैं और एयरलाइनों को गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। वहीं गो एयरलाइंस के दिवालिया होने के कारण अन्य एयरलाइन ऑपरेटर्स पर ज्यादा बोझ पड़ा है।

पुणे से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट की एक फ्लाइट 10 घंटे देरी से रवाना हुई थी। वहीं, एयर एशिया इंडिया की फ्लाइट में देरी होने पर बेंगलुरु में एक स्कूल टीचर अपने चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके। कुल मिलाकर स्थिति ऐसी ही है, फ्लाइट्स लगातार लेट हो रही हैं और लोग सोशल मीडिया पर इसकी शिकायतें कर रहे हैं।

फाइनेंशियल दिक्कतों से भी जूझ रही स्पाइसजेट

स्पाइसजेट लिमिटेड फाइनेंशियल दिक्कतों से भी जूझ रही है। इस एयरलाइन को चार साल से कोई प्रॉफिट नहीं हुआ है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, इस समय अवधि में कंपनी को 40 बिलियन डॉलर यानी करीब 3.2 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं कंपनी को लेटेस्ट फाइनेंशियल ईयर के रिजल्ट जारी करने में भी देरी हुई है।

बाजार में स्पाइसजेट की हिस्सेदारी गिरकर 5.4प्रतिशत हुई

मई के आखिरी में एयरलाइन के दो दर्जन से ज्यादा विमान ग्राउंडेड कर दिए गए और बाजार में इसकी हिस्सेदारी साल की शुरुआत के 7.3प्रतिशत से गिरकर 5.4प्रतिशत हो गई है। कंपनी के स्पोक्सपर्सन का कहना है कि स्पाइसजेट एयरलाइंस समय की पाबंदी समेत सभी पहलुओं पर सुधार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।

स्पाइसजेट ने 100 करोड़ रुपए का लोन चुकाया

रिपोर्ट के अनुसार, स्पाइसजेट ने हाल ही में अपना 100 करोड़ रुपए का लोन चुका दिया है। कंपनी ने बयान में कहा है कि सिटी यूनियन बैंक से लिए गए करीब 100 करोड़ रुपए के लोन की आखिरी किस्त (25 करोड़ रुपए) जून में चुका दी गई है। इसके साथ ही स्पाइसजेट को लोन के बदले में बैंक के पास गिरवी रखे गए सारे एसेट्स भी वापस मिल गए हैं।

रणवीर के बालों को नया लुक देकर आलिम ने जीता दिल

-प्रशंसकों से मिली काफी सराहना

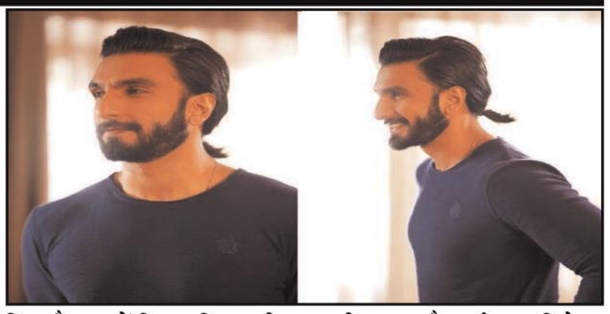

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में बॉलीवुड सेलिब्रिटीज और क्रिकेटरों के हेयरस्टाइल के लिए जाने जाने वाले आलिम हकीम ने रणवीर सिंह के बालों को एक इंटरनेशनल ब्रांड लुक के लिए स्टाइल करके अपना जादू दिखाया, जिसे प्रशंसकों से काफी सराहना मिली। कुछ ही समय में, रणवीर का लुक शहर में चर्चा का विषय बन गया, जिसने हजारों युवाओं को इस ट्रेंडी हेयरस्टाइल के लिए प्रेरित किया। आलिम हकीम ने रणवीर सिंह को नया ट्रेंडी लुक देने के बाद की कुछ फोटोज अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटो में रणवीर का लुक वाकई बेहद कमाल का लग रहा है। ब्लैक आउटफिट में स्टाइलिश हेयरस्टाइल के साथ रणवीर काफी डैशिंग लग रहे हैं। इस पोस्ट पर खुद रणवीर ने भी हार्ट इमोजी देकर रिएक्ट किया है। बता दें कि, आलिम हकीम पूरे भारत की मशहूर हस्तियों के साथ काम करते हैं और उनके ग्राहकों में सलमान खान, वरुण धवन, अर्जुन कपूर, शाहिद कपूर, रणबीर कपूर, रितिक रोशन, विक्की कौशल, राम चरण, प्रभास, अल्लू अर्जुन, यश, एन.टी. जैसे नाम शामिल हैं। रामाराव जूनियर और सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी, विराट कोहली, हार्दिक पंड्या, युजी चहल और कई अन्य क्रिकेटर भी आलिम के काम को पसंद करते हैं। बता दें कि बॉलीवुड सेलिब्रिटीज और क्रिकेटरों के हेयरस्टाइल के लिए जाने जाने वाले, आलिम हकीम एक जाना माना नाम बन गया है। जब भी सेलेब्स के ट्रेंडी लुक और अनोखे हेयरस्टाइल की बात आती है तो उनका नाम सबसे ऊपर लिया जाता है।

भारती सिंह की नेटवर्थ 23 करोड़ रुपये

-हंसा-हंसाकर छाप लिए करोड़ों रुपए

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह ने अपना 39वां जन्मदिन मनाया। भारती का जन्म 3 जुलाई 1984 को पंजाब के अमृतसर में हुआ था। भारती 1 दशक से भी अधिक समय से मनोरंजन जगत में हैं। वह 2012 में टेलीविजन शो झलक दिखला जा में भी नजर आ चुकी हैं। उन्हें सबसे ज्यादा ख्याति उनके लाली के किरदार से मिली थी। उनके जन्मदिन के मौके पर आज जानेंगे कि लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाकर उन्होने अब तक कितनी संपत्ति जुटा ली है। जानकारी के मुताबिक, भारती सिंह की नेटवर्थ 23 करोड़ रुपये है। वह देश के सबसे अमीर कॉमेडियन्स में से एक हैं। भारती सिंह की हर महीने करीब 25 लाख रुपये की आमदनी है। जानकारी के अनुसार, वह हर साल 3 करोड़ रुपये कमाती हैं। भारती सिंह के टेलीविजन करियर की शुरूआत 2008 में द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज से हुई थी। वह इस शो में अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रही थीं। इसके बाद 2009 से 2010 तक कॉमेडी सर्कस के 4 अलग-अलग संस्करणों में भी वह प्रतिभागी के तौर पर शामिल हुईं। वह डांस रियल्टी शो झलक दिखला जा में भी नजर आईं। उन्हें पहली फिल्म 2011 में मिली। यह एक पंजाबी फिल्म थी जिसका नाम एक नूर था। इससे पहले 2010 में उन्हें एक अदालत नाम के टीवी सीरियल में काम मिल चुका था। महज 10 साल के अंदर भारती सिंह कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ते हुए शीर्ष पर पहुंच गईं। भारत के पति का नाम हर्ष लिंबाचिया है जो खुद भी एक राइटर हैं और कॉमेडी सर्कस, कॉमेडी नाइट्स जैसे कई फेमस शो के लिए स्क्रीनराइटिंग कर चुके हैं। मलंग फिल्म का टाइटल ट्रैक भी हर्ष ने ही लिखा है। भारती सिंह का एक बेटा है जिसका नाम लक्ष है। भारती के सिर से बचपन में ही पिता का साया उठ गया था। वह 2 साल की थीं जब उनके पिता का निधन हो गया था। इसके बाद उनकी मां ने अपनी तीन बेटियों का पालन-पोषण किया। भारती 3 बहनों में सबसे छोटी हैं। भारती का बचपन गरीबी में गुजरा लेकिन उन्होंने इसे बदलने की ठानी और मुंबई आ गईं। यहां उन्होंने अपने दम पर अपनी किस्मत को चमकाया और आज शीर्ष के कॉमेडियंस में उनका नाम शामिल हैं।

बिग बॉस ओटीटी 2: घर में से एक लड़की ही होगी बेघर

- घर में होगा तीसरा एलिमिनेशन

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस ओटीटी 2 में वीकेंड का वार आ रहा है और खबर है कि इस बार भी घर में से एक लड़की ही बेघर होगी। पिछले हफ्ते हुए टास्क घरवालों ने जिया शंकर, अभिषेक मल्हान उर्फ फुकरा इंसान और आकांक्षा पुरी को बेघर करने के लिए नॉमिनेट किया था। अब सबकी नजरें इसी बात पर अटकी हुई है कि इस बार कौन शो से बाहर होगा। बता दें कि पिछले हफ्ते मिड वीक में आलिया सिद्दीकी को सलमान खान ने घर से बाहर होने का फरमान सुनाया था। लेटेस्ट वोटिंग ट्रेंड के अनुसार, शो में जिया शंकर को सबसे कम वोट मिले हैं, जिससे वह इस हफ्ते बिग बॉस ओटीटी 2 हाउस से विदाई लेने वाली संभावित उम्मीदवार बन गई हैं। सियासत डॉट कॉम के मुताबिक, ऐसी खबरें है कि बिग बॉस ओटीटी पर इस वीकेंड कोई एलिमिनेशन नहीं हो सकता है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है कि इस हफ्ते मिड वीक एलिमिनेशन के बाद शायद कोई भी कंटेस्टेंट घर से बेघर ना हो। हाल ही में बिग बॉस ओटीटी 2 में को लेकर सोशल मीडिया पर तूफान मचा गया था। जब जैड हदीद और आकांक्षा पुरी ने एक दूसरे को 30 सेकेंड तक किस किया था। हुआ ये कि एक टास्क में उन्हें डेयर दिया गया कि क्या को एक दूसरे को स्मूच कर सकते हैं और इसके लिए टाइम फिक्स करने की जिम्मेदारी घर के दूसरे सदस्यों को दी। किस का वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त तरीके से वायरल हुआ और लोगों ने बिग बॉस मेकर्स को काफी ट्रोल किया। इस बार शनिवार और रविवार को तीसरा वीकेंड का वार आने वाली है साथ ही होने वाला है तीसरा नॉमिनेशन। बता दें कि पुनीत सुपरस्टार को शो से 24 घंटे से पहले ही बाहर कर दिया गया था। घरवालों ने मिलकर पुनीत को एग्रेसिव बताया और कहा कि वो घर की प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचा रहे थे। बिग बॉस ओटीटी 2 अपने ड्रामा और शॉकिंग ट्विस्ट के साथ सुर्खियां बटोर रहा है। जैसे-जैसे दूसरा सीजन धीरे-धीरे अपनी अंत की ओर बढ़ रहा है, घर के अंदर तनाव बढ़ता जा रहा है। लोग जानना चाह रहे हैं कि इस बार घर से किसी की विदाई होने वाली है।

कई एक्टर्स ने डॉक्टरों के सम्मान में बदली अपनी बर्थ डेट

महिमा चौधरी सहित अनेक एक्टर्स ने अपनी बर्थ डेट बदल ली है। दर-असल उन्होंने ऐसा डाक्टर्स के सम्मान में किया है। जानकारी के अनुसार शाहरुख खान स्टारर फिल्म परदेस फेम एक्ट्रेस महिमा चौधरी ने शनिवार को नेशनल डॉक्टर्स डे पर अपने इंस्टाग्राम पर अपनी बर्थ डेट बदल दी। एक्ट्रेस ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि जब उन्हें ब्रेस्ट कैंसर का पता चला तो उनका जीवन किस तरह बिखर गया था।महिमा ने शेयर किया कि उनके डॉक्टरों और फैंस के कारण 8 नवंबर, 2022 को नया जीवन और दूसरा बर्थ डे मिला। दूसरी तरफ 30 दिसंबर को दुर्घटना में घायल हुए भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत ने भी अपनी बर्थ डेट बदल दी। महिमा और ऋषभ की तरह कई दूसरी मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों ने भी अपने बर्थ डेट को अपडेट करके अपनी कहानियां साझा करना शुरू कर दिया। टीवी एक्टर छवि मित्तल, फिल्म एक्टर राहुल रॉय और सेलिब्रिटी न्यूट्रिशन डॉ. सिद्धांत भार्गव भी डॉक्टरों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए आगे आए। जिन्होंने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है। मशहूर हस्तियां सेकेंड बर्थ डेट की एक नई पहल के तहत अपना बर्थ डेट अपडेट कर रही हैं।

अब दिसंबर में रिलीज होगी एनिमल

-वीएफएक्स मुद्दे के कारण फिल्म हुई लेट

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर रणबीर कपूर और संदीप रेड्डी वांगा की बहुप्रतीक्षित गैंगस्टर ड्रामा, एनिमल वीएफएक्स मुद्दे के कारण अब 4 महीने की देरी से रीलिज होगी। जानकारी के अनुसार एनिमल अब दिसंबर महीने में रिलीज होगी। एनिमल भूषण कुमार और मुराद खेतानी की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है, और वे निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के काम में किसी प्रकार की दखलंदाजी नहीं कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें विश्व स्तरीय फिल्म देने के लए समय की आवश्यकता है। एनिमल में रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और बॉबी देओल मुख्य भूमिका में हैं। टी-सीरीज प्रोडक्शन, एनिमल अब 1 दिसंबर, 2023 को रिलीज होगी। फिल्म को पूरा करने के लिए टीमें दिन-रात काम कर रही थीं, लेकिन एक्शन सीन इतने भव्य हैं कि 11 अगस्त के लिए उनका सर्वश्रेष्ठ संस्करण तैयार करना संभव नहीं है। संदीप के लिए विजन और आउटपुट देखने के बाद जो तैयार हुआ उसे देखने के बाद रणबीर कपूर के साथ निमार्ताओं ने फिल्म को 11 अगस्त के स्थान पर इसे दिसंबर तक टालने का फैसला किया है। एनिमल रिलीज की अस्थायी तारीख 1 दिसंबर है, जो टाइगर 3 के 3 सप्ताह बाद और डंकी से 3 सप्ताह पहले है। टीम का मानना है कि 1 दिसंबर को आने से फिल्म को 3 सप्ताह का समय मिलेगा क्योंकि कोई भी अन्य फिल्म 3 घटना गाथाओं - टाइगर 3, एनिमल और डंकी के बीच में नहीं आना चाहेगी। यह एक अच्छी तरह से रणनीतिक तारीख है जिसे उन्होंने तय किया है, और 4 महीने की देरी से निमार्ताओं को वीएफएक्स का काम पूरा करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा।

फिल्म मेकर बनीं कृति सेनन, लॉन्च किया अपना प्रोडक्शन हाउस

अभिनेत्री कृति सेनन ने बॉलीवुड में नौ साल पूरे कर लिए हैं। इतने सालों की कड़ी मेहनत से इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने वाली कृति ने अब एक कदम आगे बढ़ाया है। एक्ट्रेस कृति अब प्रोड्यूसर बन गई हैं। उन्होंने अपनी खुद की फिल्म प्रोडक्शन कंपनी की घोषणा की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर इसकी जानकारी दी। वीडियो शेयर करते हुए कृति ने लिखा, 'इस जादुई इंडस्ट्री में अपने सपनों को पूरा किए हुए मुझे 9 साल हो गए हैं। मैंने छोटे कदम उठाए, सीखा और विकसित हुई और एक अभिनेत्री बन गई! मुझे फिल्म निर्माण पसंद है। इसलिए मैं इस पर और अधिक काम करना चाहता हूं, नई चीजें सीखना चाहता हूं और अधिक कहानियां बताना चाहता हूं जो आपके और मेरे दिल को छू जाएं। अब मैं बड़े सपनों के साथ 'ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स' शुरू करने के लिए उत्साहित हूं! जल्द ही एक नई घोषणा करूंगी।" इस बीच एक अभिनेत्री के रूप में नौ साल के करियर के बाद कृति ने अब अपनी खुद की फिल्म निर्माण कंपनी की घोषणा की है। उन्होंने कंपनी का नाम 'ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स' रखा है। जैसे ही कृति ने इसके बारे में पोस्ट किया, उन पर शुभकामनाओं की बौछार हो गई। रितेश देशमुख, वरुण धवन, हुमा कुरैशी, आनंद एल रॉय, संजना सांघी, कृति खरबंदा ने कमेंट कर कृति को शुभकामनाएं दी हैं। इस बीच वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति की अहम भूमिका वाली फिल्म 'आदिपुरुष' हाल ही में रिलीज हुई थी, लेकिन डायलॉग्स, वीएफएक्स और एक्टर्स के लुक्स की वजह से यह विवादों में आ गई।

इसलिए दर्शकों ने फिल्म से मुंह मोड़ लिया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही, 500 करोड़ के बजट वाली 'आदिपुरुष' 300 करोड़ भी नहीं कमा पाई। फिल्म फ्लॉप होने के बाद कृति ने अपनी खुद की कंपनी शुरू की।

दिशा ने शेयर की बवाल लुक की तस्वीरें

बालीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने बवाल लुक की तस्वीरें शेयर की हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों ने इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है। तस्वीरों में दिशा पटानी डार्क पिंक रिविलिंग ड्रेस में कतई क-हर लग रही हैं। फोटो देखकर फैंस भी आहें भर रहे हैं थाई स्लिट ड्रेस में एक्ट्रेस अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। इसके साथ उन्होंने मैचिंग हील्स पेयर की हैं। न्यूड मेकअप और खुले बालों से दिशा ने अपने लुक कंप्लीट किया है। कैमरे के सामने वह अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करते हुए सिजलिंग पोज दे रही हैं। फैंस एक्ट्रेस के इस लुक के खूब दीवाने हो रहे हैं और कमेंट कर उनकी तारीफ भी कर रहे हैं। बता दें कि दिशा पाटनी अपने काम से ज्यादा बोल्ड लुक के लिए जानी जाती हैं। उन्हें हर बार नए लुक में कैमरे के सामने देखा जाता है, जहां वह अपनी हॉटनेस से फैंस के होश उड़ाती नजर आती हैं।

आप वही करें जो आपको खुशी दे : तृप्ति

ब्रेकअप की खबरों के बीच तृप्ति डिमरी ने एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा के भाई और फिल्ममेकर कर्णेश शर्मा संग शेयर की फोटो, लिखा वहीं करें जो खुशी दे। इस मैसेज ने उनके चाहने वालों के बीच सस्पेंस और बढा दिया है।

बता दें कि अनुष्का शर्मा के भाई और फिल्ममेकर कर्णेश शर्मा, तृप्ति डिमरी को डेट कर रहें हैं। लेकिन कुछ समय से कपल के ब्रेकअप को लेकर कुछ अफवाहें फेल रहीं थी। कपल ने अपने सोशल मीडिया पर ऐसी बहुत सी फोटोज शेयर की थी जो कपल के रिलेशन में होने के हिंट देती थी, लेकिन ब्रेकअप के बाद से दोनों ने एक दूसरे को अनफॉलो कर दिया और सारी फोटोज भी हटा दीं थी।

लेकिन अब ब्रेकअप की खबरों के बीच एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कर्णेश के साथ अपनी एक फोटो शेयर कर लिखा था, चाहे आप कुछ भी करें, लोग आपके बारे में बात करेंगे, इसलिए आप वहीं करें जो आपको खुशी दे।

परिणीति-राघव पहुंचे गोल्डन टेम्पल

बालीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आप नेता राघव चडढा बीते दिनों गोल्डन टेंपल पहुंचे, जहां कपल ने एक साथ मत्था टेका और बर्तन धोने की सेवा भी की। परिणीति और राघव का स्वर्ण मंदिर से एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों गुरुद्वारे में सेवा करते नजर आ रहे हैं। कपल का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। बता दें कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने मई 2023 में दिल्ली के कपूरथला हाउस में ग्रैंड इंगेजमेंट की थी। वहीं अब खबरें हैं कपल इसी साल अक्टूबर, नवंबर में शादी के बंधन में बंधेगा। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि परिणीति और राघव संगतों के बीच बर्तन धोने की सेवा करता नजर आ रहा है। दोनों तन-मन से सेवा में जुटे दिख रहे हैं। इस दौरान परिणीति व्हाइट सूट के साथ सिर पर मैचिंग दुपट्टा लिए दिख रही हैं। वहीं राघव भी सिर पर केसरी कलर का रुमाल बांधे नजर आ रहे हैं।

एक्सीडेंट के बाद अमेरिका से मुंबई लौटे शाहरुख खान

अमेरिका में शूटिंग के दौरान बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान के घायल होने की खबर ने फैंस की चिंता बढ़ा दी थी। यह सुनने के बाद कि उनकी तत्काल सर्जरी हुई है, उनके सभी प्रशंसक उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। अमेरिका के लॉस एंजेल्स में "जवान" की शूटिंग के दौरान शाहरुख खान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद वहां उनकी नाक की एक छोटी सर्जरी भी की गई। इन खबरों के बीच शाहरुख अब मुंबई वापस आ गए हैं। अपनी हालिया तस्वीरों और वीडियो में वह स्वस्थ नजर आ रहे हैं। शाहरुख खान को खुश देखकर फैंस की जान में जान आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शू-टंग के दौरान एक हादसे में शाहरुख खान घायल हो गए हैं। उनकी नाक और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। दुर्घटना के बाद रक्तस्राव को रोकने के लिए शाहरुख को अमेरिका में एक छोटी सी सर्जरी करानी पड़ी। वहीं ये खबर सुनकर उनके फैंस काफी चिंतित हैं। हालांकि, अब शाहरुख खान सुरक्षित भारत वापस आ गए हैं और कुछ समय तक घर पर ही आराम करेंगे। शाहरुख खान को एयरपोर्ट पर देखकर फैंस काफी खुश हैं। भारत लौटने पर शाहरुख खान के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इसमें शाहरुख ने चश्मा लगाया हुआ है और नीले

रंग की हुडी पहनी हुई है। शाहरुख को अच्छी सेहत में देखकर फैंस काफी खुश हैं। अभिनेता शाहरुख खान इस समय अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग में काफी व्यस्त हैं। उनके हाथ में कई फिल्में हैं। एक एपिसोड की शूटिंग के लिए वह लॉस एंजेल्स पहुंचे थे। इसी शूटिंग के दौरान एक हादसे में शाहरुख खान की नाक पर चोट लग गई थी।

सूडोकू नवताल- 6483

★★★★☆ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -6482 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7230

इ	अ	मे	अ	आ	स्ट्रे	लि	या	र	प	जा
न	ट	क	मे	इं	डो	ने	ग	ति	मा	पा
अ	दा	ली	रि	मा	ग	ची	द	ह	प	न
जी	ग	ल	का	द	न	स	न	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	क्षि	मे	ह	का	न	दे
ज	र्म	नी	र	व	प	ण	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	व	ग्रे	ला	को	मा	न	ग
र	न	भा	र	न	प	ट	रा	रि	वि	ला
क	फ्रां	बा	रू	स	का	र	ब्रि	न	या	दे
र	स	ति	मा	न	सिं	ब्रा	स्ट	टे	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	न	र

शब्द जाल में उन देशों के नाम ढूंढिए जो ऐथेंस 2004 ओलम्पिक में प्रथम 10 स्थानों पर रहे. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अमेरिका, चीन, रूस, आस्ट्रेलिया, जापान, जर्मनी, फ्रांस, इटली, दक्षिण कोरिया, ग्रेट ब्रिटेन

शब्दजाल - 7229 का हल

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	इं
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	रि	स्का	क	द्रा
चु	मे	ल	घा	ट	छ	मि	दु	ब	वृ	व
इं	को	न्हा	न	बा	वा	स	थु	ध	ष	ती
डि	बें	मी	ल	म	र	न	क्रो	न	वा	च
या	ट	न	र	रा	क	ण	ती	ण	बां	र
द	सिं	र्नि	ग	ट्रे	न	र	थं	बा	दी	स
क	सु	द	र	व	न	क	फ	भौ	पु	क
रा	म	तु	प	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	ला	जी	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	मू	र्त	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6183

	3	7		6	2	5
3	29	6	37		31	1
1	2			5	6	
	30	1	30		31	
	6	5			3	2
2	33		31	3	30	7
6	1	2		7	4	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6182 का हल

7	5	3	4	2	1	6
2	24	1	27	6	36	3
1	3	2	4	5	6	7
3	31	6	31	1	30	5
5	7	4	6	3	2	1
4	39	7	39	4	25	2
6	1	5	3	7	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूर्यकुमार जैसे शॉट मैंने कभी नहीं लगाये : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग।

दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने भारतीय टीम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जो शॉट मैंने कभी नहीं लगाये वैसे सूर्यकुमार लगाते हैं। मैदान के चारों ओर इस प्रकार के शॉट से सूर्यकुमार ने पिछले दो सालों में रनों ही टी20 में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

पूरे मैदान के चारों ओर शॉट खेलने की क्षमता से सूर्यकुमार की तूलना दक्षिण अफ्रीका के डिविलियर्स से होती रहती है। डिविलियर्स भी में बड़े मंचों पर सूर्यकुमार की तारीफ करते रहे हैं। अब एक बार फिर डिविलियर्स ने सूर्यकुमार की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि सूर्यकुमार यादव जैसे शॉट खेलते हैं, वह उन्होंने कभी नहीं लगाए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह अविश्वसनीय है। जब वह चल रहा होता है, तो उसे देखना अच्छा लगता है, मैं वास्तव में ऐसा करता हूं। मुझे लगता है कि सूर्यकुमार को अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। मुझे लगता है कि अभी और भी बहुत कुछ करना बाकी है। मुझे लगता है कि भविष्य में सूर्यकुमार इससे भी बेहतर खिलाड़ी होंगे, इसलिए यह बहुत रोमांचक है। डिविलियर्स ने साथ ही कहा, सूर्यकुमार के लिए सबसे बड़ी चुनौती सभी प्रारुपों में निरंतरता बनाए रखना है और उन्हें टेस्ट क्रिकेट, एकदिवसीय और टी20 में अपने खेल का पता लगाना होगा और यह समझना होगा कि यह उनके लिए कैसे काम करता है। मुझे लगता है कि सूर्यकुमार वास्तव में यह एहसास होना चाहिए कि सब कुछ बिल्कुल वैसा ही है। मुझे बहुत सारी समानताएं दिखती हैं। वह बस गियर के माध्यम से बदलाव करने में सक्षम होने जा रहा है और मेरा मतलब है, यह देखना अविश्वसनीय है। वह मैदान के चारों ओर रन बना सकता है।

पीवी सिंधु की रैंकिंग 3 पायदान गिरीः 12वीं से 15वीं रैंक पर पहुंची, अप्रैल में टॉप 10 से हुई थी बाहर

मुंबई। डबल ओलंपिक मेडल विनर पीवी सिंधु मंगलवार को जारी नई विमेंस सिंगल्स बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड रैंकिंग में तीन स्थान फिसलकर 15वें स्थान पर आ गईं। सिंधु इस साल अपील में एलिट टॉप 10 से बाहर हो गई थी। सिंधु के अब 13 टूर्नामेंटों में 51,070 अंक हैं। विमेंस सिंगल्स में जापान की अकाने यामागुची 1 लाख 03 हजार 717 पॉइंट्स के साथ टॉप पर है। सबसे ज्यादा 13 हजार पॉइंट्स वर्ल्ड चैंपियनशिप और ओलिंपिक जीतने पर मिलते है। टोटल पॉइंट्स आधार पर वर्ल्ड रैंकिंग तय होती है। विनर के अलावा, फाइनलिस्ट, सेमीफइनलिस्ट से ले कर टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले शटलर्स को भी ग्रेड और पायदान के हिसाब से पॉइंट्स दिए जाते है। जिसके ज्यादा पॉइंट्स होते है, वह ऊपर होता है। 27 वर्षीय सिंधु इस सप्ताह कनाडा ओपन सुपर 500 में भाग लेंगी, कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने के बाद सिंधु को टखने में फ्रैक्चर हो गया था। पांच महीने की लंबी चोट के बाद सिंधु ने वापसी की थी। सिंधु के लिए इस सीजन बेस्ट परफॉरमेंस मैड्रिड स्पेन मास्टर्स सुपर 300 का फाइनल और मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 का सेमीफाइनल रहा है। इसके अलावा सिंधु कुछ खास नहीं कर कर सकी है। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी दुनिया के तीसरे नंबर के टॉप भारतीय मेंस डबल्स खिलाड़ी हैं। आठवें स्थान पर काबिज एचएस प्रणय मेंस सिंगल्स में टॉप रैंकिंग वाले भारतीय हैं, जबकि लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत क्रमश: 19वें और 20वें स्थान पर हैं। महिला डबल्स में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद एक स्थान गिरकर 17वें स्थान पर हैं।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेटर प्रवीण कुमार कार एक्सीडेंट में बाल-बाल बचेः हाईवे पर ट्रक ने टक्कर मारी; बेटे के साथ लैंड-रोवर में सवार थे

मुंबई। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार की कार का एक्सीडेंट हो गया। मंगलवार रात को प्रवीण अपने बेटे के साथ मेरठ जा रहे थे। तभी हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। प्रवीण की कार बुरी तरह डैमेज हुई है। प्रवीण को कोहनी में चोट आई, वहीं उनके बेटे को भी हल्की चोटें आईं। 36 साल के प्रवीण मंगलवार देर रात को अपने बेटे के साथ लैंड रोवर कार में सवार थे। वह पांडव नगर से मेरठ जा रहे थे, तभी हाईवे पर एक ट्रक तेज रफ्तार से आई और उन्हें टक्कर मार दी। दोनों को ज्यादा चोटें नहीं आईं, हॉस्पिटल में उन्हें ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक्सीडेंट के बाद प्रवीण ने बताया, एक्सीडेंट खतरनाक हो सकता था, लेकिन भगवान की दया से हम बच गए। मैं अपने बेटे को छोड़ने के लिए जा रहा था, तभी रात 9:30 बजे के करीब एक ट्रक ने मेरी कार को पीछे से टक्कर मार दी। अच्छा हुआ कार बड़ी थी तो हम बच गए, हमें ज्यादा चोटें भी आ सकती थीं। पहले मुझे लगा कि सिर्फ बम्पर टूटा है, लेकिन मेरी कार बुरी तरह से टूट गई है। प्रवीण कुमार का दूसरी बार कार एक्सीडेंट हुआ है। वह 2007 में जीप से गिर गए थे, इसी साल उन्होंने टीम इंडिया के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया था। मेरठ के रहने वाले प्रवीण उत्तर प्रदेश से ही घरेलू क्रिकेट खेलते थे। नई गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने के लिए पहचाने जाने वाले प्रवीण ने 2018 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया। उन्होंने टीम इंडिया 6 टेस्ट, 68 वनडे और 10 टी-20 खेले हैं। टेस्ट में उनके नाम 27, वनडे में 77 और टी-20 में 8 विकेट हैं। वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस, गुजरात लायंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और किंग्स इलेवन पंजाब से खेल चुके हैं। प्रवीण कुमार ने भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू किया, लेकिन उन्होंने टीम के लिए वनडे मैच ज्यादा खेले। वह 2008 में टीम इंडिया की सीबी सीरीज (ट्राई सीरीज) जीत का हिस्सा भी रहे थे।

ट्रेविस हेड ने बेयरेस्टो रनआउट पर किया खुलासाः कहा - इंग्लिश विकेटकीपर खुद मुझे इस तरीके से आउट करने की कोशिश कर चुके है

लंदन। जॉनी बेयरेस्टो के विवादास्पद रनआउट पर ऑस्ट्रेलिया के बैटर ट्रेविस हेड ने कहा कि बेयरस्टो ने उन्हें इसी अंदाज में रनआउट करने की कोशिश कर चुके है। विलो टॉक पॉडकास्ट से बात करते हुए,

हेड ने खुलासा किया कि एजबेस्टन में पहले टेस्ट के दौरान वह बेयरेस्टो के हाथों ओवर के बाद क्रीज चेंज करने के बाद आउट होने के कगार पर थे। पहले टेस्ट में बेयरेस्टो ने दी धमकी - ट्रेविस हेड

हेड ने कहा कि पहले टेस्ट में उनके साथ ऐसा हो चुका है। हेड ने बताया कि, एजबेस्टन टेस्ट में मैं आखिरी ओवर के बाद क्रीज से बाहर चला गया था। इस पर बेयरस्टो ने मुझे आउट करने की वार्निंग दी। मैंने बेयरस्टो से पूछा कि क्या आप मुझे इस तरह आउट कर देंगे तब बेयरेस्टो ने कहा - हां, बिलकुल। लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए एशेज टेस्ट के 5वें दिन इंग्लिश टीम 371 रन का टारगेट चेज कर रही थी। कप्तान बेन स्टोक्स ने बेन डकेट के साथ 132 रन की साझेदारी की।

टॉप सीड अल्कारेज-मरे विम्बलडन के पहले दौर में जीतेः वर्ल्ड नंबर-7 कोको गॉफ हारीं, वीनस विलियम्स भी बाहर

लंदन। विम्बलडन चैंपियनशिप का दूसरा दिन उठापटक भरा रहा। मंगलवार को पहले दौर के मुकाबलों को टॉप खिलाड़ियों ने जीतते हुए अगले दौर में प्रवेश किया, तो कुछ का सफर यहीं थम गया। साल के तीसरे ग्रैंडस्लैम के टॉप सीड कॉर्लोस अल्कारेज और एंडी

मरे ने आसान जीत से शुरुआत की, जबकि विमेंस सिंगल्स में कोको गाफ और वीनस विलियम्स को पहले ही दौर में हारकर बाहर होना पड़ा। मेंस सिंगल के पहले राउंड में स्पेन के कार्लोस अल्कारेज और एंडी मरे ने पहले दौर में आसान जीत हासिल की। अल्कारेज ने फ्रांस के जेरेमी चार्डी को 6-0, 6-2, 7-5 से हराया, जबकि इंग्लैंड के मरे ने अपने ही देश के रियान पेनिस्टन पर 6-3, 6-0, 6-1 की आसान जीत हासिल की। महिलाओं के एकल मुकाबलों में अमेरिका की 7वीं सीड कोक गॉफ को हमवतन सोफिया केनिन के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। केनिन ने गाफ को 6-4, 4-6, 6-2 से हराते हुए उलटफेर किया।

भारत ने नौवीं बार जीती एसएएफएफ चैंपियनशिप

कुवैत को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया ; भारत से इकलौता गोल चांग्ते ने दागा

बेंगलुरु।

भारत ने साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन चैंपियनशिप जीत ली है। टीम ने फाइनल में कुवैत को पेनल्टी में 5-4 से हराया। फुल टाइम और एक्स्ट्रा टाइम के बाद भी मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा था। टीम इंडिया ने 9वीं बार यह टाइटल जीता है। टीम 4 बार रनर-अप भी रही है। बेंगलुरु के कांतिरवा स्टेडियम में मंगलवार शाम खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। इसमें भारत की ओर लालिंन जुवाला चांग्ते (38वें) और कुवैत की ओर से शबेब अल खल्दी (14वें) ने गोल दागे। 90 मिनट का मैच 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद 30 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया, लेकिन उसमें भी गोल नहीं आया। ऐसे में चैंपियन का फैसला करने के लिए पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। जिसे भारतीय टीम ने 5-4 से अपने नाम किया।

पेनल्टी का रोमांच

पेनल्टी 1: भारत के सुनील छेत्री ने गोल स्कोर किया। भारत 1-0 कुवैत

पेनल्टी 1: कुवैत के अब्दुल्ला का शॉट भारत के सांधु ने सेव किया भारत 1-0 कुवैत

पेनल्टी 2: भारत के संदेश झिंगन ने स्कोर किया, भारत 2-0 कुवैत

पेनल्टी 2: कुवैत के फवाज ने पेनल्टी स्कोर की। भारत 2-1 कुवैत

पेनल्टी 3: भारत के चांगते ने टॉप कार्नर पर बॉल मारी और स्कोर किया। भारत 3-1 कुवैत

पेनल्टी 3: कुवैत के अल दाफेरी ने लेफ्ट में स्कोर किया। भारत 3-2 कुवैत

पेनल्टी 4: भारत के उदांता सिंह ने बॉल मिस कर दी। बॉल गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गई। भारत 3-2 कुवैत

पेनल्टी 4: कुवैत के अब्दुल अजीज ने बॉल को टॉप कॉर्नर में मारा और स्कोर किया। भारत 3-3 कुवैत

पेनल्टी 5: भारत के सुभाशीष बोस ने टॉप कार्नर पर गोल मार कर बढ़त ली। भारत 4-3 कुवैत

पेनल्टी 5: कुवैत के अल खल्दी ने बॉटम लेफ्ट कार्नर में पेनल्टी स्कोर की। भारत 4-4 कुवैत

पेनल्टी 6: भारत के महेश सिंह ने टॉप राइट कार्नर पर स्कोर किया। भारत 5-4 कुवैत

पेनल्टी 6: कुवैत के अल इब्राहिम के शॉट को गुरप्रीत सिंह सांधु ने सेव किया और भारत जीत गया। भारत 5-4 कुवैत

खल्दी का शॉट रोकने में नाकाम रहे गुरप्रीत - कुवैत के स्ट्राइकर शबेव अल खल्दी ने 14वें मिनट पर गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई थी। उन्होंने लेफ्ट विंग अब्दुल्ला अमर के क्रॉस पर गोल दागा। भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत इस शॉट को रोकने में नाकाम रहे।

28वें मिनट में संदेश झिंगन को यलो कार्ड - 28वें मिनट में भारतीय डिफेंडर संदेश झिंगन को यलो कार्ड मिला। उन्होंने कुवैत के बॉक्स के अंदर हेडर लेने के चक्कर में बॉल की जगह मेजबान खिलाड़ी को हिट किया।

हाफ टाइम तक स्कोर 1-1, चांग्ते के गोल से बराबरी पर आया भारत - शुरुआती 15 मिनट में 0-1 से पिछड़ने के बाद लालिंन जुवाला चांग्ते ने हाफ टाइम से पहले टीम इंडिया को बराबरी दिलाई। चांग्ते ने 38वें मिनट पर गोल दागा। उन्होंने सहल के क्रॉस पर गोल किया, जो सहल ने कप्तान सुनील छेत्री के पास पर दिया था। बॉक्स के सेंटर से छेत्री ने अपने लेफ्ट की ओर खड़े सहल को पास दिया, जिसे सहल ने क्रॉस कर वापस चांग्ते के पास पहुंचाया और चांग्ते ने कुवैती गोलकीपर को छकाने में कोई गलती नहीं की।

हाफ टाइम के बाद निकले कई कार्ड - हाफ टाइम तक स्कोर बराबरी पर रहा। इसके बाद रेफरी ने कई यलो कार्ड निकाले। 75वें मिनट में भारत के रोहित कुमार को यलो कार्ड मिला। उनसे पहले कुवैत के रेडा हनी, अब्दुल्ला अमर, मोहम्मद अब्दुल्ला, अहमद धहफेरी, हमद अल कलफ और मोहम्मद दाहम को भी यलो कार्ड मिले। टीम इंडिया से आशिके कुरियन को भी यलो कार्ड मिला।

दूसरे हाफ में कोई गोल नहीं, कुवैत ने दो मौके गंवाए - फाइनल मुकाबले के दूसरे हाफ में कोई गोल नहीं आया। दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने बढ़त लेने के कई प्रयास किए, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली, हालांकि कुवैत को 66 और 88वें मिनट में फ्री किक पर गोल स्कोर करने के चांस मिले थे, लेकिन मेहमानों ने मौके गंवाए।

कुवैत ने 14 शॉट्स मारे, टारगेट पर कम रहे - मैच के दूसरे हाफ में एक भी गोल नहीं आने से स्कोर 1-1 से बराबर रहा। भारत ने मैच में गोल की तरफ 7 शॉट मारे। वहीं, कुवैत ने 14 शॉट मारे। हालांकि, गोल की तरफ भारत के 4 और कुवैत के 3 शॉट गए। मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया, इसके बावजूद स्कोर 1-1 से बराबर रहा। मैच पेनल्टी में गया और भारत ने जीत हासिल की।

भारत की स्टार्टिंग-11 में संदेश की वापसी - मैच से पहले भारत के स्टार सेंटर डिफेंडर संदेश झिंगन की स्टार्टिंग इलेवन में वापसी हुई। वे 2 यलो कार्ड की वजह से एक मैच के लिए सस्पेंड हो गए थे।

देखिए शुरुआती-11 खिलाड़ी...

भारतः गुरप्रीत सिंह (गोलकीपर), संदेश झिंगन, अनवर अली, जैक्शन सिंह, निखिल पुजारे, अनिरुद्ध थापा, आकाश मिश्रा, आशिके कुरियन, सहल अब्दुल समद, लालिंन जुवाला चांग्ते और सुनील छेत्री।

कुवैतः अल रहमान कमीन (गोलकीपर), हसन अल ऐंजी, खालित हजिया, अब्दुल्ला अमर, हमद अल कलफ, सुल्तान अल ऐंजी, रेडा हनी, शबेव अल खल्दी, मोहम्मद दाहम, मुबारक अल फनेनी।

सर गारफील्ड सोबर्स से मिली टीम इंडिया

बारबाडोस में रोहित-विराट ने हाथ मिलाया; सोबर्स ने पहली बार एक ओवर में 6 सिक्स मारे थे

बारबाडोस।

भारतीय टीम वेस्टइंडीज दौरे के लिए बारबाडोस पहुंच चुकी है। टीम इंडिया 2 टेस्ट मैचों के साथ अपना वेस्टइंडीज दौरा शुरू करेगी। टीम 12 जुलाई को पहला मैच खेलेगी। टेस्ट के बाद टीम 3 वनडे और 5 टी-20 मैच खेलेगी। भारतीय टीम ने मंगलवार से प्रैक्टिस भी शुरू कर दी।

वहीं टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान विराट कोहली सहित टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज सर गारफील्ड सोबर्स से मुलाकात की। इसका वीडियो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। बीसीसीआई ने इसके कैप्शन में लिखा, बारबाडोस में महानतम के साथ।

सर गारफील्ड सोबर्स दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर में से एक रहे हैं। वे दुनिया के पहले क्रिकेटर हैं, जिन्होंने एक ओवर में 6 सिक्स मारे थे। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में नॉटिंघमशायर से खेलते हुए ऐसा किया था।

रोहित और विराट सर गैरी सोबर्स से मिले - वीडियो में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा सर गारफील्ड सोबर्स से हाथ मिलाते नजर आए। उनके बाद विराट कोहली ने भी गैरी सोबर्स से हाथ मिलाया। कोहली उनसे कुछ बातचीत भी करते नजर आए। इन दोनों के बाद टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने शुभमन गिल को सोबर्स से मिलवाया। उनके बाद तेज गेंदबाज शार्दूल ठाकुर उनसे मिलते हुए दिखे और आखीर में स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और राहुल द्रविड़ ने भी

सोबर्स से बातचीत की।

1968 में लगाए थे 6 छक्के - सोबर्स ने 31 अगस्त 1968 को सेंट हेलेना क्रिकेट ग्राउंड में नॉटिंघमशायर से खेलते हुए ग्लैमॉर्गन के खिलाफ फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 6 गेंद पर 6 छक्के लगाए थे। उन्होंने ग्लैमॉर्गन के गेंदबाज मैल्कम नैश के ओवर की सभी गेंदों पर छक्के लगाकर 36 रन बनाए थे। सोबर्स नॉटिंघमशायर की कप्तानी कर रहे थे। सोबर्स से पहले एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के टेड एलेटसन के नाम था। उन्होंने 1911 में एक ओवर में 34 रन बनाए थे।

आईसीसी ने इनके नाम पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड शुरू किया - इनके नाम पर आईसीसी ने 2004 में पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड देना शुरू किया। सालाना मिलने वाले इस अवॉर्ड को पहली बार भारत के राहुल द्रविड़ ने जीता था। पाकिस्तान के बाबर आजम ने पिछले साल यह अवॉर्ड जीता। भारत से विराट कोहली 2 बार 2017 और 2018 में इस अवॉर्ड को जीत चुके हैं। सोबर्स ने वेस्टइंडीज के लिए 1954 से 1974 के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट खेला है।

अजित अगरकर इंडियन क्रिकेट टीम के चीफ सिलेक्टर बनेः स्टिंग ऑपरेशन के कारण हटे चेतन शर्मा की जगह ली; वर्ल्ड-कप टीम सबसे बड़ी चुनौती

मुंबई।

पूर्व तेज गेंदबाज अजित अगरकर टीम इंडिया की सिलेक्शन कमेटी के नए चेयरमैन बनाए गए हैं। बीसीसीआई ने मंगलवार रात को जारी एक मीडिया ब्रीफ में इसका ऐलान किया। बोर्ड ने लिखा, अगरकर को टेस्ट मैचों में सीनियॉरिटी के आधार पर चीफ सिलेक्टर बनाया गया है।

पहले से तय था अगरकर का चीफ सिलेक्टर बनना - बोर्ड ने अगरकर को चीफ सिलेक्टर बनाने की तैयारी पहले ही कर ली थी। 2 पॉइंट्स में समझते हैं आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स ने रिलीज किया : डब्लूटीसी फाइनल के बाद आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स ने अगरकर को अपनी टीम के असिस्टेंट कोच के पद से रिलीज कर दिया। इसके ठीक बाद पूर्व तेज गेंदबाज ने सिलेक्शन कमेटी के सदस्य पद के लिए अप्लाय किया।

बीसीसीआई ने उम्र सीमा कम घटाई : चेतन शर्मा के जाने के बाद सिलेक्शन कमेटी में एक पद खाली था। बीसीसीआई ने इस पोस्ट के लिए एप्लिकेशन उम्र सीमा कम कर दी। पहले यह 60 साल थी, लेकिन नई एज लिमिट 45 साल कर दी गई, जिस कारण 45 साल के अगरकर को कमेटी का हिस्सा बनने का मौका मिला।

349 इंटरनेशनल विकेट ले चुके हैं अगरकर करियर में 349 इंटरनेशनल विकेट ले चुके हैं। उन्होंने टेस्ट में 58, वनडे में 288 और टी-20 इंटरनेशनल में 3 विकेट लिए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे : अजित अगरकर 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया का हिस्सा रहे। उन्होंने टूर्नामेंट के 2 मैचों में 15 रन बनाने के साथ एक विकेट भी लिया था। साउथ अफ्रीका में हुए टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था। वनडे में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय : अजित अगरकर वनडे में सबसे तेज हाफ सेंचुरी जमाने वाले भारतीय बैटर हैं। उन्होंने साल 2000 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 21 बॉल पर अर्धशतक जमाया था। सबसे तेज 50 विकेट लिए : अगरकर ने भारत के लिए सबसे तेज 50 विकेट पूरे किए हैं। उन्होंने 23 मुकाबलों में यह कारनामा किया था। 45 साल के पूर्व गेंदबाज ने पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा की जगह ली है। चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा का स्टिंग ऑपरेशन किया था, जिसमें वे कह रहे थे कि टीम इंडिया के खिलाड़ी फिट रहने के लिए इंजेक्शन लेते हैं। इसी कारण उन्हें चीफ सिलेक्टर पोस्ट से हटाया गया।

साई सुदर्शन को इंडिया-ए टीम में जगह: इमर्जिंग एशिया कप के लिए टीम जारी, यश धुल कप्तानी करेंगे; नेहल वाधेरा स्टैंड-बाय प्लेयर

मुंबई।

इमर्जिंग एशिया कप के लिए इंडिया की ए टीम जारी कर दी गई है। टीम इंडिया के 15 मेंबर्स स्क्वॉड की कप्तानी यश धुल को मिली है। आईपीएल में गुजरात टाइटंस से बेहतरीन परफॉर्म करने वाले साई सुदर्शन भी टीम का हिस्सा हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के विस्फोटक बैटर नेहल वाधेर स्टैंड बाय प्लेयर्स में शामिल हैं। पंजाब के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा को टीम के उप कप्तान बनाए गए। टूर्नामेंट 14 जुलाई से श्रीलंका में खेला जाएगा। 23 जुलाई तक चलने वाले टूर्नामेंट में भारत के साथ 7 और टीमें भी शामिल हैं।

रियान पराग को भी मिली जगह - साई सुदर्शन के साथ आईपीएल में परफॉर्म करने वाले कई प्लेयर्स को टीम में शामिल किया गया। वहीं रियान पराग पर भी सिलेक्टर्स ने भरोसा दिखाया। हर्षित राणा को भी जगह दी गई, जिन्होंने पिछले सप्ताह दलीप ट्रॉफी में शतक लगाया। निशांत सिंधु को भी दलीप ट्रॉफी में परफॉर्मेंस के आधार पर सिलेक्ट किया गया। चेन्नई सुपर किंग्स टीम से आईपीएल में अच्छा परफॉर्म करने वाले लेफ्ट आर्म पेसर आकाश सिंह और ऑलराउंडर राजवर्धन हंगरगेकर को भी टीम में जगह

मिली। स्टैंड बाय प्लेयर्स में 4 खिलाड़ियों के नाम दिए गए। इनमें नेहल वाधेरा, मोहित रेडकर, हर्ष दुबे और स्नेल पटेल शामिल हैं।

रिंकू सिंह को मौका क्यों नहीं मिला - इमर्जिंग एशिया कप के लिए किसी भी तरह की उम्र सीमा नहीं है, लेकिन नए प्लेयर्स को मौका मिले, इसलिए भारत ने 23 साल से कम उम्र के खिलाड़ियों को ही टीम में चुना। स्टैंडबाय में शामिल 4 में से 3 खिलाड़ियों की उम्र भी 23 साल से ज्यादा नहीं है। इसी कारण आईपीएल में पिछले दिनों अच्छा परफॉर्म करने वाले रिंकू सिंह को टीम में जगह नहीं मिली। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्हें वेस्टइंडीज दौरे पर भारत की टी-20 टीम में जगह मिलेगी।

2 विकेटकीपर शामिल - विकेटकीपर स्नेल पटेल ही एकमात्र ऐसे प्लेयर हैं, जिनकी उम्र 29 साल है। हालांकि, वह स्टैंड-बाय प्लेयर्स की लिस्ट में शामिल हैं। उनके अलावा टीम में प्रभसिमरन सिंह और ध्रुव जुरेल भी बतौर विकेटकीपर शामिल किए गए हैं। दोनों ही खिलाड़ियों ने पिछले दिनों आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन किया था।

जूनियर सिलेक्शन कमेटी ने किया सिलेक्शन - इंडिया-ए टीम में प्लेयर्स का सिलेक्शन जूनियर सिलेक्शन कमेटी ने किया है। टीम इंडिया के साथ सितांशु कोटक बतौर हेड कोच जाएंगे। साईराज बहुतुले बॉलिंग कोच और मनीष बाली फील्डिंग कोच रहेंगे।

पाकिस्तान के ग्रुप में है टीम इंडिया - टूर्नामेंट में 8 टीमें शामिल की हैं। एसीसी के फुल मेंबर नेशन अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और भारत ने अपनी ए टीमें भेजीं। वहीं ओमान और नेपाल की सीनियर टीम को टूर्नामेंट में शामिल किया गया।

जिम्बाब्वे वनडे वर्ल्ड कप रेस से बाहर

स्कॉटलैंड ने 31 रन से हराया; अब नीदरलैंड और स्कॉटलैंड ही रेस में

बुलवायो।

जिम्बाब्वे वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन की रेस से बाहर हो गया। मंगलवार को बुलवायो में स्कॉटलैंड ने जिम्बाब्वे को 31 रन से हराया। जिम्बाब्वे ने टॉस जीत कर गेंदबाजी चुनी। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट खो कर 234 रन बनाए। जवाब में जिमबब्वे 41.1 ओवर में 203 रन बना कर ऑलआउट हो गया।

वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए जिम्बाब्वे का जीतना जरूरी था। पूरे 5 मैच खेलने के बाद अब जिम्बाब्वे पॉइंटस टेबल में तीसरे नंबर पर आ गया। वहीं, 4 मैच खेलने के बाद स्कॉटलैंड पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर आ गया है। स्कॉटलैंड के अलावा नीदरलैंड वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन की रेस में बना हुआ है। नीदरलैंड और स्कॉटलैंड के बीच सुपर-6 स्टेज का मुकाबला होगा, इसे जीतने वाली टीम वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर जाएगा।

छोटी पारियों ने सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया

स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी की। क्रिस्टोफर मैकब्रिज और मैथ्यू क्रॉस ओपनिंग करने उतरे। मैकब्रिज 28 रन और कोर्स 38 रन बना कर आउट हुए। दूसरी और ब्रैंडन मैक्मुलेन 34 और जॉर्ज मुन्से 31 रन बना कर पवेलियन लौटे। कप्तान रिची बैरिंगटन 7 रन ही बना सके। वहीं, टॉमस मैकिनतोश 13 रन बना कर आउट हुए। लोअर आर्डर पर माइकल लीस्क आए और उन्होंने 34 गेंद में 48 रन की धमाकेदार पारी खेली। वहीं, क्रिस ग्रीव्स 1 रन बना कर पवेलियन लौटे। मार्क वाट ने 15 गेंद में 21 रन बना कर स्कोर 234 तक पहुंचाया। 8 विकेट के नुकसान पर स्कॉटलैंड ने 234 रन बनाए। जिम्बाब्वे से सीन विलियम्स ने 3 विकेट लिए। वहीं तेंदई चतारा को 2 और रिचर्ड नगरवा को एक सफलता मिली।

माइकल लीस्क का दोहरा प्रदर्शन

रन: 48 (34)| विकेट: 2

जिम्बाब्वे की ओपनिंग फेल

जिम्बाब्वे के ओपनिंग बैटर्स पूरी तरह फेल रहा। ओपनिंग करने उतरे जॉयलॉर्ड पहली ही बॉल पर आउट हो गए। वहीं उनके साथ कप्तान क्रैग एर्विन 2 रन बना कर पवेलियन चलते बने। इनोसेंट काइया 12 और सीन विलियम्स भी 12 ही बना सके। मिडिल आर्डर में सिकंदर रजा ने 34 रन बनाए। वहीं, रयान बर्ल ने 83 रन की शानदार पारी खेली। इनके बाद बाद वेस्ली मधेवरे 40 रन बना कर पवेलियन लौटे। इनके आउट होते ही विकेट गिरते गए और टीम 203 रन पर ऑलआउट हो गई। स्कॉटलैंड के सभी बॉलर्स ने विकेट लिए। क्रिस सोल को 3 विकेट मिले। वहीं, ब्रैंडन मैक्मुलेन और माइकल लीस्क को 2-2 विकेट मिले। सुफयान शरीफ, मार्क वाट और क्रिस ग्रीव्स को 1-1 विकेट मिला।

नीदरलैंड्स-स्कॉटलैंड मैच से मिलेगी 10वीं टीम

जिम्बाब्वे में जारी क्वालिफायर्स से वनडे वर्ल्ड कप की 2 टीमें तय होनी थीं। 10 टीमों के बीच शुरू हुए टूर्नामेंट में सुपर-6 स्टेज तक 6 टीमें बचीं। श्रीलंका ने अपने सभी मैच जीतकर वर्ल्ड कप के लिए पहले ही क्वालिफाई कर लिया। एक जगह के लिए जिम्बाब्वे, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स रेस में थीं। स्कॉटलैंड से हारकर जिम्बाब्वे की टीम क्वालिफिकेशन रेस से बाहर हो गई। क्योंकि पॉइंट्स टेबल में उनके अंक 6 हैं, लेकिन रन रेट नीदरलैंड और स्कॉटलैंड दोनों से ही खराब है। नीदरलैंड के 4 और स्कॉटलैंड के 6 पॉइंट्स हैं, दोनों के बीच 8 जुलाई को मुकाबला होगा। अगर स्कॉटलैंड जीती तो 8 पॉइंट्स के साथ वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर जाएगी।

दिल को सेहतमंद रखती है रेड वाइन

आज की भागती-दौड़ती तेज रफ्तार जिंदगी का असर हमारे दिल पर भी पड़ता है। तभी तो दिल के मरीजों की तादाद में लगातार इजाफा होता जा रहा है। इसके पीछे हमारी बिगड़ी हुई दिनचर्या और खान-पान संबंधी खराब आदतें ही जिम्मेदार हैं। दिल को तंदुरुस्त रखने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम, खाने पीने की अपनी आदतों पर लगाम और भी न जाने क्या क्या। लेकिन, इन सब आदतों के साथ ही अगर हम एक और चीज करने लग जाएं तो दिल की सेहत सुधारी जा सकती है और वो है रेड वाइन।

दिल के लिए फायदेमंद रेडवाइन

रेड वाइन अंगूर का बना होता है और इसमें एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) पाया जाता है, जो मृत्यु दर और तनाव को कम करने का एक तरह का प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल होता है। कई हृदय रोग तभी होते हैं जब हृदय तक जाने वाली धमनियों को वसा और बुरा कोलेस्ट्रॉल मिल कर उसके रक्त प्रवाह को ब्लॉक कर देते हैं। लेकिन रेड वाइन जो प्राकृतिक रूप से बनाया जाता है वह आपके दिल की इस रोग से रक्षा करता है। यह रक्त वाहिकाओं को साफ करने और शरीर में वसा जमने की वजह से होने वाले नुकसान को रोकने में लाभदायक होता है। रेड वाइन में मौजूद तत्त्व रक्त के थक्के रोकने में काफी मदद करते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि बीयर, स्पीरिट और शराब तीनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, लेकिन दूसरे के मुकाबले शराब भारी लाभ पहुंचाती है।

व्यायाम के बराबर है रेडवाइन

लाल अंगूर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल शरीर की मांसपेशियों और दिल के लिए उसी तरह फायदेमंद होता है, जैसे एक घंटे का शारीरिक व्यायाम। रेसवेरेट्रॉल की अधिक मात्रा शारीरिक प्रदर्शन, हृदय की कार्य प्रणाली और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में काफी हद तक सुधार ला सकती है। ये उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो व्यायाम करना चाहते है पर शारीरिक कमजोरी या असमर्थता के कारण ऐसा नहीं कर पाते। रेसवेरेट्रॉल ऐसे व्यक्तियों को व्यायाम के फायदे बिना व्यायाम किए दिला सकता है। किसी भी चीज की अति बेशक शरीर को नुकसान ही पहुंचाती है। ज्यादा शराब की लत कैंसर जैसी घातक बीमारियों को न्योता देती है। दिन में एक छोटा ग्लास ठीक माना जाता है पर उससे ज्यादा पीना आपके लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं होगा।

प्रार्थना से भी दूर होता है तनाव

तनाव से निपटने के लिए आप क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम से लेकर डॉक्टरी सलाह तक। लेकिन, इन सबके अलावा भी एक अन्य उपाय है। जो आसान होने के साथ-साथ बेहद कारगर भी है और वो है प्रार्थना। आपने कभी तनाव करने के लिए प्रार्थना का सहारा लिया है। जी, प्रार्थना से न सिर्फ तनाव का स्तर कम होता है, बल्कि यह कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार साबित होती है। एक नए शोध के मुताबिक प्रार्थना मन के साथ-साथ शरीर को भी स्वस्था रखती है। साथ ही इससे उम्र में भी इजाफा होता है। यही नहीं प्रार्थना करने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए इस शोध में पाया गया कि धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों में कई तरह की बीमारियां होने की आशंका भी कम होती है।

जीवनशैली पर पूजा का प्रभाव

नियमित रुप से पूजा और प्रार्थना करने से मन में सकारात्क ऊर्जा बढ़ती है। और प्रार्थन करने वाला व्यक्ति भीतर से अच्छा और बेहतर महससू करता है। इससे जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। आजकल अनियमित जीवनशैली कई रोगों की मुख्य वजह है। जब आप पूजा व प्रार्थना को अपने जीवन में एक आदत के तौर पर शामिल करते हैं तो निश्चित ही आप अपने अंदर अच्छा बदलाव महसूस करेंगे। विशेषज्ञों की मानें तो पूजा और संगीत व्यक्ति में बढ़ रहे दबाव का स्तर कम करते हैं। इसका मतलब है ये गतिविधियां जीवन में संतुलन बनाए रखती हैं। प्रार्थना का सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए जरूरी है कि उसे दिल से किया जाए। नियमित योग करने वाले लोग जो हमेशा फिट रहते हैं वह भी एक किस्म की पूजा प्रार्थना ही कर रहे होते हैं।

नोएटिक थैरेपी क्या है?

नोएटिक (मंत्रों, संगीत, स्पर्श और प्रार्थना) थैरेपी वह थैरेपी होती है जिसमें बिना दवाई, उपकरण और सर्जरी के इलाज किया जाता है। कई मरीजों पर नोएटिक थैरेपी का इस्तेमाल करने से पाया गया है कि वह, जो सिर्फ दवाई लेते हैं, उनके मुकाबले इनके 30 प्रतिशत ज्यादा सही होने की संभावना होती है साथ ही इन लोगों में एक आश्वासन इस बात का भी होता है कि ये मरीज लंबे समय तक बीमार नहीं पड़ते।

प्रार्थना के अन्य लाभ

- प्रार्थना करने से मन स्थिर और शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।
- इससे स्मरण शक्ति और चेहरे की चमक बढ़ती है।
- प्रार्थना से मन में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है, जिससे मन निरोगी बनता है।
- शोध में पाया गया है नियमित तौर पर ईश्वर का ध्यान करने और प्रार्थना करने से रक्त संचार दुरुस्त रहता है।
- सामूहिक तौर पर प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में एकता का भाव बढ़ता है और अकेलापन दूर होता है।
- धार्मिक स्थल तक पैदल चल कर जाने से व्यायाम भी हो जाता है।
- प्रतिदिन प्रार्थना करने से व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है, जिससे एकाग्रता आती है।

9 बीमारियों का एक साथ इलाज करता है सेब

आपने बचपन से ही बड़ों को ये कहते सुना होगा कि रोज एक सेब खाने से सेहत ठीक रहती है और बीमारियां दूर होती है लेकिन क्या आप इस बात पर यकीन करते हैं कि सच में रोजाना एक सेब खाने के हमारे शरीर को फायदे होते हैं। जी हां यह सच है। रोज एक सेब खाने से बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। क्योंकि यह केवल एक फल ही नहीं बल्कि औषधि भी है इसलिए इसे जादुई फल भी कहा जाता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट और बीमारियों से लड़ने वाले तत्व पाए जाते हैं। सेब में कुछ ऐसे भी तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर में नई कोशिकाओं को बनाते है। इसमें पेक्टिन जैसे फायदेमंद फाइबर्स पाए जाते हैं, जिससे कैंसर, हाइपरटेंशन, मधुमेह और दिल से जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है।

जानिए सेब खाने के ऐसे फायदे हैं जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता होगा।

रोज एक सेब खाने से दांतों से पीलापन दूर होता है। मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव को दूर करने के लिए भी सेब बहुत मददगार है। सेब में भरपूर मात्रा में डाइट्री फाइबर्स पाए जाते हैं, जो पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करते है। सेब में कई ऐसे तत्व पाए जाते है, जो कैंसर के खतरा को भी कम करते है। डायबिटीज के मरीजों को भी नियमित रुप से सेब का सेवन करना चाहिए। सेब का सेवन करना दिल के लिए बहुत अच्छा होता है। कब्ज की समस्या को दूर करने में भी सेब काफी फायदेमंद है। अगर आप वजन को नियंत्रित करना चाहते है, तो सेब खाना एक बेहतर विकल्प है। शरीर के भीतर मौजूद कई विषाक्त पदार्थ बाहर निकलने में भी सेब का नियमित इस्तेमाल फायदेमंद है।

पुरुषों के लिए फिट रहने के टिप्स

फिटनेस की परिभाषा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नहीं होती है। बल्कि शारीरिक फिटनेस शरीर और मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। नियमित एक्सरसाइज से न केवल मांसपेशियों में ताकत आती है बल्कि इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में विकास होता हैं, ढलती उम्र धीमी पड़ जाती है और कई अन्य तरह के रोगों से बचाव होता है। इसलिए पुरुषों को फिट रहने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आरामफरामोश न बनें

आधुनिक और आराम तलब जीवनशैली के कारण पुरूष 20 साल के बाद ही हृदयघात के खतरों की चपेट में आने लगते हैं। जो लोग आराम तलब जीवन जीते हैं, एक्सरसाइज करने से जी चुराते हैं और जंक व डिब्बा बंद आहार पर जीते हैं उनमें खराब कोलेस्ट्रोल या निम्न घनत्व वाले लिपोप्रोटीन का स्तर रक्त में हमेशा उच्च रहता है। अपने शरीर में एलडीएल के स्तर को कम करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करके एचडीएल के स्तर को उंचा उठाया जा सकता है।

रक्तचाप सामान्य रखें

जीवन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुए निराशा और तनाव के कारण पुरूषों में उच्च रक्तचाप की बीमारी होना एक आम बात हो गई है। नियमित व्यायाम से रक्तचाप के स्तर को सामान्य रखने में मदद मिलती है और इस वजह से हृदयघात और हृदय रोगों के खतरे भी कम हो जाते हैं।

बढ़ाएं ब्लड सर्कुलेशन

जब आप एक्सारसाइज करते हैं तब शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज हो जाता है और शरीर में ब्लड की सप्लाई भी अधिक होने लगती है। रक्त धमनी शरीर में ब्लड की जरूरत के अनुसार फैलता और सिकुड़ता रहता है। लेकिन जब अदमी आराम तलबी का जीवन जीने लगता है कोई श्रम या एक्सरसाइज नहीं करता हैं तब उसके रक्त धमनी में कोलेस्ट्रोल जमा होने से रक्त धमनी सिकुड़ जाती है जो अंततः हृदय घात का कारण बनती है।

बीमारियों के खतरे कम करें

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान में अनियमितता के कारण वर्तमान में डायबिटीज, कैंसर, अर्थराइटिस, हृदय की बीमारियां, पेट की समस्याएं आदि बढ़ रही हैं। इन बीमारियों से बचाव की कोशिश कीजिए। इसके लिए रोज व्यायाम करें और नियमित जांच कराए।

वजन कम करें

वजन बढ़ने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। वजन कम करने से दिल की बीमारियां नहीं होती हैं। इसलिए इसपर काबू पाने के लिए रोज व्यायाम करें और हेल्दी आहार का सेवन करें। पुरुष इन सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर न केवल फिट रह सकते हैं बल्कि बीमारियों से भी बच सकते हैं।

फार्मा सेक्टर में बेहतर मौके...

फार्मेसी एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें मंदी के दौरान भी नौकरी की कोई कमी नहीं होती। करियर के लिहाज से देखें, तो यह एक शानदार सेक्टर है। मौजूदा समय में भारत क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग के क्षेत्र में भी ग्लोबल हब बन कर उभर रहा है। ऐसे में अगर आप चिकित्सा और सेहत के क्षेत्र में दिलचस्पी रखते हैं तो फार्मेसी में करियर बना कर अपने भविष्य को संवारने का बेहतर मौका मिल सकता है। साइंस विषय के साथ बारहवीं परीक्षा पास करने के बाद दो साल के डी फार्मा कोर्स या चार साल के बी फार्मा कोर्स कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित कई संस्थान, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अंडरग्रेजुएट कोर्स करवाने के अलावा एम फार्मा कोर्स भी करवाते हैं। पहले भारत में फार्मास्युटिकल की पढ़ाई गिने-चुने संस्थानों में ही होती थी, लेकिन तेजी से बढ़ते बाजार और ट्रेंड लोगों की मांग को पूरा करने के लिए अब कई संस्थानों में ऐसे कोर्सेस की शुरुआत हो गई है। छात्र अब बारहवीं के बाद सीधे डिप्लोमा कर सकते हैं। कुछ कॉलेजों में फार्मेसी में फुलटाइम कोर्स संचालित हैं।

स्पेशलाइजेशन के लिए

फार्मा रिसर्च में स्पेशलाइजेशन के लिए एनआईपीईआर यानी नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फार्मा एजुकेशन एंड रिसर्च जैसे संस्थानों में प्रवेश ले सकते हैं। इसके साथ-साथ पीजी डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल एवं हेल्थ केयर मार्केटिंग, डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग, एडवांस डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग एवं पीजी डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग जैसे कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठयक्रमों की अवधि छह माह से एक वर्ष के बीच है। इन पाठयक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम योग्यता बीएससी, बीफार्मा अथवा डीफार्मा निर्धारित की गई है।

व्यक्तिगत योग्यता

यदि आप फार्मेसी की दुनिया में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो आपकी साइंस और खासकर लाइफ साइंस तथा दवाइयों के प्रति दिलचस्पी होनी चाहिए। इससे जुड़े रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपकी दिमागी विश्लेषण क्षमता बेहतर हो और आपकी शैक्षणिक बुनियाद भी अच्छी होनी चाहिए। यदि आप इससे जुड़े मार्केटिंग क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी कम्युनिकेशन स्किल जरूर बेहतर होनी चाहिए। डीफॉर्मा और बीफॉर्मा कोर्स में दवा के क्षेत्र से जुड़ी उन सभी बातों की थ्योरेटिकल और प्रायोगिक जानकारी दी जाती है जिनका प्रयोग आमतौर पर इस उद्योग के लिए जरूरी होता है। इसके साथ फार्माकोलॉजी, इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री, हॉस्पिटल एंड क्लीनिकल फार्मेसी, फॉर्मास्यूटिकल, हेल्थ एजुकेशन, बायोटेक्नोलॉजी आदि विषयों की जानकारी दी जाती है।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट

भारत आज फार्मास्युटिकल्स के क्षेत्र में काफी तेजी के आगे बढ़ रहा है। वैसे, इस क्षेत्र का दायरा भी काफी व्यापक है। यहां नई-नई दवाइयों की खोज व विकास संबंधी कार्य किया जा सकता है। आरएंडडी क्षेत्र को जेनेरिक उत्पादों के विकास, एनालिटिकल आरएंडडी, एपीआई यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल इन्ग्रेडिएंट्स या बल्क ड्रग आरएंडडी जैसी श्रेणियों में बांटा जा सकता हैं। इन सबका अपना सुपर-स्पेशलाइजेशन है।

कुछ प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फॉर्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पंजाब
- आचार्या एंड बीएम रेड्डी कॉलेज ऑफ फार्मासी, बंगलुरु
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, दिल्ली विश्वविद्यालय
- गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा
- बांबे कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, मुंबई
- गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज, केरल
- बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पिलानी
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, बेंगलुरु
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़

ड्रग मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर

यह इस इंडस्ट्री की एक बेहद अहम शाखा है, जो स्टूडेंट्स को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराती है। आप चाहें, तो इस क्षेत्र में मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट, फार्मेकोलॉजिस्ट, टॉक्सिकोलॉजिस्ट या मेडिकल इंवेस्टिगेटर बनकर अपना भविष्य संवार सकते हैं। मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट जीन संरचना के अध्ययन और मेडिकल व ड्रग रिसर्च संबंधी मामलों में प्रोटीन के इस्तेमाल का अध्ययन करता है, जबकि फार्मेकोलॉजिस्ट का काम इंसान के अंगों व ऊतकों पर दवाइयों व अन्य पर्दाथों के प्रभाव का अध्ययन करना होता है। इसी तरह टॉक्सिकोलॉजिस्ट दवाओं के घातक प्रभाव को मापने के लिए अलग-अलग परीक्षण करता है।

मेडिकल इंवेस्टिगेटर

नई दवाइयों के विकास व टेस्टिंग की प्रक्रिया से जुड़ा होता है। मानव जैविकी और दवाइयों संबंधी अपने बैकग्राउंड के कारण वे इसकी रिसर्च प्रक्रिया के लिहाज से बेहद अहम होते हैं। हॉस्पिटल पर दवाइयों और चिकित्सा संबंधी अन्य सहायक सामग्रियों के भंडारण, स्टॉकिंग और वितरण का जिम्मा होता है, जबकि रिटेल सेक्टर में फार्मासिस्ट को एक बिजनेस मैनेजर की तरह काम करते हुए दवा संबंधी कारोबार चलाने में समर्थ होना चाहिए।

क्लिनिकल रिसर्च

जब कोई नई दवा लॉन्च करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लिनिकल ट्रॉयल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लिनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय जगत की दिलचस्पी काफी बढ़ी है। आज देश में कई विदेशी कंपनियां क्लिनिकल रिसर्च के लिए आ रही हैं। दवाइयों की स्क्रीनिंग संबंधी काम में नई दवाओं या फॉर्मुलेशन का पशु मॉडलों पर परीक्षण करना या क्लिनिकल रिसर्च करना शामिल है जो इंसानी परीक्षण के लिए जरूरी है।

क्वालिटी कंट्रोल

फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री का यह एक अहम कार्य है। नई दवाओं के संबंध में अनुसंधान व विकास के अलावा यह सुनिश्चित करने की भी जरूरत होती है कि इन दवाइयों के जो नतीजे बताए जा रहे हैं, वे सुरक्षित, स्थायी और आशा के अनुरूप हैं।

रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट

जिस तरह डॉक्टरों को प्रैक्टिस के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है, उसी तरह इन्हें भी फार्मेसी में प्रैक्टिस करने के लिए लाइसेंस चाहिए। उन्हें रजिस्ट्रेशन के लिए एक टेस्ट पास करना होता है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस विषय में ट्रेनिंग के लिए 'फार्मा डी' नामक एक छह साल का कोर्स शुरू किया है।

ब्रांडिंग एंड सेल्स

फार्मेसी की पृष्ठभूमि से जुड़ा कोई प्रोफेशनल, एमबीए डिग्रीधारी और यहां तक कि साइंस की डिग्री प्राप्त करने वाला शख्स भी सेल्स एंड मार्केटिंग में करियर बना सकता है। फार्मास्युटिकल सेक्टर में मार्केटिंग की काफी अहम है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स उत्पाद की बिक्री के अलावा बाजार की प्रतिस्पर्धा पर भी निगाह रखते हुए इस बात का निर्धारण करते हैं कि किस उत्पाद के लिए बाजार में ज्यादा संभावनाएं हैं। इसी के मुताबिक रणनीति तैयार की जाती है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए यदि आपके पास बीफार्मा के साथ साथ एमबीए की भी डिग्री है तो सोने पर सुहागा वाली बात होगी। प्रशिक्षित पेशेवर की मांग दुनिया की बेहतरीन फॉर्मास्यूटिकल कंपनियां भारत में अपना कारोबार कर रही हैं। इनके अलावा, रैनबैक्सी, एफडीसी, कैडिला, शिपला, डॉ. रेड्डीज, डाबर, ल्यूपिन आदि कंपनियां भारत में व्यवसायरत हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की काफी मांग है।

यहां हैं मौके

नर्सिंग होम, अस्पतालों और कंपनियों में आपके लिए नौकरी के अवसर हैं। ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन और आर्म्ड फोर्सेज में भी काफी संभावनाएं हैं। बीफॉर्मा करने के बाद आप मैन्युफैक्चरिंग केमिस्ट, एनालिस्ट कैमिस्ट, ड्रग इंस्पेक्टर के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग सेक्टर में भी आपके लिए कई अवसर मौजूद हैं। जिस तरह से मेडिकल टूरिज्म बढ़ रहा है और दवाइयों की खपत बढ़ीं हैं।

जेरियाट्रिक्स केयर बन कर सकते हैं चाहत पूरी

अगर आप सेवा के जुड़े क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं और साथ में अच्छी कमाई भी करना चाहते हैं कि जेरियाट्रिक्स केयर बन अपनी चाहत पूरी कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम का संचालन भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय करता है। इसका मकसद युवक-युवतियों को बुजर्गों की सेवा के लिए प्रशिक्षित करना है। पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ी हैं। दरअसल बुजर्गों की सेवा के लिए इस क्षेत्र में दक्ष लोगों की जरूरत को काफी पहले से महसूस किया जा रहा था।

इस जरूरत को ध्यान में रखकर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने जेरियाट्रिक्स केयर पाठ्यक्रम की शुरुआत की जिसके तहत बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के बारे में बताया जाता है। इस पाठ्यक्रम में मूल रूप से विद्यार्थियों को समुदाय के अंदर वृद्ध लोगों की स्थित, एकल और संयुक्त परिवारों के गुण-दोष, सामाजिक सुरक्षा संबंधी उपाय, वृद्धावस्था में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिति को समझने, पुनर्वास के अलावा उनकी समस्याओं को निपटाना, उनकी पोषाहार संबंधी जरूरतों की जानकारी और आहार प्रबंधन और मनोविज्ञान के अलावा वृद्धावस्था संबंधी देखभाल के आधारभूत सिद्धांतों की जानकारी दी जाती है। इस पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को घर-घर जाकर वृद्धों की समस्याओं पर रिपोर्ट भी तैयार करनी होती है।

अपार संभावनाएं

इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अपार संभावनाएं उभरी हैं। पीजी डिप्लोमाधारी अभ्यार्थी किसी सरकारी, गैर सरकारी, कॉरपोरेट क्षेत्र और शैक्षणिक संस्थाओं में अच्छे पद पर कार्य कर सकता है। इसके अलावा गृह देखभाल कर्ता, उपचार सहायक, शारीरिक चिकित्सा सहायक, परियोजना निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, कल्याण अधिकारी बनकर भविष्य संवार सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डॉ. रेड्डी हैरिटेज फाउंडेशन, हैदराबाद।
- कलकत्ता मैट्रोपोलिटेन इंस्टीट्यूट ऑफ जिरानहोलॉजी, कोलकाता।
- न्यू इंटिग्रेटेड रूरल मैनेजमेंट एजेंसी, इम्फाल।
- राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, आरके पुरम, नई दिल्ली।

तीन कोर्स

बुजुर्गों की देखभाल संबंधी प्रमुख तौर पर तीन कोर्स चलाए जाते हैं। जिसमें तीन महीने और 6 महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और पीजी डिप्लोमा कोर्स शामिल है। तीन माह का कोर्स खासतौर से समाजसेवी संस्थाओं के लिए है जो देश में बुजुर्गों की देखभाल और उनके लिए कार्य करती हैं। पीजी डिप्लोमा कोर्स का मुख्य उद्देश्य समर्पित व्यक्तियों की एक टीम तैयार करना होता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में इस क्षेत्र से संबंधित गहन अध्ययन कराया जाता है जिसमें थ्योरी स्तर प्रैक्टिकल और परियोजना कार्य के अलावा इंटर्निशप और सेमिनार प्रस्तुति भी सिखाई जाती है।

ऐसे होता है दाखिला

इन सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा देना पड़ती है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में नामांकन के लिए उम्मीदावार को किसी भी संस्थान से समाज विज्ञान, समाज कार्य, मानव विज्ञान, परिचर्चा या गृहविज्ञान में स्नातक होना आवश्यक है। साथ ही अभ्यर्थी की उम्र किसी भी हालत में 20 साल से कम नहीं होनी चाहिए।

वहीं वृद्धावस्था देखभाल संगठनों में कार्यरत या वृद्धावस्था सेवा क्षेत्र में प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवारों, सामाजिक कार्यकर्ता, काउंसलर, स्वास्थ्य कर्मी और नर्सिंग के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

जबकि 3 और 6 महीने के प्रमाणपत्र कोर्स के लिए उम्मीदवार का मैट्रिक पास होना आवश्यक है साथ ही उसकी आयु 18 साल से कम नहीं होना चाहिए। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी को साक्षात्कार से भी गुजरना पड़ता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)